শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 26 | गुवाहाटी | रविवार, 20 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

न्यू तिनसुकिया और धुबड़ी के बीच स्पेशल ट्रेन की सेवा बढ़ी पेज 3

अब सीमाओं पर पैराशूट से राशन और लड़ाकू हथियार पहुंचाने की तैयारी पेज 4

जिला पंचायत सदस्यों के प्रशिक्षण का शुभारंभ करने पहुंचेंगे उपर मुख्यमंत्री... पेज 5

चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अप्राप्त लाभ आदि राज्यतंत्र के चार आधार हैं।

– आचार्य चाणक्य

पांच कंपनियां 3,000 करोड़ रुपए निवेश करने को उत्सुक : सीएम

गुवाहाटी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि असम औद्योगिक और निवेश नीति (संशोधन), 2023 के तहत निवेश राज्य के विकास उद्देश्यों और विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप हो, एक अधिकार प्राप्त समिति की स्थापना की गई है। उद्योग और वाणिज्य मंत्री के नेतृत्व में यह समिति नई नीति के तहत प्राप्त सभी प्रस्तावों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी लेगी। नीति पहले से ही सफलता के आशाजनक संकेत दिखा रही है, क्योंकि पांच कंपनियां इसके प्रावधानों के तहत राज्य में इकाइयां स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। लगभग 3,000 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ इन उद्यमों से राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 19 अगस्त को संभावित निवेशकों को हार्दिक निमंत्रण देने के लिए सोशल मीडिया साइट एक्स का सहारा लिया। मुख्यमंत्री की घोषणा ने व्यापार-अनुकूल माहौल बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और असम द्वारा पेश किए जाने वाले विविध अवसरों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री शर्मा ने मंच पर लिखा कि हम असम में व्यापार-अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और राज्य द्वारा प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों का पता लगाने के लिए संभावित निवेशकों का स्वागत करते हैं। हम प्रक्रिया को सहज और फायदेमंद बनाने के लिए आवश्यक सभी मदद देंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

कामाख्याधाम में देवधानी उत्सव पर श्रद्धालुओं की भीड़

गुवाहाटी (हि.स.)। निलाचल पहाड़ी पर स्थित विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या धाम में मनसा पूजा के अवसर पर शुक्रवार से तीन दिवसीय देवधानी उत्सव का शुभारंभ हुआ। जिसका समापन रविवार को होगा। यह उत्सव कामाख्या धाम का एक प्रमुख उत्सव है। कामाख्या धाम में मनसा पूजा के अवसर पर देवधानी नृत्य का आयोजन होता है। कामाख्या धाम में इस नृत्य को देखने के लिए हजारों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु कामाख्या मंदिर परिसर में पहुंचे हैं। इस दौरान ढोल और ताल की थाप पर नृत्य किया जाता है। माना जाता है कि इसमें मां का आशीर्वाद मिलता है। यह देवी मां की प्रार्थना करने का एक अनूठा प्रयास है। यह त्योहार परंपरागत रूप से हजारों वर्षों से होता चला आ रहा है। देवधानी उत्सव में जो नृत्य करता है उसे देवधा कहते हैं। इस बार भी कामाख्या धाम में उत्साह के साथ देवधानी नृत्य मनाया जा रहा है। मनसा पूजा के अवसर पर शुक्रवार को देवधानी नृत्य का शुभारंभ हुआ है। आज दूसरे दिन भी देवधानी नृत्य देर शाम तक चला। त्यौहार का अंतिम दिन अर्थात रविवार को यह उत्सव समाप्त हो जाएगा। ज्ञात हो कि देवधानी एक परंपरागत नृत्य है। देवधा एक महीने के कठिन व्रत के बाद देवधानी नृत्य करता है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय अर्थव्यवस्था किरण बनकर चमक रही : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय अर्थव्यस्था आशा की किरण बनकर चमक रही है। सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर एक समाचार पोर्टल के बुलिश ऑन इंडिया अभियान संबंधी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने कहा कि मजबूत वृद्धि और अनुकूल भावना के साथ भविष्य आशाजनक दिखता है। आइए, इस गति को बनाए रखें और 140 करोड़ भारतीयों के लिए समृद्धि सुनिश्चित करें। बाजार -शेष पृष्ठ दो पर

प्रिंसिपल के कैंपस में शराब पीने का छात्रों ने किया विरोध

गुवाहाटी। असम के धेमाजी कॉमर्स कॉलेज में अपने प्रिंसिपल का चार अन्य लोगों के साथ परिसर में शराब पीते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसके बाद बाद छात्रों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। कॉलेज के प्रिंसिपल दीपक कु का कॉलेज छात्र संघ और आरएसएस से जुड़े छात्र संगठन एबीवीपी ने विरोध प्रदर्शन किया। निओग और चार अन्य लोगों को परिसर की संपत्ति पर शराब पीते हुए पाया गया, उनका दावा था कि उनके कार्यों ने सीखने के माहौल की शुद्धता का उल्लंघन किया है। छात्रों ने दावा किया कि असम के प्रमुख समाचार आउटलेट हमारे प्रिंसिपल और चार अन्य लोगों को हमारे कॉलेज परिसर के अंदर एक कमरे में शराब पीते हुए दिखा रहे थे। उन्होंने पूछा कि हम चाहते हैं कि प्रिंसिपल अपने कार्यों की जिम्मेदारी लें, अन्यथा हम कक्षा में नहीं आएंगे क्योंकि हमारे छात्र इस तरह के व्यवहार से क्या सीखेंगे? छात्र संघ ने दावा किया कि प्रिंसिपल ने संस्थान की पवित्रता को खराब कर दिया है और वे उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस बीच, कॉलेज के प्रिंसिपल घटना पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं थे। राज्य शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि वे इस मामले को देख रहे हैं।

न्यूज गैलरी

11 दिन की बेटी का 4 लाख में सौदा पटा नहीं तो पिता ने मार दिया

गुवाहाटी। असम में 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी 11 दिन की बेटी को 4 लाख रुपए में एक दंपति को बेचने की कोशिश की। जब वह उसे बेचने में असफल रहा तो उसने कथित तौर पर नवजात को मारकर दफना दिया। इस शख्स की पहचान असम के बजाली जिले के दुबी मालीपारा इलाके के निवासी निरंजन मालाकार के रूप में की गई है। परिवार ने शुक्रवार रात को नवजात शिशु के साथ निरंजन के लापता होने की सूचना दी। इसके बाद शनिवार की सुबह निरंजन ने अपने बहनोई को फोन करके बताया कि बच्ची की मौत हो गई है -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : अर्थव्यवस्था को लेकर बैठक

इंफाल (हिस.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने पिछले तीन महीने से हिंसा प्रभावित राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने को लेकर शनिवार को बैठक की। मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में आयोजित इस बैठक में राज्य में जारी हिंसा को लेकर जर्जर हो रही अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने संबंधी उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने हिंसा के कारण राज्य की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता जतायी और -शेष पृष्ठ दो पर

हिमाचल में आपदा को लेकर हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के चलते हाहाकार मचा है। सैंकड़ों लोगों के घर तबाह हो गए हैं और सरकारी संपत्ति को भी खासा नुकसान हुआ है। इस बीच राज्य की आपदा के बाद बचाव कार्यों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल मीटिंग की। पीएम ने भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण हिमाचल में आई आपदा पर शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर हालात और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की। पीएम मोदी के आधिकारिक आवास 7 -शेष पृष्ठ दो पर

द्वारका एक्सप्रेस-वे में घोटालों के दावों पर गडकरी ने दी सफाई

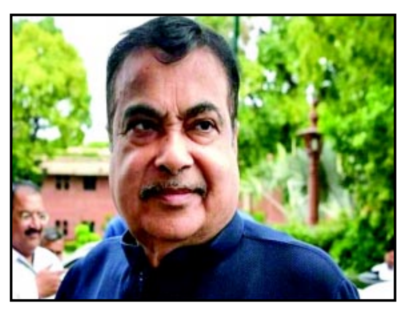

नई दिल्ली। सड़क परिवजन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि द्वारका एक्सप्रेस-वे में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ और इसकी लागत को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में जो तथ्य सामने आए हैं, वह लिखित सूचना नहीं देने की चूक के कारण हुआ है। गडकरी ने एक समाचार चैनल द्वारा यहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय पारदर्शी और निर्धारित तरीके से सड़कों के निर्माण का काम कर रहा है और एक काम में भी कहीं कोई भ्रष्टाचार हुआ हो तो इसके लिए वह कोई भी सजा भुगतने को तैयार हैं। द्वारका एक्सप्रेस-वे में कैग की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार होने संबंधी आरोपों को खारित करते हुए उन्होंने कहा कि द्वारका एक्सप्रेस-वे स्टेट आफ आर्ट प्रोजेक्स है और इसकी कुल लंबाई 29 किलोमीटर है। लेन के हिसाब से 563 किलोमीटर है। आठ लेन की इस सड़क में छह लेन की सुरंग है और इसकी लागत 250 करोड़ रुपए नहीं बल्कि 206 करोड़ रुपए थी। उन्होंने कहा कि परियोजना में हर चरण पर कम लागत आने के लिए सभी कदम उठाए हैं। परियोजना के चार चरण के लिए चार टेंडर मंगाए गये और पहला पैकेज में पांच टेंडर आए और इसमें लागत पांच प्रतिशत कम हुई। दूसरे पैकेज में चार प्रतिशत ऊंची गई और तीसरे पैकेज के टेंडर में 12 कंपनियां शामिल हुई जबकि चौथे पैकेज में आठ प्रतिभागी थे। पूरे प्रोजक्ट में 12 प्रतिशत लागत कम हुई। कैग की रिपोर्ट में लागत ज्यादा आने को लेकर सफाई देते हुए उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में पांच एनएलएफटी उग्रवादियों का आत्म-समर्पण

अगरतला। प्रतिबंधित नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) बीएम समूह के पांच आतंकवादियों ने त्रिपुरा के धलाई जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इसकी जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को दी। धलाई के पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार राय ने फोन पर बताया कि पांच उग्रवादियों की पहचान कांता मोहन त्रिपुरा (45), नक्षत्र देबबर्मा (32), एमांग देबबर्मा (20), गेटाजॉय त्रिपुरा (23) और मंसुबर त्रिपुरा (25) ने शुक्रवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ये पांचों बांग्लादेश में एनएलएफटी के सिलाचेरी कैंप में प्रशिक्षण ले रहे थे। एसपी ने कहा कि उन्होंने ठिकाना छोड़ दिया और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। राय ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) में सिलाचेरी में स्थित एनएलएफटी उग्रवादियों के एक समूह ने कठिनाइयों और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्रशिक्षण शिविर छोड़ दिया है और आत्मसमर्पण -शेष पृष्ठ दो पर

रतन टाटा उद्योगरत्न से सम्मानित

मुंबई (हि.स.)। उद्योगपति रतन टाटा को महाराष्ट्र सरकार की ओर से शनिवार को उद्योग रत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। रतन टाटा की तबीयत ठीक न होने की वजह से सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने रतन टाटा के आवास पर जाकर यह पुरस्कार उन्हें प्रदान किया। महाराष्ट्र में सर्वोच्च महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार साहित्य, कला, खेल और विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। इसी तर्ज पर इस वर्ष से उद्योग क्षेत्र में महती योगदान के लिए उद्योग रत्न पुरस्कार दिए जाने का फैसला राज्य सरकार ने लिया है और पहला पुरस्कार उद्योगपति रतन टाटा को दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से उद्योग रत्न पुरस्कार के रूप में 25 लाख रुपए, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसी तरह इस वर्ष से उद्योग मित्र और उद्योगिनी पुरस्कार भी शुरू किया गया है। उद्योग मित्र पुरस्कार के रूप में 15 लाख रुपए, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। उद्योगिनी पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपए, एक पदक और एक प्रमाण पत्र और उत्कृष्ट मराठी उद्यमी पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपए, एक पदक और एक प्रमाण पत्र राज्य सरकार की ओर से दिया -शेष पृष्ठ दो पर

अब सीमाओं पर पैराशूट से राशन और लड़ाकू हथियार पहुंचाने की तैयारी

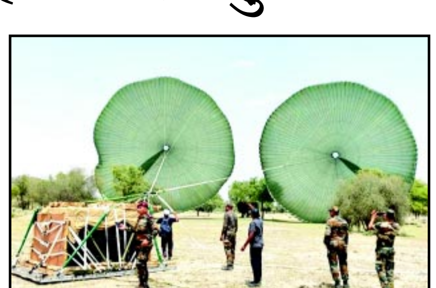

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय वायु सेना अब सीमाओं पर तैनात जवानों को पैराशूट के जरिए राशन और लड़ाकू हथियार पहुंचाने की तैयारी कर रही है। सैन्य रसद क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए वायु सेना ने शनिवार को कार्गो विमान से स्वदेशी हेवी ड्रॉप सिस्टम (एचडीएस) का परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के अनुसार इस हेवी ड्रॉप सिस्टम को एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने डिजाइन और विकसित किया है। यह एक विशेष सैन्य तकनीक है, जिसका उपयोग विभिन्न सैन्य आपूर्ति, उपकरण और वाहनों की सटीक पैरा-ड्रॉपिंग के लिए किया जाता है। इसे विकसित करने में उन पैराड्रॉप तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिसे कुछ चुनिंदा देशों ने आजमाया है। एडीआरडीई ने एएन-32, आईएल-76 और सी-17 जैसे परिवहन विमानों के लिए हेवी ड्रॉप सिस्टम के विभिन्न वेरिएंट तैयार किए हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

प्रेग्नेंसी खत्म करने से गुजरात एचसी में लगी याचिका पर विलंब से एससी नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गर्भावस्था खत्म करने की मांग को लेकर रेप पीड़िता की याचिका पर वक्त बर्बाद करने की कारगुजारी को लेकर गुजरात हाईकोर्ट पर कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही कोर्ट ने कल रविवार शाम तक मेडिकल रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार समेत अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले की सुनवाई सोमवार को होगी। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट ने मामले में बहुमूल्य समय बर्बाद कर दिया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि यह अदालत गुजरात राज्य को नोटिस जारी करती है। वकील स्वाति घिल्डियाल ने इस नोटिस को स्वीकार कर लिया है। जबकि गुजरात राज्य ने सभी प्रतिपक्षों के लिए नोटिस स्वीकार किया है। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से शशांक सिंह ने अदालत में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट में मामला 7 अगस्त को दाखिल किया गया था। इस मामले को 8 अगस्त को उठाया गया था और याचिकाकर्ता की गर्भावस्था की स्थिति का पता लगाने के लिए इसे मेडिकल -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा मंत्री को सांप ने डसा

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस को सांप ने काट लिया। घटना 15 अगस्त की है। शनिवार को तबियत ठीक होने के बाद उन्होंने खुद ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी। डाक्टरों ने बैंस को अभी दो से तीन दिन और आराम करने की सलाह दी है। हरजोत बैंस ने ट्वीट करके लिखा कि परमात्मा की कृपा से उनके हलके आनंदपुर साहिब में बाढ़ से पैदा हुए हालात अब काफी हद तक ठीक हैं। 15 अगस्त को जब वह हलके के गांवों में पानी भरने का जायजा लेने के गावों का दौरा कर -शेष पृष्ठ दो पर

उदयपुर-खजुराहो ट्रेन की इंजन में लगी आग

छिंदवाड़ा/ग्वालियर (हि.स.)। मध्यप्रदेश से गुजर रही दो ट्रेनों में शनिवार को आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। उदयपुर-खजुराहो एक्सप्रेस (19666) के इंजन में ग्वालियर के सिथौली रेलवे स्टेशन के पास आग लगी। जानकारी लगने पर लोको पायलट ने सिथौली में ट्रेन रोक दी। इंजन में लगी आग को बुझाया गया, इसके बाद इंजन बदल कर ट्रेन को खजुराहो के लिए रवाना किया गया। इससे पहले नई दिल्ली से हैदराबाद जा रही 12724 तेलंगाना एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगी। ट्रेन छिंदवाड़ा के पांढुर्णा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

अल्पसंख्यक मंत्रालय घोटाला : स्मृति ईरानी ने सीबीआई को सौंपी जांच

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति में घोटाले का मामला सामने आया है। कई राज्यों में फर्जी लाभार्थी, फर्जी सस्थान और फर्जी नामों से बैंक खाते बनाकर कई करोड़ रुपयों का घोटाला किए जाने का खुसाला हुआ है। मामला कथित तौर पर अल्पसंख्यक संस्थानों, राज्य प्रशासन और बैंकों मं संस्थागत भ्रष्टाचार का है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मामले की जांच सीबीआई से कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, मदरसों सहित 1572 अल्पसंख्यक संस्थानों की जांच में 830 फर्जी/नॉन-ऑपरेशनल पाए गए जिनमें 144 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। दरअसल, अल्पसंख्यक मंत्रालय ने 10 जुलाई को सीबीआई में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। 34 राज्यों के 100 जिलों में मंत्रालय ने आंतरिक जांच कराई है। 21 राज्यों के 1572 संस्थानों में 830 संस्थान फर्जी पाए गए हैं। इन सभी संस्थानों के खाते सीज करने के आदेश दिए गए हैं। लगभग

53 प्रतिशत फर्जी अभ्यर्थी मिले हैं। पिछले सिर्फ 5 साल में मात्र 830 संस्थान में ही 144.83 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। हालांकि बाकी संस्थानों की भी जांच जारी है। अब तक जांचे गए मामलों में फर्जी लाभार्थियों द्वारा छात्रवृत्ति के वास्तविक लाभार्थियों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने और खजाने को 144 करोड़ रुपए के नुकसान की जांच के लिए मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है। सूत्रों की माने तो यह कई स्तरों पर संस्थागत भ्रष्टाचार है। संस्थान या तो गैर-मौजूद हैं या गैर-कार्यशील हैं, लेकिन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल और शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) दोनों पर पंजीकृत हैं। संस्थानों के नोडल अधिकारियों ने ओके रिपोर्ट कैसे दे दी, कैसे जिला नोडल अधिकारी ने फर्जी मामलों का सत्यापन किया और कितने राज्यों ने घोटाले को वर्षों तक जारी रहने दिया आदि की जांच सीबीआई करेगी। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया कि बैंकों ने लाभार्थियों के लिए फर्जी खाते खोलने की अनुमति कैसे दी। फर्जी आधार कार्ड और केवाईसी की जांच चल रही है। बता दें कि अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति की योजना 2007-8 में शुरू की गई थी तब से लेकर अब तक हजारों करोड़ के घोटाले का आकलन है।

आरएल ज्वेलर्स पर ईडी का छापा, 50 किलो सोना जब्त

मुंबई (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पूर्व सांसद और राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के नजदीकी ईश्वरलाल जैन के प्रतिष्ठान आरएल ज्वेलर्स पर छापा मारकर 50 किलो सोना और 87 लाख रुपए जब्त किया है। पूर्व सांसद ईश्वरलाल जैन ने ईडी की ओर से की गई जब्ती की कार्रवाई को गैरकानूनी बताया है। जैन ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि वे ईडी की कार्रवाई को कोर्ट में चुनौती देंगे। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम ने ईश्वरलाल जैन के जलगांव, नागपुर और नासिक में स्थित आर एल ज्वेलर्स के प्रतिष्ठानों पर गुरुवार को सुबह से एक साथ छापेमारी शुरू की थी। इस छापेमारी में ईडी के 60 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम तक लगभग 40 घंटे से अधिक समय तक चली। इसके बाद ईडी की टीम ने मौके से 50 किलो सोना और 87 लाख रुपए जब्त किए । बताया जा रहा है नासिक और नागपुर से ईडी की टीम ने कई दस्तावेज बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक से लिए गए 525 करोड़ रुपए के ऋण के मामले में की गई। हालांकि ईडी की ओर से अभी तक इस छापेमारी की अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। ईश्वरलाल जैन ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि भारतीय स्टेट बैंक ऋण घोटाले का मामला सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने दर्ज किया है। इसलिए इसके बाद ईडी की कार्रवाई होना कोई ताज्जुब की बात नहीं है। ईडी की टीम ने उनसे जो मांगा, सब दिया गया लेकिन ईडी ने जो जब्त किया, वह गलत और गैरकानूनी है। इसी वजह से वे ईडी की कार्रवाई को कोर्ट में चुनौती देंगे।

वाराणसी : वाई-20 शिखर सम्मेलन में अमृतकाल को सशक्त बनाने पर चर्चा

वाराणसी (हि.स.)। जी-20 के तहत वाराणसी में आयोजित चार दिवसीय वाई-20 युवा शिखर सम्मेलन के तीसरे दिन शनिवार को युवाओं ने अमृतकाल को सशक्त बनाने पर चर्चा की। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में चल रहे शिखर सम्मेलन में शासन में सहभागिता के जरिए अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाने के विषय पर चर्चा हुई। इसमें माईगव के माध्यम से बताया गया कि किस तरह आम लोग देश की योजनाओं को बनाने में साझीदार बन रहे हैं। इस सत्र का संचालन माईगव के निदेशक आशीष खरे और वरिष्ठ प्रबंधक रेनू सिंह ने किया। सत्र की शुरुआत भारत की प्रेरक शक्ति युवा शक्ति पर जोर देने वाले एक वीडियो के साथ हुई। इसके बाद मेरी सरकार प्लेटफॉर्म की एक झलक दिखाई गई, जिसे भारत सरकार के नागरिक सहभागिता प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है। प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि मेरी सरकार ने बार-बार नागरिकों से नीतियों का मसौदा तैयार करने के लिए इनपुट मांगा है। उनमें से राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डेटा सेंटर नीति, डेटा संरक्षण नीति, राष्ट्रीय बंदरगाह नीति, आईआईएम विधेयक आदि शामिल हैं। मेरी सरकार भी मन की बात, वार्षिक बजट, परीक्षा पे चर्चा और ऐसी कई अन्य पहलों के लिए अक्सर विचार मांगता रहा है। इस सत्र के बाद वाई-20 ड्राफ्ट पर चर्चा हुई। इसमें पांच पूर्व निर्धारित बिंदुओं पर विमर्श हुआ। इनमें कार्य का भविष्य: उद्योग 4.0, नवाचार और 21वीं सदी के कौशल, शांति निर्माण और सुलह : युद्ध रहित युग की शुरुआत, जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण : स्थिरता को जीवन का एक तरीका बनाना, साझा भविष्य: लोकतंत्र और शासन में युवा के लिए एजेंडा शामिल है। इन बिंदुओं की पांच ट्रैक चेयर के सतर्क मार्गदर्शन के तहत पांच अलग-अलग सम्मेलन कक्षों में विमर्श हुआ। वाई-20 के तीसरे दिन ही रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में एक आयोजक सम्मेलन भी आयोजित किया गया। इसमें फरवरी 2023 में गुवाहाटी में आयोजित युवा-20 शिखर सम्मेलन की शुरुआती बैठक से आगे की चर्चा की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता भारतीय प्रतिनिधि प्रियांक चौहान और संयोजक अजय कश्यप सहित वाई-20 सचिवालय के सदस्यों ने की। इस दौरान वाई-20 इंडिया के सचिव अभिषेक मल्होत्रा, आर्य झा और दृष्टि रावल भी मौजूद रहे।

लद्दाख से पैंगोग त्सो लेक के लिए बाइक से निकले राहुल गांधी

लेह (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को बाइक द्वारा लद्दाख से पैंगोंग त्सो लेक के लिए रवाना हुए। पैंगोग त्सो लेक पर रविवार (20 अगस्त) को अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 80वीं जयंती मनाएंगे। राहुल ने अपनी यात्रा के कुछ फोटो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर शेयर किए। उन्होंने लिखा, पैंगोग त्सो लेक के रास्ते में हूं। मेरे पिता कहते थे कि यह दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 एवं 35 (ए) हटाए जाने के बाद से राहुल गांधी की यह पहली लद्दाख यात्रा है। हालांकि राहुल ने इस साल की शुरुआत में दो बार श्रीनगर और जम्मू का दौरा किया था, लेकिन तब वह लद्दाख नहीं गए थे।

प्रियंका गांधी को घोषित किया जाए पीएम उम्मीदवार : आचार्य प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को कहा कि विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर निर्भर है कि वे 2024 का चुनाव किस सीट से लड़ना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर प्रियंका की बात आती है, तो उन्हें पीएम उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। तब यह मोदी बनाम प्रियंका की लड़ाई होगी और पूरा देश वोट करेगा और फैसला करेगा। इससे पहले मई में, कृष्णम ने विपक्षी दलों से कहा था कि उन्हें प्रियंका गांधी को अगला प्रधान मंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए क्योंकि वह लोकप्रिय, स्वीकार्य और विश्वसनीय हैं। कृष्णम ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए प्रियंका गांधी से ज्यादा लोकप्रिय, स्वीकार्य और विश्वसनीय कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष

2024 में पीएम मोदी को हराना चाहता है तो उसे एक बड़ा चेहरा सामने लाना होगा जो लोकप्रिय, विश्वसनीय और स्वीकार्य हो। मुझे लगता है कि प्रियंका गांधी से अधिक लोकप्रिय, स्वीकार्य और विश्वसनीय कोई नेता नहीं है। मैं विपक्षी दलों से उन्हें पीएम उम्मीदवार घोषित करने की अपील करना चाहता हूं। मामला तब शुरु हुआ जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रियंका जी चाहें तो वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं, हमारा एक एक कार्यकर्ता उनके लिए जान लगा देगा। बाद में अपने बयान को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस कार्यकर्ताओं और वहां की जनता की मांग है। कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी कमियों पर काम करके यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि राहुल गांधी अमेठी से जीतें। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग है कि प्रियंका गांधी को एक मजबूत नेता के रूप में स्थापित किया जाए। कहां से चुनाव लड़ना है, यह उनका (सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी) निजी फैसला है।

पृष्ठ एक का शेष

पांच कंपनियां 3,000...

इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, असम सरकार ने असम औद्योगिक और निवेश नीति (संशोधन), 2023 पेश की है। इस दूरंदेशी नीति का उद्देश्य असम को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य में बदलना, बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को आकर्षित करना और राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। नीति की एक उल्लेखनीय विशेषता राज्य में मेगा परियोजनाओं की स्थापना के लिए अनुकूलित प्रोत्साहन की शुरूआत है। इन प्रोत्साहनों के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, परियोजनाओं को विशिष्ट मानदंडों को पूरा करना होगा, जिसमें 100 करोड़ का प्रारंभिक निवेश और 200 स्थायी रोजगार के अवसरों का सृजन शामिल है, जिसमें सभी ग्रेड थ्री और ग्रेड फोर रोजगार राज्य अधिवास निवासियों के लिए आरक्षित हैं।

कामाख्याधाम में देवधानी...

नृत्य करने वाला देवधा हाथ में धारधार अस्त्र लेकर नृत्य करते है। लोग अपनी मनचाहा ईच्छा पूर्ति के लिए लोग मां के दरवार में पहुंचते हैं। कामाख्या मंदिर के अलावा कामरूप (ग्रामीण) जिले में भी मनसा पूजा के अवसर पर देवधानी नृत्य का आयोजन किया गया। कामरूप (ग्रामीण) इलाका जैसे ददरा, पछरिया, हाजो, रामदिया, सुवालकुची आदि इलाके में मनसा पूजा के अवसर पर देवधानी नृत्य का आयोजन किया गया। जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

भारतीय अर्थव्यवस्था किरण...

और वित्तीय क्षेत्र की खबरों में विशेषज्ञता रखने वाले पोर्टल ने एक्स पर पोस्ट किया था कि देश की अर्थव्यवस्था ने न केवल चुनौतियों का सामना किया है, बल्कि आशावाद के लिए मंच तैयार करते हुए फली-फूली है। इसमें कहा गया कि पोर्टल का *बुलिश ऑन इंडिया* अभियान विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत के आर्थिक लचीलेपन और वृद्धि की क्षमता को दिखाता है। पोर्टल ने एक बयान में कहा कि उसका लक्ष्य वैश्विक आर्थिक मंदी के समय में राष्ट्र द्वारा प्रदान की जाने वाली अद्वितीय क्षमता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हुए देश की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख कारकों का विश्लेषण करना है।

हिमाचल में आपदा...

लोक कल्याण मार्ग पर लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। उधर, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण हुए भारी नुकसान का जायजा लेने कल अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश जा रहे हैं। नड्डा इस यात्रा के दौरान प्राकृतिक त्रासदी में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात भी करेंगे। वे समरहिल, शिमला में भारी बारिश के कारण हुए ध्वस्त प्राचीन शिव मंदिर स्थल का मुयायना करेंगे। शिमला एवं बिलासपुर में स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक कर राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्यों पर चर्चा भी करेंगे। नड्डा रविवार को सुबह 9 बजे पांवटा साहिब (सिरमौर) पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे सड़क मार्ग द्वारा 9:35 बजे गांव सिरमौरी ताल एवं कच्ची ढांग पहुंचेंगे, जहां वे सिरमौरी ताल क्षेत्र में बादल फटने से उत्पन्न हुई स्थिति का जायजा लेंगे तथा इस हादसे में दिवंगत 5 सदस्यों के परिवारजनों से मुलाकात भी करेंगे। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष 11:20 बजे शिमला के शिवबावडी, समरहिल पहुंचेंगे, जहां वे भारी बारिश से तबाह हुए प्राचीन शिव मंदिर स्थल का जायजा लेंगे। इस हादसे में अब तक 16 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं और यहां पर राहत और बचाव कार्य अब तक चल रहा है।

द्वारका एक्सप्रेस-वे ...

कि समस्या क्या हुई कि इसमें अंदर सुरंग है इसलिए कीमत ज्यादा गई। ज्यादा कीमत आने की बात हमने कैग के सामने रखी और कैग लागत आने के कारणों पर सहमत था लेकिन गलती यह हुई कि लिखित में इसकी सूचना नहीं दी गई और यही चूक सामने आ गई। इस चूक की वजह से कैग की रिपोर्ट में वही लिखा आया जिस पर उसने पहले आपत्ति दर्ज की थी और आपत्ति को लेकर हमारे द्वारा दिए गये कारणों को सही माना था। उन्होंने विपक्षी दलों तथा अन्य सभी पक्षों का आह्वान किया कि यदि उन्हें कुछ गलत लगता है तो वह इस बारे में वह सारे सवालों का जवाब देने को तैयार हैं। इसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। इस बारे में जो भी चुनौती दी जाएगी वह उसका सामना करने को तैयार हैं। गडकरी ने कहा कि हम पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं और समय से काम कर रहे हैं। मुझे मोदी सरकार में 50 लाख करोड़ रुपए का काम करने का मौका मिला है और कोई बता दे कि हमने कहीं कोई भ्रष्टाचार किया है। मैं विपक्ष को आह्वान करता हूं कि वे आएं और उनको मैं अपने पारदर्शी होने का सबूत दूंगा। इसमें यदि कोई घोटाला पाया जाता है तो जो चाहें सजा भुगतने को तैयार हूं। कैग ने गलती पकड़ी है और वह सामने आई है। इसकी कुल लागत में हमने 12 प्रतिशत बचाए हैं। यह काम पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से हुआ है। कैग की रिपोर्ट सामने आने के आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। कांग्रेस ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि केंद्र सरकार की सात परियोजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि इन *घोटालों* की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि भारतमाला परियोजना की बिडिंग प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा हुआ और लागत 100 प्रतिशत बढ़ा दी गई। द्वारका एक्सप्रेस-वे में भारी धांधली हुई। सड़क बनाने की क़ीमत 18 करोड़ प्रति किलोमीटर से 250 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर पहुंच गई। आयुष्मान भारत में मृत लोगों को जीवित दिखा कर फर्जी भुगतान किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार ने भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने यह आरोप भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के बाद लगाया जिसमें कथित तौर पर द्वारका एक्सप्रेस वे निर्माण पर बहुत अधिक व्यय की बात की गई है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक भारतमाला परियोजना नामक राजमार्ग योजना के पहले चरण को लेकर तैयार कैग की रिपोर्ट में इंगित किया गया है कि कैसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा हरियाणा में द्वारका एक्सप्रेस-वे के एक हिस्से को ऊपरगामी पुल के रूप में बनाने के फैसले से लागत 18.2 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर से बढ़कर 251 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर हो गई।

रतन टाटा उद्योगरत्न...

जाता है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अप्रैल में रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया था। उन्हें कई अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं। रतन टाटा की टाटा समूह की कंपनियां अपने परोपकार के लिए जानी जाती हैं।

अब सीमाओं पर ...

जो क्रमशः तीन टन, सात टन और 16 टन सैन्य कार्गो के अलग-अलग वजन वर्गों को पूरा करते हैं। अधिकारियों के अनुसार तीन टन और सात टन क्षमता वाले सिस्टम को भारतीय सेना और भारतीय नौसेना के लिए किया गया है। आईएल-76 विमान के लिए हेवी ड्रॉप सिस्टम-पी7 में एक प्लेटफॉर्म और पैराशूट असेंबली शामिल है। इस पैराशूट प्रणाली में पांच प्राथमिक कैनोपी, पांच ब्रेक शूट, दो सहायक शूट और एक एक्सट्रैक्टर पैराशूट शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म एल्यूमीनियम और स्टील के धातुओं से निर्मित एक मजबूत धातु संरचना है, जिसका वजन लगभग 1,110 किलोग्राम है। लगभग 500 किलोग्राम वजनी पैराशूट प्रणाली भारी माल की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करती है। डीआरडीओ के अनुसार यह सिस्टम 7 हजार किलो रसद लेकर 260-400 किलोमीटर प्रति घंटे की ड्रॉप गति पर काम करता है। आयुध फैक्टरी के पैराशूट का उपयोग करने वाली यह प्रणाली मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप है। हेवी ड्रॉप सिस्टम-16टी को आईएल-76 हेवी लिफ्ट विमान के लिए बनाया गया है। यह 16 टन तक वजन वाले सैन्य कार्गो को सुरक्षित और सटीक पैराड्रॉप करने में सक्षम बनाता है। इसमें बीएमपी वाहन, आपूर्ति और गोला-बारूद शामिल हैं। इस स्वदेशी प्रणाली ने पिछले परीक्षणों में भी सभी इलाकों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह मैदानी इलाकों, रेगिस्तानों और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उतर सकता है। यह प्रणाली अधिकतम 15 हजार किलोग्राम का पेलोड रख सकती है। इससे पहले एडीआरडीई ने खुद भारत के 75वें स्वतंत्रता समारोह के हिस्से के रूप में 500 किलोग्राम क्षमता (सीएडीएस-500) की नियंत्रित हवाई डिलीवरी प्रणाली का प्रदर्शन किया था। यह प्रणाली पूर्व निर्धारित स्थानों पर 500 किलोग्राम तक के पेलोड की सटीक डिलीवरी के लिए राम एयर पैराशूट (आरएपी) का उपयोग करती है। जीपीएस का उपयोग करते हुए सीएडीएस-500 ने स्वायत्त रूप से अपने उड़ान पथ को संचालित किया और मालपुरा जोन में सिस्टम को 5000 मीटर की ऊंचाई पर एएन-32 विमान से पैरा-ड्रॉप किया गया था। इसे ट्रैक करने के बाद भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के ग्यारह पैराट्रूपर्स एक साथ उतरे थे। डीआरडीओ ने 2020 में चीनी सैनिकों के साथ गलवान संघर्ष के ठीक बाद हेवी ड्रॉप सिस्टम पी-7 के उन्नत संस्करण का प्रदर्शन किया था। इस सत्यापन परीक्षण में दो सिस्टम आईएल-76 विमान से 600 मीटर की ऊंचाई और 280 किमी प्रति घंटे की गति से गिराए गए थे। पांच बड़े पैराशूट का उपयोग करके कार्गो को सुरक्षित रूप से उतारा गया था। इस सिस्टम से सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों तक भी लड़ाकू हथियारों की आपूर्ति करके सशस्त्र बलों की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

त्रिपुरा में पांच ...

करने के लिए भाग रहे हैं। तदनुसार, स्वतंत्रता दिवस समारोह से ठीक पहले उत्तरी जिले के कंचनपुर में खुफिया एजेंसियों ने उनसे संपर्क किया। इसके बाद खराब मोबाइल नेटवर्क के कारण हम उनका पता नहीं लगा सके। एसपी ने कहा, आखिरकार, उन्होंने चावमानू इलाके में भारत-बांग्लादेश सीमा पार करने के बाद हमसे संपर्क किया और शुक्रवार को चावमानू पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया। उन सभी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। राय ने कहा कि हालांकि हम संगठन की ताकत जानने के लिए आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों से गहन पूछताछ नहीं कर सके, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि 15-20 उग्रवादी बांग्लादेश के सिलाचेरी में छिपे हुए हैं।

प्रेग्नेंसी खत्म करने ...

बोर्ड के समक्ष रखने का निर्देश जारी किया गया था। फिर इसके 3 दिन बाद 11 अगस्त को भरौच मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर किरण पटेल ने रिपोर्ट सौंपी थी। सर्वोच्च अदालत ने आज शनिवार को आदेश में कहा कि अजीब बात यह है कि हाईकोर्ट ने इस मामले में समय की महत्ता के तथ्य को नजरअंदाज करते हुए मामले को 12 दिन बाद 23 अगस्त को सूचीबद्ध किया, जबकि हर दिन की देरी बेहद अहम और बहुत ही महत्वपूर्ण थी। हम कह सकते हैं कि मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता ने गर्भावस्था को खत्म करने की मांग की है। उसने अदालत का दरवाजा उस समय खटखटाया जब वह 26 हफ्ते की गर्भवती थी। 8 अगस्त से अगली लिस्टिंग तिथि तक का बेहद अहम समय नष्ट हो गया। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को सूचित किया गया है कि आज तक याचिकाकर्ता 27 हफ्ते और 2 दिन की गर्भवती है और 28 हफ्ते की गर्भावस्था के करीब पहुंच जाएगी। चूंकि बहुमूल्य समय नष्ट हो गया है, इसलिए मेडिकल बोर्ड भरौच से नई रिपोर्ट मांगी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि हम याचिकाकर्ता को एक बार फिर से जांच के लिए केएमसीआरआई अस्पताल में उपस्थित होने का निर्देश देते हैं और मामले से जुड़ी नई स्थिति रिपोर्ट कल रविवार शाम 6 बजे तक इस अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जा सकती है। अब इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगी। कोर्ट ने कहा कि सोमवार को बोर्ड पर पहले मुकदमे के रूप में इस मामले को सूचीबद्ध किया जाए। इस बीच प्रतिवादी राज्य सरकार के वकील ने मामले में आवश्यक निर्देश की मांग भी की।

शिक्षा मंत्री को ...

रहे थे तो अचानक जहरीले सांप ने पैर पर काट लिया। हरजोत बैंस ने लिखा कि आप सभी की दुआओं से वह अब ठीक हैं। बैंस के अनुसार डाक्टरों ने उनके टेस्ट किए हैं अब सभी टेस्ट रिपोर्ट भी नार्मल आई हैं। अपने हलका निवासियों को संबोधित करते हुए बैंस ने लिखा है कि आप सभी के प्यार एवं आशीर्वाद ने हमेशा हौंसला दिया है।

उदयपुर-खजुराहो ट्रेन ...

रेलवे स्टेशन से नागपुर की ओर जा रही थी। पांढुर्णा से एक किलोमीटर बाद पैंट्री कार से धुआं और लपटें उठती देखी गईं। ट्रेन को रोक कर यात्रियों को नीचे उतारा गया। आग बुझाने के बाद इसे आगे के लिए रवाना किया गया। 19666 उदयपुर-खजुराहो एक्सप्रेस अपने तय समय पर उदयपुर से शुक्रवार की रात 10.15 बजे खजुराहो के लिए रवाना हुई। ट्रेन शनिवार दोपहर ग्वालियर स्टेशन पर अपने निर्धारित समय 12.14 मिनट पर न आकर देरी से 12.35 मिनट पर पहुंची। यहां से ट्रेन 12.45 बजे झांसी के लिए रवाना हुई। इस दौरान ट्रेन ग्वालियर से करीब सात किमी दूर सिथौली स्टेशन के पास पहुंची ही थी कि उसके इंजन में आग लग गई। इंजन में आग का पता चलते ही लोको पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्वालियर से फायर अमला सिथौली स्टेशन के पास पहुंच कर इंजन में लगी आग को बुझाने में लग गया। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद ट्रेन में दूसरा इंजन लगाकर करीब तीन घंटे बाद शाम 4.00 बजे रवाना किया गया। वहीं, तेलंगाना एक्सप्रेस शुक्रवार शाम 4.00 बजे नई दिल्ली से हैदराबाद के लिए चली थी और भोपाल होते हुए शनिवार सुबह 10 बजे पांढुर्णा रेलवे स्टेशन से गुजरने के लगभग एक किलोमीटर दूर ट्रेन के पेंट्रीकार बोगी कोच नंबर 201811/सी में आग लग गई। आग की लपटें देख यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद ट्रेन को गायत्री फाटक पर रोका गया और पांढुर्णा रेलवे पर इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पांढुर्णा से रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इसके बाद ट्रेन को अपने गंतव्य की ओर रवाना किया गया। घटना को लेकर पांढुर्णा स्टेशन मास्टर एसके मिश्रा ने बताया कि ट्रेन की पैंट्री कार के चक्के में आग लगी थी। रेलवे ट्रैक के किनारे से गुजर रहे लोगों ने स्टेशन पर फोन कर इसकी जानकारी दी। तत्काल वॉकी-टॉकी के जरिए लोको पायलट और गार्ड से बात कर ट्रेन रुकवाई गई। आग ब्रेक जाम होने की वजह से लगी थी। आधे घंटे में आग बुझा ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया।

11 दिन की बेटी ...

और यह भी बताया कि शव को कहां दफनाया गया था। पुलिस के अनुसार, जब परिवार के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे, तो पुलिस अधिकारियों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों की एक टीम ने बिसनाला नदी के करीब एक स्थान से शव को निकाला। बजाली जिले के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ कुमार बुरागोहेन ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पिता ने ही बच्ची की हत्या की और शव को दफना दिया। उन्होंने आगे कहा कि शव को खोदकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हम फरार आरोपी को ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि निरंजन मालाकार ने डॉक्टर दिगंता चौधरी की मदद से जन्म के बाद बच्ची को अस्पताल से बेचने का प्रयास किया। हालांकि, वह असफल रहे और शिशु को सुरक्षित घर पहुंचा दिया गया। परिवार के सदस्यों ने मीडिया को बताया कि निरंजन ने जन्म के एक दिन बाद बच्ची को ले जाने की कोशिश की थी, लेकिन हमने उसे रोक दिया। बाद में, निरंजन ने हमें बताया कि उसने चौधरी की सहायता से एक अमीर दंपति से 4 लाख रुपए लिए थे। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि निरंजन उन पर बच्ची को बेचने की अनुमति देने के लिए दबाव डाल रहा था। उसने बताया था कि यदि वह ऐसा नहीं करता है तो परिणामस्वरूप घर में समस्याएं बढ़ जाएंगी। परिवार ने कहा कि निरंजन ने उन्हें बताया था कि उसने रुपए ले लिए हैं और उसे दंपति को बच्चा देना होगा। यहां तक कि डॉक्टर ने भी हमें समझाने का प्रयास किया था। अधिकारी, संदिग्ध डॉक्टर और आरोपी निरंजन का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

मणिपुर : अर्थव्यवस्था ...

इसमें सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत पर बल दिया। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. सी. प्रियोरंजन, विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव और राज्य सरकार के संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(3)

पग में भूमि विराजती, अंतरिक्ष मध्य भाग।
द्यौ शिर माहिं विराजती, उत्तर मण्डल राग॥ 05॥

शब्दार्थ : (भूमि) पृथ्वी (उत्तर मण्डल) शब्द-महामंडल (राग) शब्द, ध्वनि।

भाष्य : पग में भूमि विराज रही है, मध्य भाग में अंतरिक्ष और शिर में द्यौ और भूमि विराजती है एवं द्यौलोक से परे ऊपर का भाग उत्तर शब्द-महामंडल में स्थित है। स्कंभ का सर्वोत्कृष्ट भाग शब्द चेतन महामंडल है।

(4)

सूर्य्य स्थिर अस्कम्भ में, स्कम्भ मिलन की चाह।
गमन प्रकाशित हो रहा, अन्त मिले वह माह॥ 06॥

शब्दार्थ : (अन्त) अंतिम (चाह) इच्छा।

भाष्य : सूर्य स्कंभ के आधार पर स्थित है। वह स्कंभ से मिलने की इच्छा से गमन कर प्रकाशित हो रहा है और अंत में उसी स्कंभ को मिलकर स्थिर, शांत होता है। सारे जगत का नियंता स्कंभ है। उसी की प्रेरणा और आधार से सारे पदार्थ क्रियाशील हो कर प्रकाशमान होते हैं और अंत में उसी के द्वारा अपने मूल कारण में शांत हो जाते हैं। उत्पत्ति, पालन और लय, इन तीनों का कर्त्ता परम पुरुष स्कंभ है।

न्यू तिनसुकिया और धुबड़ी के बीच स्पेशल ट्रेन की सेवा बढ़ी

गुवाहाटी (हि.स.)। न्यू तिनसुकिया और धुबड़ी के बीच स्पेशल ट्रेन की सेवा को दोनों दिशाओं से अगले तीन महीने के लिए विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। यह विस्तार उन यात्रियों के उद्देश्यों की पूर्ति करेगा, जो कार्य और चिकित्सकीय आपातकाल के लिए अक्सर ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट होकर ऊपरी असम से निचली असम तक की यात्रा करते हैं। तदनुसार, ट्रेन सं. 05922 (न्यू तिनसुकिया - धुबड़ी) स्पेशल 20 अगस्त से 19 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को 14.30 बजे न्यू तिनसुकिया से रवाना होगी और अगले दिन 04.30 बजे धुबड़ी पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05921 (धुबड़ी - न्यू तिनसुकिया) स्पेशल 21 अगस्त से 20 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार और सोमवार को 05 बजे धुबड़ी से रवाना होगी और उसी दिन 22 बजे न्यू तिनसुकिया पहुंचेगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान, स्पेशल ट्रेन वाया धेमाजी, विश्वनाथ चाराली, उदालगुड़ी, रंगिया जंक्शन, नलबाड़ी, टिहु, पाठशाला, न्यू बंगाईगांव, सापटग्राम और गौरीपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी। 15 कोचों वाली इस ट्रेन में यात्रियों के लिए एसी 3-टीयर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे। इस ट्रेन के ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा विभिन्न समाचारपत्रों और पूसी रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की जा रही है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

बिनेश्वर ब्रह्म की मनाई गई 23वीं पुण्यतिथि

कोकराझार (हि.स.)। बोडो साहित्य सभा के अध्यक्ष बिनेश्वर ब्रह्म की आज 23 वीं पुण्यतिथि कोकराझार में केंद्रीय स्तर पर गई। बोडो साहित्य सभा की केंद्रीय समिति की पहल पर और कोकराझार जिला समिति के सहयोग से कोकराझार शहर के पास चांदमारी में बिनेश्वर ब्रह्म की पुण्यतिथि मनाई गई। आज सुबह से ही बोडो साहित्य सभा के अध्यक्ष बिनेश्वर ब्रह्म के शहीद वेदी पर श्रद्धांजलि देने के लिए बोडो समाज के लोगों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में बोडो साहित्य सभा के अध्यक्ष सूरत नार्जारी द्वारा संगठन का आधा ध्वज फहराया गया। इसके पश्क्षात बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो द्वारा बिनेश्वर ब्रह्म की प्रतिमा का अनावरण के साथ ही दीप जलाकर पुष्प अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक लॉरेंस इसलारी, मंत्री युजी ब्रह्म, राज्यसभा के सांसद रंगोरा नार्जारी, के साथ ही कोकराझार जिला आब्सू के अध्यक्ष, सचिव के साथ आब्सू और बोडो साहित्य सभा के सभी सदस्यों ने भी बिनेश्वर ब्रह्म को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया। बोडो साहित्य सभा के अध्यक्ष सूरत नार्जारी की अध्यक्षता में आयोजित सभा में प्रमुख व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

गुवाहाटी में लोट मंडल रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। सतर्कता आयुक्त कार्यालय की एक टीम ने गुवाहाटी सर्किल ऑफिसर कार्यालय के लोट मंडल अच्युत दास को उनके कार्यालय से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित लोट मंडल ने शिकायतकर्ता के म्यूटेशन कार्यों को करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने मामले की शिकायत विजिलेंस से की थी। विजिलेंस की टीम ने शनिवार को जाल बिछाकर लोट मंडल को अपने शिकंजे में ले लिया। शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि लेने के तुरंत बाद रंगे हाथों विजिलेंस की टीम ने लोट मंडल को पकड़ लिया। इस संदर्भ में विजिलेंस द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने की अरुणाचली शराब जब्त

शोणितपुर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश में अवैध रूप से निर्मित होने वाले शराब की असम में आपूर्ति जारी है। इस जानलेवा शराब के विरुद्ध असम पुलिस की लगातार हो रही कार्रवाई के बावजूद इससे जुड़े कारोबारी बाज नहीं आते हैं। इसी सिलसिले में एक विश्वसनीय सूत्र से मिली सूचना के आधार पर आज भालुकपोंग पुलिस चौकी के आईसी ने चौकी कर्मचारियों के साथ अरुणाचल प्रदेश से तस्करी की गई शराब के खिलाफ एक अभियान चलाया और भारी मात्रा में अरुणाचली शराब जब्त की। हालांकि, पुलिस के पहुंचने की सूचना पाकर इससे जुड़े कारोबारी घटनास्थल से फरार हो गए। अभियान के दौरान किसी को गिरफ्तार करने में पुलिस को कामयाबी नहीं मिली। इन कारोबारियों को पकड़ने के लिए पुलिस का अभियान जारी है।

खाद्य सुरक्षा चावल की हेराफेरी, अध्यक्ष गिरफ्तार

लखीमपुर (हि.स.)। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत दिए जाने वाले चावल की कथित हेराफेरी के मामले में ढकुवाखाना सहकारी समिति के अध्यक्ष को आज गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को उपजिलाधिकारी के आदेश के आधार पर आपूर्ति अधिकारी ने ढकुवाखाना सहकारी समिति में अनियमितताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस एफआईआर के आधार पर ढकुवाखाना सहकारी समिति के अध्यक्ष नित्यानंद गोगोई को गिरफ्तार कर लिया गया। आपूर्ति अधिकारी कविंद्र मेदक द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर अध्यक्ष को उपमंडल प्रशासन ने ढकुवाखाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर अध्यक्ष को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि संभावित खतरे के डर से इसके सचिव छिप गए हैं। उल्लेखनीय है कि ढकुवाखाना सहकारी समिति में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हुए 813 क्विंटल चावल के घोटाले के संबंध में शुक्रवार को एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। गिरफ्तार अध्यक्ष फिलहाल सदर थाने में पुलिस हिरासत में हैं। इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 420/407 के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 7 के तहत दर्ज मामले (संख्या 99/2023) के आधार पर ढकुवाखाना सदर पुलिस स्टेशन में पुलिस की जांच चल रही है।

पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिए प्रशंसा पत्र

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज की पुलिस ने जिस जांबाजी और परिश्रम के साथ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कार्य किया है, वह प्रशंसनीय है। इन कार्यों को करीमगंज के पुलिस अधीक्षक ने सराहा है, जिससे पुलिसकर्मियों का उत्साह निश्चित ही बढ़ गया है। आज तालियों की गड़गड़ाहट के बीच एक उत्साहजनक परिवेश में एसपी करीमगंज और एएसपी (मुख्यालय) ने जुलाई महीने में शानदार प्रदर्शन करने के लिए करीमगंज पुलिस की टीम को प्रशंसा पत्र सौंपे। पुलिस अधीक्षक ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं सिपाहियों से कहा कि कर्तव्य के प्रति आपका समर्पण समाज को भयमुक्त होकर रहने की ताकत देता है। इसलिए आप हमेशा ही अपने अदम्य साहस एवं ऊर्जा का उपयोग पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं, आप अपना शानदार काम जारी रखें।

300 बोरा बर्मीज सुपारी जब्त

हैलाकंदी (हि.स.)। राज्य में बराक घाटी होते हुए अवैध बर्मीज सुपारी की तस्करी जारी है। प्रत्येक दिन बर्मीज सुपारी पकड़े जाने के बावजूद इसके तस्कर अपने कारोबार से बाज नहीं आते हैं। इसी कड़ी में आज विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर हैलाकांदी पुलिस ने जिले के लाला थानान्तर्गत पाचीनकिताबंद पार्ट वन गांव निवासी बर्मीज सुपारी के कथित कारोबारी रोसन उद्दीन माजरभुइयां के घर पर छापामारी की। छापामारी के दौरान घर में रखी गई 15 हजार किलोग्राम बर्मीज सुपारी से भरे 300 बोरों को बरामद कर जब्त कर लिया। इस सिलसिले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

13 वर्षीया किशोरी के साथ किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

धुबड़ी (हि.स.)। जिले के चापर इलाके में एक 13 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म की जघन्य घटना हुई है। लंबे समय से किशोरी के पड़ोस का एक वृद्ध व्यक्ति किशोरी को धमकियां देकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। इस भयावह घटना का पता तब चला जब लड़की का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। वृद्ध की हवस की शिकार हुई लड़की की उम्र 13 साल है। घटना के अनुसार कक्षा 7 में पढ़ने वाली पीड़िता लड़की को छह महीने पहले पड़ोस के बूढ़े ने पहली बार उसके घर में पकड़कर उसके साथ बलात्कार किया। उसे धमकाया कि वह अपने परिवार के सदस्यों को घटना की जानकारी नहीं दे। धारदार हथियार दिखाकर उसने बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसके डर से किशोरी लंबे समय से चुपचाप अमानवीय यातनाएं सह रही थी। 4 महीने के बाद आखिरकार पूरी घटना सामने आई। उस मानव रूप में राक्षस का नाम शमसुल हक है। उल्लेखनीय है कि घटना के संबंध में परिजनों को लड़की ने सारा वृत्तांत सुनाया जिसके बाद परिजनों ने शुक्रवार को चापर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी। एफआईआर के आधार पर पुलिस ने शमसुल हक को आज गिरफ्तार कर लिया। आईपीसी की धारा 376 (2) (एन) आईपीसी आर/डब्ल्यू पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत प्राथमिकी संख्या 171/23 दर्ज कर आरोपी शमसुल हक को जेल भेज दिया गय।

नवजात बच्ची का शव बरामद

चराइदेव (हि.स.)। जिले के नाहरहाबी चाय बागान इलाके में एक नवजात बच्ची का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जोरहाट भेज दिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार की रात नवजात बच्ची का शव स्थानीय लोगों ने चाय बागान के ब्लॉक 30 में जलकुंभी के बीच देखा। लोगों ने पुलिस को इस बारे में सूचित किया। इसके बाद पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जोरहाट भेज दिया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि किसी ने लोक लाज के कारण इस जघन्य कृत्य को अंजाम दिया होगा।

तेरापंथ युवक परिषद का रक्तदान शिविर आयोजित

गुवाहाटी। तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी ने सेवा के क्षेत्र में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए तेरापंथ धर्मस्थल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान शिविर की विधिवत शुरुआत जैन संस्कारकों द्वारा मंत्रोच्चारण से की गई। परिषद के अध्यक्ष जयंत सुराणा ने बताया कि रक्तदान के क्षेत्र में तेरापंथ युवक परिषद हमेशा अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रही है। इसी क्रम में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 55 व्यक्तियों ने अपने नाम पंजीकृत करवाए, जिनमें से 46 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इस अवसर पर आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। परामर्शक आनंद सुराणा एवं उपाध्यक्ष सुमनेश कोठारी के सहयोग से एटीडीसी टीम द्वारा लगभग 50 व्यक्तियों की डायबिटीज की जांच की गई। यह रक्तदान शिविर स्व. चंद्रकला देवी - स्व. हंसराज श्यामसुखा की स्मृति में उनके पुत्रों- राजेश, राकेश एवं मुकेश श्यामसुखा के सहयोग से आयोजित हुआ। परिषद के सचिव संदीप कुमार भादानी ने बताया कि इस शिविर में तेरापंथी सभा के उपाध्यक्ष बाबूलाल सुराणा एवं सहमंत्री राजकुमार बैद, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष अमराव बोथरा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष बजरंग बैद एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष संतोष पुगलिया ने अपनी टीम के साथ शिविर में उपस्थित होकर युवा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया।

एसएसबी ने सोनापुर में चलाया मेगा वृक्षारोपण अभियान

गुवाहाटी (हि.स.)। वृक्षारोपण अभियान के क्रम को जारी रखते हुए सीमांत मुख्यालय एसएसबी गुवाहाटी और सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी द्वारा मेगा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। मेगा वृक्षारोपण अभियान के सिलसिले में प्रथम वाहिनी सोनापुर के पीटी ग्राउंड में लाइव स्ट्रीमिंग मेगा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने जीसी सीआरपीएफ, ग्रेटर नोएडा (यूपी) में चार करोड़ पौधे लगाए और इसे यूट्यूब और फेसबुक के माध्यम से लाइव स्ट्रीम किया गया था। यह आयोजन देशव्यापी मेगा वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा है जिसे गृह मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। 12 जुलाई, 2020 को अमित शाह और सीएपीएफ और अन्य को पर्यावरण के पोषण की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्राथन वाहिनी सोनापुर के परिसर में वृक्षारोपण अभियान आरके भुंबला, आईजी सीमांत मुख्यालय एसएसबी गुवाहाटी के मार्गदर्शन में शुरू किया गया था। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान में बीएस जसवाल, उप महानिरीक्षक (प्रशासन), सीमांत गुवाहाटी, सलिंदर कौर, डीआईजी (मेडिकल) सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, अरविंद वर्मा, कमांडेंट (प्रशासन) सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, अनुज कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी प्रथम वाहिनी सोनपुर उपस्थित थे।

भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिले के दुमदुमा वन सममंडल के अधीन खाटोपानी आंचलिक वन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में लकड़ी जब्त किया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तिनसुकिया जिला संरक्षित वनांचल से अवैध तरीके से पेड़ों की कटाई कर लकड़ी चीरे जाने की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम ने पेडरी तरानी इलाके में पोखर और जंगल में छुपाकर रखे गये लगभग 100 केबी लकड़ी बरामद किया। लकड़ी को महारन चाय बगान से बरामद किया गया। वन विभाग के अभियान की जानकारी मिलते ही मौके से लकड़ी तस्कर लकड़ी चीरने वाले मशीन समेत फरार होने में सफल रहे। वन विभाग की टीम इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लकड़ी तस्करों की तलाश कर रही है ।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया

गुवाहाटी (विभास)। नगर की अग्रणी एवं जानी-मानी क्लब लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के साथ स्वतंत्रता दिवस का भव्यता पूर्वक पालन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम सुबह 8 बजे स्थानीय आजरा स्थित मिर्जापुर शिक्षा निकेतन स्कूल के प्रांगण में क्लब द्वारा प्रायोजित क्लब लायंस क्लब का गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के साथ संयुक्त रूप से तिरंगा झंडा फहराया गया। लायन रवि हरलालका एवं लायन अंकित अग्रवाल के संयोजन में विद्यालय के पदाधिकारीयो, शिक्षकों एवं छात्रों के साथ देशभक्ति के गीत गाए गए, पदाधिकारियों एवं शिक्षकों का सम्मान किया गया, छात्रों को उपहार भेंट किए गए और बड़े ही उत्साह के साथ क्लब के सदस्यों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर भरपूर सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात उदालबाकड़ा स्थित विवेकानंद कल्याण केंद्र जातीय विद्यालय के प्रांगण में समारोह पूर्वक तिरंगा झंडा फहराया गया। क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन दरश माथुर के संयोजन में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका लायन विमला जाजोदिया एवं सहसंयोजक लायन अजीत जैन और लायन अलका जैन के संयोजन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें स्कूल के छात्रों और क्लब के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। लायंस जिला 322 जी की वीडीजी 1 लायन सीमा गोयनका और जीएसटी कोऑर्डिनेटर लायन दिलीप सराफ की उपस्थिति विशेष रही। कार्यक्रम में विशेष रुप से उपस्थित भूतपूर्व जिलापाल लायन डॉक्टर श्याम सुंदर हरलालका ने अपने वक्तव्य में क्लब के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं कार्यक्रम में सदस्यों की भारी संख्या में अभूतपूर्व उपस्थिति एवं उत्साह के लिए सभी की तारीफ की। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र की संयोजिका लायन शिल्पा जैन ने मेहंदी सिखाने की 10 दिवसीय कार्यशाला शुरू करने की उद्घोषणा की। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों की अगली कड़ी में काला पहाड़, गोपीनाथ नगर में स्थित सेंट ज्युड इंडिया चाइल्ड केयर सेंटर मे लायन बबीता चौधरी के संयोजन में लायन रवि खेमका द्वारा प्रायोजित 10 कार्टून अमूल ताजा दूध प्रदान किया गया। तत्पश्चात बी बरुआ कैंसर इंस्टीट्यूट के प्रांगण में कार्यक्रम संयोजिका लायन बबीता चौधरी एवं सहसंयोजीका लायन रोमील गग्गड, लायन ममता अग्रवाल, और लायन अमिता मोर के संयोजन में जरूरतमंदों को भोजन प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में बी बरुआ कैंसर हॉस्पिटल के प्रेक्षागृह मे मरीजों एवं उनके परिजनों के मनोरंजन के लिए एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक लायन विशाल लाट एवं सहसंयोजक लायन उमेश बजाज और लायन शिवानी शर्मा के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में कई भूतपूर्व जिलापालो सहित बीड़ीजी वन लायन पंकज पोद्दार अस्पताल के मुख्य प्रबंधक एवं अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति विशेष रही, सभी जिलापालों एवं पदाधिकारियों का गुलाम गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। संगीतमय गीतों के इस कार्यक्रम के समापन पर सभी मरीजों एवं उनके परिजनों को भेट स्वरूप उपहार प्रदान किए गए। क्लब के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

अब सीमाओं पर पैराशूट से राशन और लड़ाकू हथियार पहुंचाने की तैयारी

- कामयाब रहा वायु सेना का कार्गो विमान से स्वदेशी हेवी ड्रॉप सिस्टम का परीक्षण
- एडीआरडीई ने परिवहन विमानों के लिए हेवी ड्रॉप सिस्टम के कई वेरिएंट तैयार किए

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना अब सीमाओं पर तैनात जवानों को पैराशूट के जरिए राशन और लड़ाकू हथियार पहुंचाने की तैयारी कर रही है। सैन्य रसद क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए वायु सेना ने शनिवार को कार्गो विमान से स्वदेशी हेवी ड्रॉप सिस्टम (एचडीएस) का परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के अनुसार इस हेवी ड्रॉप सिस्टम को एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने डिजाइन और विकसित किया है। यह एक विशेष सैन्य तकनीक है, जिसका उपयोग विभिन्न सैन्य आपूर्ति, उपकरण और वाहनों की सटीक पैरा-ड्रॉपिंग के लिए किया जाता है। इसे विकसित करने में उन पैराड्रॉप तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिसे कुछ चुनिंदा देशों ने आजमाया है। एडीआरडीई ने एएन-32, आईएल-76 और सी-17 जैसे परिवहन विमानों के लिए हेवी ड्रॉप सिस्टम के विभिन्न वेरिएंट तैयार किए हैं, जो क्रमशः तीन टन, सात टन और 16 टन सैन्य कार्गो के अलग-अलग वजन वर्गों को पूरा करते हैं। अधिकारियों के अनुसार तीन टन और सात टन क्षमता वाले सिस्टम को भारतीय सेना और भारतीय नौसेना के लिए किया गया है। आईएल-76 विमान के लिए हेवी ड्रॉप सिस्टम-पी7 में एक प्लेटफॉर्म और पैराशूट असेंबली शामिल है। इस पैराशूट प्रणाली में पांच प्राथमिक कैनोपी, पांच ब्रेक शूट, दो सहायक शूट और एक एक्सट्रैक्टर पैराशूट शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म एल्यूमीनियम और स्टील के धातुओं से निर्मित एक मजबूत धातु संरचना है, जिसका वजन लगभग 1,110 किलोग्राम है। लगभग 500 किलोग्राम वजनी पैराशूट प्रणाली भारी माल की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करती है। डीआरडीओ के अनुसार यह सिस्टम 7 हजार किलो रसद लेकर 260-400 किलोमीटर प्रति घंटे की ड्रॉप गति पर काम करता है। आयुध फैक्टरी के पैराशूट का उपयोग करने वाली यह प्रणाली मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप है। हेवी ड्रॉप सिस्टम-16टी को आईएल-76 हेवी लिफ्ट विमान के लिए बनाया गया है। यह 16 टन तक वजन वाले सैन्य कार्गो को सुरक्षित और सटीक पैराड्रॉप करने में सक्षम बनाता है। इसमें बीएमपी वाहन, आपूर्ति और गोला-बारूद शामिल हैं। इस स्वदेशी प्रणाली ने पिछले परीक्षणों में भी सभी इलाकों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह मैदानी इलाकों, रेगिस्तानों और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उतर सकता है। यह प्रणाली अधिकतम 15 हजार किलोग्राम का पेलोड रख सकती है। इससे पहले एडीआरडीई ने खुद भारत के 75वें स्वतंत्रता समारोह के हिस्से के रूप में 500 किलोग्राम क्षमता (सीएडीएस-500) की नियंत्रित हवाई डिलीवरी प्रणाली का प्रदर्शन किया था। यह प्रणाली पूर्व निर्धारित स्थानों पर 500 किलोग्राम तक के पेलोड की सटीक डिलीवरी के लिए राम एयर पैराशूट (आरएपी) का उपयोग करती है। जीपीएस का उपयोग करते हुए सीएडीएस-500 ने स्वायत्त रूप से अपने उड़ान पथ को संचालित किया और मालपुरा जोन में सिस्टम को 5000 मीटर की ऊंचाई पर एएन-32 विमान से पैरा-ड्रॉप किया गया था। इसे ट्रैक करने के बाद भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के ग्यारह पैराट्रूपर्स एक साथ उतरे थे। डीआरडीओ ने 2020 में चीनी सैनिकों के साथ गलवान संघर्ष के ठीक बाद हेवी ड्रॉप सिस्टम पी-7 के उन्नत संस्करण का प्रदर्शन किया था। इस सत्यापन परीक्षण में दो सिस्टम आईएल-76 विमान से 600 मीटर की ऊंचाई और 280 किमी प्रति घंटे की गति से गिराए गए थे। पांच बड़े पैराशूट का उपयोग करके कार्गो को सुरक्षित रूप से उतारा गया था। इस सिस्टम से सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों तक भी लड़ाकू हथियारों की आपूर्ति करके सशस्त्र बलों की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

उद्योगपति रतन टाटा उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई। उद्योगपति रतन टाटा को महाराष्ट्र सरकार की ओर से शनिवार को उद्योग रत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। रतन टाटा की तबीयत ठीक न होने की वजह से सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने रतन टाटा के आवास पर जाकर यह पुरस्कार उन्हें प्रदान किया। महाराष्ट्र में सर्वोच्च महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार साहित्य, कला, खेल और विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। इसी तर्ज पर इस वर्ष से उद्योग क्षेत्र में महती योगदान के लिए उद्योग रत्न पुरस्कार दिए जाने का फैसला राज्य सरकार ने लिया है और पहला पुरस्कार उद्योगपति रतन टाटा को दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से उद्योग रत्न पुरस्कार के रूप में 25 लाख रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसी तरह इस वर्ष से उद्योग मित्र और उद्योगिनी पुरस्कार भी शुरू किया गया है। उद्योग मित्र पुरस्कार के रूप में 15 लाख रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। उद्योगिनी पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र और उत्कृष्ट मराठी उद्यमी पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र राज्य सरकार की ओर से दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अप्रैल में रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया था। उन्हें कई अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं। रतन टाटा की टाटा समूह की कंपनियां अपने परोपकार के लिए जानी जाती हैं।

महाठग सुकेश ने दिल्ली के एलजी को लिखी चिट्ठी, मेडिकल कांट्रैक्ट में लगाया घपले का आरोप

अजय त्यागी

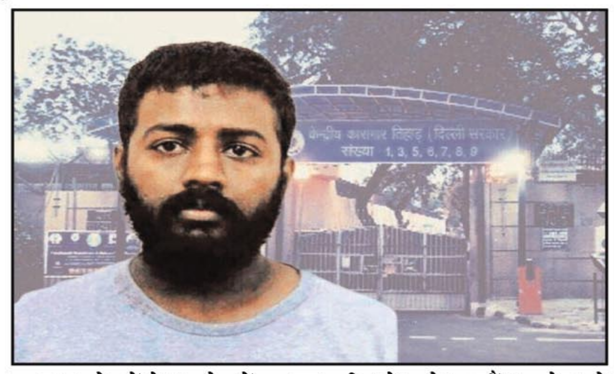

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना को शुक्रवार को चिट्ठी लिखी है। इसमें उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर मेट्रोपोलिस लैब को राजधानी के विभिन्न सरकारी अस्पतालों से ब्लड सैंपल कलेक्ट करने का कॉन्ट्रैक्ट देने का आरोप लगाया है। उसने लिखा है कि यह वही कंपनी है, जिसके द्वारा गोवा चुनाव के लिए 13 करोड़ रुपये इकट्ठे किए गए थे। एलजी को लिखे पत्र में सुकेश ने इस मामले को लेकर सीबीआई और ईडी जांच की मांग भी की है। उसने लिखा है कि केजरीवाल सरकार ने मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट एक निजी फर्म मेट्रो पोलिस लैबोरेट्री और पैथोलॉजी सेंटर को दिया है। यह कंपनी दिल्ली के सभी जेल के कैदियों के लिए भी ब्लड सैंपल लेगी। उसने आगे लिखा है कि सत्येंद्र जैन और अरविंद केजरीवाल के बीच एक चैट में यह सारी बातें की गई थीं। सुकेश चंद्रशेखर ने बताया कि मेरे स्टाफ ने यह 13 करोड़ रुपये मेट्रोपोलिस के ऑफिस से कलेक्ट किए थे और इसके पीछे सत्येंद्र जैन की साजिश थी। उस 13 करोड़ में से 5 करोड़ बेंगलुरु भेजा गया। वह 5 करोड़ रुपये बेंगलुरु में रहने वाले सत्येंद्र जैन के भतीजे डॉक्टर हिमेश को भेजा गया, जो बेंगलुरु के इंदिरा नगर में रहते हैं। बाकी के 8 करोड़ रुपये गोवा भेजे गए, जो वहां किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कलेक्ट किया गया। चिट्ठी में आगे लिखा कि इन पैसों को इकट्ठा करने के बाद अरविंद केजरीवाल ने मुझे बुलाया और मेरा धन्यवाद किया। चंद्रशेखर ने आगे लिखा कि इस संबंध में सारी डिटेल दे रहा हूं और इस मामले को गंभीरता से और विस्तार से जांच कराई जानी चाहिए, क्योंकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और सतेंद्र जैन इस मामले में बहुत करीब से जुड़े हुए हैं। उसने आगे लिखा कि इन पैसों के लेनदेन के जो सबूत हैं, उससे इस पूरे घोटाले का पता लगता है। बहुत सारे कॉन्ट्रैक्ट इस कंपनी को दिए गए, जो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के करीबी रहे। चिट्ठी में सुकेश ने एलजी को संबोधित करते हुए लिखा कि मैं उनसे अनुरोध करता है कि इस मामले में सीबीआई और ईडी से विस्तार से जांच कराएं, जिससे पता चल सके कि मेट्रोपोलिस लैब और उनके करीबी रिश्तेदार जिनका जुड़ाव अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन से है, उनके द्वारा दिए गए मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट के बारे में सारे खुलासे हो सकें।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा हिमाचल में भूस्खलन से मची तबाही का रविवार को लेंगे जायजा, पीड़ितों से भी मिलेंगे

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा रविवार (20 अगस्त) को अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान वह प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण मची तबाही और जान-माल के नुकसान का जायजा लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने शनिवार को बताया कि जगत प्रकाश नड्डा रविवार को भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश में हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए प्रदेश के प्रवास पर रहेंगे। वे इस प्राकृतिक आपदा में दिवंगत लोगों के परिवारजनों से मुलाकात भी करेंगे। उन्होंने कहा कि वे समरहिल, शिमला में भारी बारिश के कारण ध्वस्त हुए प्राचीन शिव मंदिर स्थल का अवलोकन करने भी जाएंगे और शिमला एवं बिलासपुर में स्थानीय प्रशासन के साथ राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्यों पर चर्चा भी करेंगे। बिंदल ने बताया कि जेपी नड्डा प्रातः 09 बजे पांवटा साहिब (सिरमौर) पहुंचेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग द्वारा प्रातः 09:35 बजे गांव सिरमौरी ताल एवं कच्ची ढांग पहुंचेंगे जहां वे सिरमौरी ताल क्षेत्र में बादल फटने से उत्पन्न हुई स्थिति का जायजा लेंगे तथा इस हादसे में दिवंगत पांच सदस्यों के परिवारजनों से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वाह्न 11:20 बजे शिमला के शिवबावड़ी, समरहिल पहुंचेंगे जहां वे भारी बारिश से तबाह हुए प्राचीन शिव मंदिर स्थल का जायजा लेंगे। उल्लेखनीय है कि इस हादसे में अब तक 16 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। राहत एवं बचाव कार्य अब तक चल रहा है। इसके बाद नड्डा कृष्णानगर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हुए मकानों का अवलोकन शिमला बाईपास से करेंगे। बिंदल ने बताया कि नड्डा दोपहर 01 बजे शिमला के होटल पीटरहॉफ में राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर स्थानीय प्रशासन के साथ चर्चा करेंगे। अपराह्न 3:15 राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा सर्किट हाउस, बिलासपुर पहुंचेंगे। वे यहां भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण हुए जान-माल के नुकसान से पीड़ित शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात करेंगे और स्थानीय प्रशासन से राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्यक्रमों को लेकर चर्चा करेंगे।

पंजाब के शिक्षा मंत्री को सांप ने डसा

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस को सांप ने काट लिया। घटना 15 अगस्त की है। शनिवार को तबियत ठीक होने के बाद उन्होंने खुद ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी। डाक्टरों ने बैंस को अभी दो से तीन दिन और आराम करने की सलाह दी है। हरजोत बैंस ने ट्वीट करके लिखा कि परमात्मा की कृपा से उनके हलके आनंदपुर साहिब में बाढ़ से पैदा हुए हालात अब काफी हद तक ठीक हैं। 15 अगस्त को जब वह हलके के गांवों में पानी भरने का जायजा लेने के गांवों का दौरा कर रहे थे तो अचानक जहरीले सांप ने पैर पर काट लिया। हरजोत बैंस ने लिखा कि आप सभी की दुआओं से वह अब ठीक हैं। बैंस के अनुसार डाक्टरों ने उनके टेस्ट किए हैं अब सभी टेस्ट रिपोर्ट भी नार्मल आई हैं। अपने हलका निवासियों को संबोधित करते हुए बैंस ने लिखा है कि आप सभी के प्यार एवं आशीर्वाद ने हमेशा हौसला दिया है।

मौजूदा हालात में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देना ठीक नहीं : संदीप दीक्षित

अजय कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि मौजूदा हालात में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना ठीक नहीं है। दीक्षित ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि दिल्ली के अधिकारियों के तबादले का अधिकार उन्हें मिल जाए, जिससे वह अपने भ्रष्टाचार छिपा सकें। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को आम आदमी पार्टी की ओर से कहा गया कि दिल्ली का अगला चुनाव पूर्ण राज्य के मुद्दे पर होगा। आप और कांग्रेस सहित इंडिया घटक दलों ने भी संसद में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) विधेयक, 2023 का विरोध किया था।

गृह मंत्रालय का वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरित करने वाला : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर बताया कि गृह मंत्रालय के "अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान" के तहत 4 करोड़वां पौधा लगाया गया है। शाह ने इस अभियान को पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सभी सीएपीएफ को भी बधाई दी। प्रधानमंत्री ने शनिवार को शाह की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "शानदार उपलब्धि! पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में गृह मंत्रालय का यह वृक्षारोपण अभियान हर किसी को प्रेरित करने वाला है।"

हिप्र में भूस्खलन से तीन नेशनल हाइवे सहित 415 सड़कें अवरुद्ध, 21 अगस्त से भारी वर्षा का अलर्ट

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों हुई भारी वर्षा से अवरुद्ध सड़कों को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। हालांकि अभी भी सैकड़ों सड़कों के बंद रहने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से तीन नेशनल हाइवे और 415 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 253 बिजली ट्रांसफार्मर और 107 जलापूर्ति योजनाएं भी ठप हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंडी जिले में सबसे ज्यादा 217 सड़कें अवरुद्ध हैं। इसी तरह कुल्लू में 67, शिमला में 45, सोलन में 42, हमीरपुर में 14, चम्बा में 10 और बिलासपुर व कांगड़ा में सात-सात सड़कें बंद हैं। मंडी में दो और कुल्लू में एक नेशनल हाइवे भी अवरुद्ध पड़ा है। भारी बारिश से मंडी जिला में 140 ट्रांसफार्मर भी बंद पड़े हैं। कुल्लू में 45, शिमला में 34, चम्बा में 20 हमीरपुर में 12 और कांगड़ा में दो ट्रांसफार्मर खराब हैं। मंडी जिले में पानी की 77 और शिमला में 24 स्कीम ठप हैं। मौसम विभाग ने 21 से 23 अगस्त तक राज्य में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा लाहौल-स्पीति व किन्नौर को छोड़कर शेष सभी 10 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 26 अगस्त तक राज्य भर में मौसम खराब रहेगा। लोगों व सैलानियों से अपील की गई है कि वे नदी-नालों के किनारों पर न जाएं। साथ ही भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की यात्रा करने से बचें। राज्य में मानसून से हुए भारी नुकसान को देखते हुए प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश को राज्य आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी। तब से अब तक वर्षा जनित हादसों में 335 लोगों की जान गई है और 37 लापता हैं। इनमें भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से 126 लोग मारे गए हैं। अन्य वर्षा जनित हादसों में 209 लोगों की मौत हुई। मानसून सीजन में 2022 मकान, 296 दुकानें और 4453 पशुशालाएं पूरी तरह धराशायी हो गईं जबकि 9615 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। बीते करीब दो महीने में राज्य के 113 स्थानों पर भूस्खलन हुआ और 58 स्थानों पर बाढ़ आयी। मानसून सीजन में प्रदेश के सरकारी विभागों को 8014 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है।

मानहानि मामला: कोर्ट ने राजस्थान सीएम अशोक गहलोत को दी गई अंतरिम राहत 16 सितंबर तक बढ़ाई

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दर्ज मानहानि मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मिली अंतरिम राहत 16 सितंबर तक बढ़ा दी है। एडिशनल सेशंस जज विकास ढल ने ये आदेश दिया। अशोक गहलोत मामले की अगली सुनवाई में एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होंगे। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी। 6 जुलाई को एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने शेखावत की ओर से दायर आपराधिक मानहानि के मामले पर अशोक गहलोत को समन जारी किया था। कोर्ट ने गहलोत को 7 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के इसी आदेश को गहलोत ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। सेशंस कोर्ट ने 6 अगस्त को गहलोत को कोई भी राहत नहीं दी थी और एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की इजाजत दी थी। इस आदेश के बाद 7 अगस्त को गहलोत एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। दिल्ली पुलिस ने 25 मई को अपनी जांच रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल की थी। इस मामले में गजेंद्र सिंह शेखावत ने कोर्ट में दिए अपने बयान में कहा था कि संजीवनी घोटाले से उनका कोई संबंध नहीं है। शेखावत ने कहा था कि जांच एजेंसियों ने उन्हें आरोपित नहीं माना, उनके ऊपर झूठे आरोप लगाए गए हैं। शेखावत ने कहा था कि अशोक गहलोत ने उनकी छवि खराब करने के लिए उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए। याचिका में कहा गया है कि अशोक गहलोत ने सार्वजनिक बयान दिया कि संजीवनी कोआपरेटिव सोसाइटी घोटाले में शेखावत के खिलाफ एसओजी की जांच में आरोप साबित हो चुका है। याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि संजीवनी कोआपरेटिव सोसायटी ने करीब एक लाख लोगों की गाढ़ी कमाई लूट ली। इस घोटाले में करीब नौ सौ करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि गहलोत ने अपने ट्वीट में कहा कि ईडी को संपत्ति जब्त करने का अधिकार है न कि एसओजी को। एसओजी ने कई बार ईडी से संजीवनी कोआपरेटिव सोसायटी की संपत्ति जब्त करने का आग्रह किया है लेकिन ईडी ने कोई कार्रवाई नहीं की जबकि ईडी विपक्ष के नेताओं पर लगातार कार्रवाई कर रही है। गहलोत ने अपने ट्वीट में शेखावत से कहा कि अगर आप निर्दोष हैं तो आगे आइए और लोगों के पैसे वापस कीजिए। याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने शेखावत का नाम एक ऐसी कोऑपरेटिव सोसाइटी के साथ जोड़ कर चरित्र हनन करने की कोशिश की, जिसमें न तो वे और न ही उनके परिवार का कोई सदस्य जमाकर्ता है।

महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में बृजभूषण के खिलाफ सुनवाई 26 तक टली

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर के खिलाफ दायर मामले की सुनवाई टाल दी है। एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के उपलब्ध नहीं होने की वजह से सुनवाई टली है। मामले की अगली सुनवाई 26 अगस्त को होगी। 11 अगस्त को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा था कि महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में बृजभूषण सिंह और विनोद तोमर के खिलाफ यौन शोषण के पर्याप्त साक्ष्य हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से वकील अतुल श्रीवास्तव ने कहा था कि गले लगाना यौन शोषण के दायरे में नहीं आता है, लेकिन यह सिर्फ गले लगानेभर का मामला नहीं है, मंशा के ऊपर निर्भर करता है, इसको साबित करने का दबाव आरोपित पर होता है। उन्होंने कहा था कि एक शिकायतकर्ता ने कहा है कि मंगोलिया में जब ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए गए तो वहां पर डिनर के समय बृजभूषण सबसे अलग एक टेबल पर बैठे। वहां पर शिकायतकर्ता को बुलाया गया और बृजभूषण ने उसकी छाती तो छुआ और अपना हाथ उसके पेट तक ले गए उसके बाद दोबारा उसकी छाती को छुआ। क्या यह यौन शोषण के दायरे में नहीं आता है। अतुल श्रीवास्तव ने कहा था कि जो घटना देश के बाहर हुई है उसकी भी एफआईआर कनाट प्लेस थाने में दर्ज हुई है, ऐसे में इसी कोर्ट का क्षेत्राधिकार बनता है। नौ अगस्त को बृजभूषण शरण सिंह की ओर से वकील राजीव मोहन ने दलील देते हुए कहा था कि 6 लोगों के द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर चार्जशीट दाखिल की गई। कानून के मुताबिक बृजभूषण सिंह पर लगाए गए सभी आरोपों पर अलग-अलग जांच और चार्जशीट की जानी चाहिए थी जबकि एक मामले में सभी 6 शिकायतकर्ताओं की शिकायतों के आधार पर एक ही चार्जशीट दाखिल कर दी गई। बृजभूषण के वकील ने कहा था कि चार्ज फ्रेम करने के चरण में आरोपित को सुना जा सकता है। पहली शिकायतकर्ता द्वारा बृजभूषण के ऊपर जो आरोप लगाया गया है, उनमें से दिल्ली, बरेली और लखनऊ की तीन घटना ही भारत में हुई जो कोर्ट के क्षेत्राधिकार में आते हैं। बाकी देश के बाहर हुई है। ऐसे में विदेश की घटनाओं को लेकर जो आरोप लगाया है वह कोर्ट के क्षेत्राधिकार में तब तक नहीं आएगा जब तक अनुमति नहीं ली जाती है। बृजभूषण की ओर से कहा गया कि मंगोलिया, जकार्ता में हुई घटना का ट्रायल भारत में नहीं चल सकता, क्योंकि आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत जहां पर घटना हुई है ट्रायल भी वहीं होना चाहिए। मामले में पहली शिकायतकर्ता ने बृजभूषण सिंह पर कर्नाटक के बेल्लारी में शोषण का आरोप लगाया है। लखनऊ और दिल्ली में अशोका रोड और सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम में शोषण की घटना का आरोप लगाया है। उसका ट्रायल भी दिल्ली में नहीं किया जा सकता है। बृजभूषण के वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि बृजभूषण ने उसको 20-25 सेकेंड के लिए कस कर गले लगाने, 21 अशोका रोड में उसको टच करने और सिरीफोर्ट में गले लगाया है। कुश्ती में अमूमन मेल कोच ही होते हैं और जब कोई बड़ा इवेंट होता है तो वहां पर अक्सर देखने को मिलता है कि कोच खिलाड़ियों को लगे लगा लेते हैं। इसको गलत कहना सही नहीं है। उन्होंने कहा था कि शिकायतकर्ताओं ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ 2017 और 2018 के आरोपों पर 2023 में शिकायत दर्ज करायी। हालांकि शिकायत में देरी को लेकर कोई भी ठोस वजह देने की वजह बिना बताए कहा गया कि वह अपने कैरियर को लेकर दबाव में थी। इसलिए शिकायत नहीं दर्ज करा सकीं। उन्होंने कहा था कि अभी हम चार्ज फ्रेम करने के स्टेज पर हैं लेकिन चार्ज फ्रेम करने को लेकर जो कानूनी बाधाएं हैं, उनको हल किए बिना आरोप तय नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने 20 जुलाई को बृजभूषण सिंह और सह आरोपित विनोद तोमर को जमानत दी थी। जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि बिना कोर्ट की अनुमति के वे विदेश नहीं जा सकते हैं। 15 जून को दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में बृजभूषण सिंह के खिलाफ छह बालिग महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में चार्जशीट दाखिल किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में दो लोगों को आरोपित बनाया गया है। बृजभूषण सिंह के अलावा दूसरे आरोपित हैं भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर।

आरएल ज्वेलर्स पर ईडी का छापा

- 50 किलो सोना और 87 लाख रुपये जब्त

मुंबई, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पूर्व सांसद और राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के नजदीकी ईश्वरलाल जैन के प्रतिष्ठान आरएल ज्वेलर्स पर छापा मारकर 50 किलो सोना और 87 लाख रुपये जब्त किया है। पूर्व सांसद ईश्वरलाल जैन ने ईडी की ओर से की गई जब्ती की कार्रवाई को गैरकानूनी बताया है। जैन ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि वे ईडी की कार्रवाई को कोर्ट में चुनौती देंगे। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम ने ईश्वरलाल जैन के जलगांव, नागपुर और नासिक में स्थित आर एल ज्वेलर्स के प्रतिष्ठानों पर गुरुवार को सुबह से एक साथ छापेमारी शुरू की थी। इस छापेमारी में ईडी के 60 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम तक लगभग 40 घंटे से अधिक समय तक चली। इसके बाद ईडी की टीम ने मौके से 50 किलो सोना और 87 लाख रुपये जब्त किये। बताया जा रहा है नासिक और नागपुर से ईडी की टीम ने कई दस्तावेज बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक से लिये गए 525 करोड़ रुपये के ऋण के मामले में की गई। हालांकि ईडी की ओर से अभी तक इस छापेमारी की अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। ईश्वरलाल जैन ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि भारतीय स्टेट बैंक ऋण घोटाले का मामला सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने दर्ज किया है। इसलिए इसके बाद ईडी की कार्रवाई होना कोई ताज्जुब की बात नहीं है। ईडी की टीम ने उनसे जो मांगा, सब दिया गया लेकिन ईडी ने जो जब्त किया, वह गलत और गैरकानूनी है। इसी वजह से वे ईडी की कार्रवाई को कोर्ट में चुनौती देंगे।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी : रितेश गुप्ता

– राजस्थान प्रवास पर पहुंचे मुरादाबाद के नगर विधायक रितेश गुप्ता का जयपुर एअरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

मुरादाबाद, (हि.स.)। मुरादाबाद नगर विधानसभा से विधायक रितेश गुप्ता भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निदेर्शानुसार राजस्थान प्रवास के अंतर्गत शनिवार को जयपुर स्थित एयरपोर्ट पहुंचे जहां राजस्थान के पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व कार्यकताओं द्वारा उनका स्वागत व अभिनन्दन किया गया। नगर विधायक रितेश गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में प्रदेश के किसानों से वादा खिलाफी की है। जिसके चलते 19400 किसानों की जमीनें नीलाम हो गई। कई किसानों ने कर्ज से तंग आकर आत्महत्या कर ली। प्रदेश में प्रतिदिन अनेक महिलाओं के साथ दुष्कर्म की वारदात हो रही हैं। राजस्थान के मौजूदा सीएम दुष्कर्म की घटनाओं पर कार्रवाई करने के बजाय इन्हें झूठा बताते हैं। युवा बेरोजगारी में राजस्थान आज देश में सबसे आगे पहुंच गया।

रितेश गुप्ता ने आगे कहा कि राजस्थान विधान सभा चुनाव में इस बार भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी। देश में बीते 60 साल में जो नहीं हो पाया, वह मोदी सरकार ने बीते 9 साल में कर दिखाया। भारत माता का वैभव बढ़ा है, कश्मीर से धारा 370 व 35 ए हटी है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते युवा, किसान और महिला समेत हर वर्ग पेरशान हैं। प्रदेश का विकास पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के कुशासन से प्रदेश का हर वर्ग दुखी है।

जिला पंचायत सदस्यों के प्रशिक्षण का शुभारंभ करने पहुंचेगे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद

कानपुर, (हि.स.)। प्रदेश में पहली बार भाजपा पिछड़ा और दलित समाज को एकजुट करने के लिए क्षेत्र स्तर, जिला पंचायत और ब्लॉक स्तर पर सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग करा रही है। प्रशिक्षण का शुभारंभ करने के लिए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार दोपहर पहुंचेगे। यह जानकारी कानपुर भाजपा के मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने दी। उन्होंने बताया कि कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल की देखरेख में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 19 अगस्त से बिठूर में शुरू हो रहा है। इस वर्ग की शुरूआत करने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आएंगे। वे पहले नगर में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद बिठूर में प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव के अतिरिक्त जिला पंचायत सदस्यों और अध्यक्षों को इसलिए भी पहली बार प्रशिक्षण दे रही है कि इस बार सभी सदस्य पार्टी सिंबल से चुनाव लड़े थे। भाजपा ने पहले कभी जिला पंचायत चुनाव सिंबल पर नहीं लड़ा था। ऐसे में कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी 14 जिलों से सदस्य और अध्यक्षों को प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत सदस्य संगठन को मजबूती देने का काम करेंगे।

प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष – अवस्थी ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के अलग-अलग सात सत्रों में पिछड़ों और दलितों की एक टीम बनाकर भाजपा की मुख्यधारा से जोड़ने की रणनीति बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल के अलावा तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, सूर्य प्रताप शाही और स्वतंत्र देव सिंह भी यहां आएंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य छत्रपति शाहू जी विश्वविद्यालय कानपुर में विभागीय अधिकारियों के साथ पौने तीन बजे बैठक करेंगे। साढ़े तीन बजे जिले के विकासशील परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह शाम को पौने चार बजे कानपुर-बुन्देलखंड क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करेंगे।

आजादी के बाद पहली बार कानपुर में गठित हो रही है मछुआरों की सहकारी समिति : एनके अग्रवाल

कानपुर, (हि.स.)। मछुआरा समाज के कल्याणार्थ केंद्र और राज्य की सरकार तमाम योजनाएं चला रही हैं। आजादी के बाद से कानपुर नगर में पहली बार मछुआरों की सहकारी समिति का गठन किया जा रहा है। यह जानकारी शनिवार को कानपुर मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक एनके अग्रवाल ने दी। अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि नगर में आजादी के बाद मछली कारोबार के लिए पांच समितियां संचालित हैं, लेकिन इन समितियों से आम मछुआरों का कोई सरोकार नहीं है। घाटमपुर में तीन सहकारी समिति संचालित हैं। एक सदर में संचालित है और नरवल में एक है। यह सभी सहकारी समितियां पहले चिटफंड द्वारा बनाया गया है। इन्हीं समितियों को बाद में मत्स्य विभाग से जोड़ दिया गया है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद मछुआरा समाज के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत सहकारी समिति का गठन मत्स्य विभाग के द्वारा किया जा रहा है। कानपुर के बिल्हौर तहसील में अब तक मत्स्य कारोबार से जुड़ी एक भी सहकारी समिति का गठन नहीं हुआ था। जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर के निर्देश पर बिल्हौर तहसील में सहकारी समिति की गठन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए ग्राम पंचायत भौसाना में समिति के सदस्य बनने के लिए आवेदन लेने के लिए दो बार शिविर लगाया गया।

मत्स्य विकास अधिकारी कुमारी कुसुम पाल की देखरेख में कैम्प आयोजित किया गया। उनके साथ निखिल त्रिपाठी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सहकारी समिति के सदस्य बनने के लिए मछुआरा समाज के कुल 64 लोगों ने आवेदन किया है, जिसमें महिलाएं एवं पुरुष दोनों शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उप्र शासन के निर्देश के क्रम में ऐसे व्यक्ति को सदस्य बनाया जाएगा, जिनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा न हो। वह सरकार का किसी भी तरह का बकाएदार न हो। आवेदक की उम्र 18 से 60 वर्ष के बीच हो। संबंधित ग्राम पंचायत क्षेत्र का निवासी हो। उन्होंने बताया कि मछली कारोबार से जुड़ी पांच सहकारी समितियां कानपुर में हैं। जिन पर कुछ खास परिवारों का कब्जा बना हुआ है। इन समितियों से मछुआरा समाज के अन्य परिवारों का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। यह समितियां अपने निजी स्वार्थ के लिए संचालित की जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो इन समितियों के अध्यक्ष मनमाने ढंग से संचालित कर रहें है।

17797 वृद्धजन पेंशन से हो सकते हैं वंचित

मीरजापुर, (हि.स.)। सावधान! मीरजापुर के 17797 वृद्ध पेंशनधारक आगामी माह से पेंशन से वंचित हो सकते हैं। दरअसल, इन पेंशनर्स ने बैंक खाते को नेशनल पेमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीएल) से मैप नहीं कराया है। इसके चलते सीधे बैंक खाते में पेंशन धनराशि नहीं भेजी जा सकी है। जिला समाज कल्याण अधिकारी गिरीश चंद्र दुबे ने बताया कि जनपद में 96 हजार 365 वृद्ध वृद्धावस्था पेंशनधारक योजना के तहत पंजीकृत हैं। इसके सापेक्ष अभी तक कुल 17,797 पेंशनर ने बैंक खाता को एनपीसीएल से मैप नहीं कराया है। इन पेंशनर की सूची ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतवार संबंधित खंड विकास अधिकारी कार्यालय तथा शहरी क्षेत्र में वार्डवार अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद कार्यालय में उपलब्ध कराया गया है।

संबंधित पेंशनर विकास खंड, नगर पालिका परिषद कार्यालय में सूची से नाम मिलान कराकर संबंधित बैंक शाखा में मैप कराना सुनिश्चित करें, जिससे मुख्यालय से पेंशन भेजी जा सके।

मुख्यमंत्री योगी ने मंदिर निर्माण का जायजा लेने से पहले किए रामलला के दर्शन

अयोध्या, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या के दो घंटे के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने मंदिर निर्माण से जुड़े पदाधिकारियों को कुछ जरूरी निर्देश भी दिए। लखनऊ से हेलीकॉप्टर द्वारा अयोध्या पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी ने सबसे पहले श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के अगुवा एवं दिगम्बर अखाड़े के महंत रामचंद्रदास जी महाराज की 20वीं पुण्यतिथि पर सरयू तट स्थित उनके समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समाधि स्थल के व्यवस्था प्रबंधक आचार्य नारायण मिश्रा, पुजारी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। जिलाधिकारी नीतीश कुमार के मुताबिक मुख्यमंत्री दो घंटे के अयोध्या प्रवास के बाद लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि परमहंस रामचन्द्र दास जी महाराज ने श्रीराम जन्मभूमि में पूजा-अर्चना के लिए 1950 में जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया।

जिला अदालत ने पूजापाठ करने की अनुमति दे दी। मुस्लिम पक्षकारों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील की। उच्च न्यायालय ने जिला अदालत के फैसले को उचित ठहराया। दिगम्बर अखाड़े में बैठक हुई, जिसमें श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ। समिति की बैठक में तय किया गया कि श्रीराम जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए जन-जागरण किया जाएगा। परमहंस जी ने वर्ष 1985 के अक्टूबर माह में जनजागरण अभियान के लिए अयोध्या से छह राम-जानकी रथों का पूजन कर विभिन्न क्षेत्रों में भेजा। परमहंस जी ने अयोध्या में घोषणा कर दी थी कि अगर एक फरवरी 1989 तक श्रीराम जन्मभूमि का ताला नहीं खुला तो मैं आत्मदाह करूंगा। इसी बीच आठ मार्च 1989 को श्रीराम मंदिर का ताला खोल दिया गया।

मंत्री से सतबरवा बीडीओ को निलंबित करने की मांग, दो दिनों में कार्रवाई का आश्वासन

पलामू, (हि.स.)। कांग्रेस कार्यकर्ता बिहारी यादव की पिटायी कर दोनों हाथ तोड़ने के आरोपित सतबरवा बीडीओ राजकिशोर प्रसाद को निलंबित करने की मांग तेज हो गई है। थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद पीड़ित कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू के नेतृत्व में शनिवार को रांची पहुंचा और मंत्री आलमगीर आलम से उनके आवास पर मिलकर निलंबित करने का आग्रह किया। इस पर मंत्री ने दो दिनों में कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने ग्रामीण विकास मंत्री को बताया कि सतबरवा बीडीओ ने बीते 13 अगस्त की सुबह 8.30 बजे के करीब ट्रैक्टर से बालू उठाव का झूठा आरोप लगाते हुए बिहारी यादव से 50 हजार देने की मांग की। राशि नहीं देने पर उन्होंने खुद लाठी से बिहारी यादव की अंधाधुंध पिटाई कर दी, जिसमें बिहारी यादव के दोनों हाथ टूट गए। यदि बिहारी यादव कुछ गलत किया था तो प्रखंड विकास पदाधिकारी को थाना में सूचित करना चाहिए था ना कि खुद सरकारी वाहन से लाठी निकालकर पीटना चाहिए था। यह कहां तक उचित है?

उनको कौन आदेश दिया है कि आम जनों को लाठी से पीटा जाए। बिहारी यादव ने सतबरवा थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिला प्रशासन ने मामले की जांच के लिए उप विकास आयुक्त के नेतृत्व में एक कमेटी गठित की है। यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो इससे कमेटी की निष्पक्ष जांच पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। साथ ही इस घटना में आरोपित बीडीओ पर कार्रवाई नहीं किए जाने से सरकार की साख घटी है।

मुख्यमंत्री बताएं शिव सोरेन, हेमंत कुमार सोरेन और दुर्गा प्रसाद सोरेन कौन हैं : बाबूलाल मरांडी

गोड्डा, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी संकल्प यात्रा के तीसरे दिन शनिवार को पथरगामा पहुंचे। गोड्डा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री को मोरहाबादी मैदान में सभा आयोजित कर बताना चाहिए कि जालसाजी करके, नाम बदलकर गरीब आदिवासी की जमीन हड़पने वाले ये शिव सोरेन, हेमंत कुमार सोरेन, बसंत कुमार सोरेन और दुर्गा प्रसाद सोरेन कौन हैं? उन्होंने कहा अपने आप को आदिवासियों का मसीहा बताने वाले राज्य में सत्तासीन सोरेन परिवार ने राज्य में घूम-घूमकर आदिवासियों की जमीन लूटी है। ऐसे में गरीबों आदिवासियों की जमीन कैसे बचेगी जब रखवाला ही लूटने में जुटा है। मरांडी ने कहा कि अब इन्हें दंडित करने का समय आ चुका है। भ्रष्टाचार और परिवारवाद ने विकास को रोक रखा है। झामुमो, कांग्रेस और राजद तीनों परिवारवादी पार्टियां झारखंड को लूट रही हैं। ये जब तक सत्ता में रहेंगे तब तक राज्य का विकास नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में बालू घाट आम जनता के लिए खोल दिए गए थे लेकिन आज हेमंत सरकार अवैध तरीके से बड़े-बड़े ट्रक में भरकर बालू को बिहार और अन्य प्रदेशों में भेज रही है। जनता यदि खिलाफ में आवाज उठाती है तो उसे पकड़ कर जेल में डाल दिया जाता है। आज पुलिस जनता की सुरक्षा में नहीं, बल्कि उगाही में लगी है। पूछने पर पुलिस वाले बोलते हैं, ऊपर तक पहुंचाना पड़ता है। मरांडी ने कहा कि आज राज्य में अपराधी बेलगाम है। रोज हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं हो रही। गैंगवार हो रहे लेकिन पुलिस अपराधियों को नहीं सरकार के खिलाफ बोलने वालों को पकड़ती है। सरकार के खिलाफ ट्वीट करने वालों को पकड़ती है। उन्होंने कहा कि यह सरकार गरीबों का अनाज भी लुटावा दे रही। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र बरहेट में आदिम जनजाति परिवार के बीच बांटने के लिए केंद्र से मिले चावल को दलालों ने बेच दिया लेकिन मुख्यमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। जनसभा में सांसद निशिकांत दुबे, विधायक अनंत ओझा, अमित मंडल, प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय, जिलाध्यक्ष राजीव मेहता सहित हजारों की संख्या में जनता उपस्थित थी।

नई सड़क चौराहे के समीप सड़क के बीच के गढ्ढे को पूर्व पार्षद ने समतल किया

वाराणसी, (हि.स.)। नई सड़क चौराहे और फाटक शेख सलीम के पास सड़क के बीचों बीच हुए गढ्ढे को पूर्व पार्षद मोहम्मद शाहिद अली 'मुन्ना'ने शनिवार को क्षेत्रीय नागरिकों के साथ मिलकर समतल बना दिया। इससे इस मार्ग पर आना–जाना सुगम हो गया । इस मार्ग पर आने–जाने वाले राहगीरों के साथ कांवड़ियों और स्कूली बच्चों को बारिश के समय परेशानी होती थी। पूर्व पार्षद शाहिद अली ने बताया कि मार्ग पर काफी समय से गढ्ढा रहा। बारिश के दिनों में लोग इसमें फिसल कर चोटिल हो जाते थे। वाराणसी दौरे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सड़कों के गढ्ढे को पाटने और पैचवर्क का निर्देश दिया था। इसके बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग ने नईसड़क के मुख्य सड़क के गढ्ढे नहीं भरे थे। जिसकी वजह से यहां आए दिन फिसल कर दो पहिया वाहन चालक घायल हो जाते है। कई बार शिकायत करने के बाद भी सड़क के गढ्ढे को नही पाटा गया तो हमलोगों ने जन सहयोग से गढ्ढे में सीमेन्ट, लाल बालू, गिटटी से पाट कर समतल बनाया। क्षेत्र के मो० कुतुब, अशोक पहलवान, इम्तियाज, महताब, शानदार हुसैन ने इस कार्य में सहयोग दिया।

यूपीएससी पास करना है तो इंटर के बाद से ही करें तैयारी : विनय मिश्रा

रामगढ़, (हि.स.)। झारखंड की धरती प्रतिभावान बच्चों से खाली नहीं है लेकिन यहां के बच्चों और अभिभावकों में यूपीएससी की परीक्षा को लेकर जागरुकता की कमी है। यदि बच्चों को यूपीएससी की परीक्षा पास करनी है तो उन्हें इंटरमीडिएट के बाद से ही इसकी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। हालांकि, यूपीएससी की परीक्षा के लिए स्नातक पास होना बेहद जरूरी है। ये बातें शनिवार को रामगढ़ में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान चाणक्य आईएएस एकेडमी के वाइस प्रेसिडेंट विनय मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि झारखंड के विद्यार्थियों में पोटेंशियल के साथ हर वह क्षमता मौजूद है, जो उसे सफल इंसान बना सकता है। जरूरत सही दिशा, मार्गदर्शन और लगातार मेहनत की होती है। साथ ही जो सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, वह है जागरुकता। जागरुकता की कमी के कारण कई अभ्यर्थी सही वक्त पर तैयारी नहीं कर पाते हैं। विनय मिश्रा ने कहा कि चाणक्य आईएएस एकेडमी में तीन वर्षीय अपग्रेडेड फाउंडेशन कोर्स खास उन अभ्यर्थियों के लिए अहम है, जो 10 2 उत्तीर्ण के बाद ही यूपीएससी की तैयारी करते हैं। ग्रेजुएशन और यूपीएससी का पाठ्यक्रम एक-दूसरे का पूरक साबित होता है।

मनरेगा के श्रमिकों के लिए अद्वितीय रहा मोदी सरकार द्वारा कराया गया हवाई यात्रा

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ना सिर्फ देश भर का समग्र विकास कर रही है। बल्कि, विकास कार्य में लगे श्रमिकों का सम्मान भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मनरेगा योजना में बेहतर कार्य करने वाले को दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया गया है। ना सिर्फ श्रमिकों का सम्मान किया गया, बल्कि सम्मान भी ऐसा मिला, जिसका इन लोगों ने सपना भी नहीं देखा था। बेगूसराय से दस श्रमिकों को मनरेगा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी बिट्टू कुमार सिंह के नेतृत्व में हवाई जहाज से दिल्ली ले जाया गया। ठहराया गया बिहार भवन में, केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने सम्मानित करने के अलावा साथ बैठाकर खिलाया। वापसी भी हुई राजधानी एक्सप्रेस से। अमृत सरोवर योजना में बेहतर कार्य करने के बाद सम्मानित होकर गुरुवार की देर शाम बेगूसराय लौटे श्रमिकों के चेहरे पर खुशी छाई हुई है। दिल्ली से वापस लौटे गढ़पुरा प्रखंड के कोरैय निवासी महेन्द्र दास, पंचू दास, पवन दास, महावीर दास, नावकोठी प्रखंड के रजाकपुर निवासी जोगी पासवान, बलिया प्रखंड के पोखरिया मंजलपुर निवासी धर्मेन्द्र सदा दिल्ली गए थे। इनके साथ ही गए बछवाड़ा प्रखंड के अरवा निवासी पंकज कुमार साह, भगवानपुर प्रखंड के मोख्तियारपुर निवासी हरदेव दास तथा बरौनी प्रखंड के पपरौर निवासी मिथलेश कुमार दास एवं अशोक दास आदि दिल्ली यात्रा की कहकर भावुक हो जाते हैं। दिल्ली से लौटे जोगी पासवान एवं मिथलेश कुमार दास ने बताया कि हम सब दैनिक मजदूर रोज कमाते-खाते हैं। कभी सोचा भी नहीं था कि हवाई जहाज पर चढ़ेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हम लोगों को हवाई जहाज की यात्रा करवा दी। जब दिल्ली जाने का पत्र आया तो अचानक हम लोग चौंक उठे। यहां से बेगूसराय पहुंचे और बेगूसराय से स्कॉर्पियो से जैसी गाड़ी से पटना हवाई अड्डा ले जाया गया। वहां जब स्पाइसजेट के हवाई जहाज पर चढ़े तो वह सफर मेरे लिए अद्वितीय था। दिल्ली पहुंचे तो बिहार भवन में मेहमान जैसा स्वागत किया गया। एसी लगे कमरे में दो दिन रुके, मैट्रो की यात्रा की। गिरिराज सिंह के साथ बैठकर खाना खाया, उन्होंने सम्मानित किया गया। मनरेगा के माध्यम से हमारा गांव कैसे विकसित हो, इसके लिए सुझाव मांगे, बेहतर करने का विचार दिया। यह सब हम लोगों के लिए आश्चर्य और सपना जैसा था। वापसी भी कोई साधारण ट्रेन से नहीं हुई, राजधानी एक्सप्रेस के एसी बोगी में बैठकर हम सब घर आए हैं। मनरेगा के माध्यम से अब तक तो कार्य करते ही थे। लेकिन मोदी सरकार ने जो सम्मान और अनुभव दिया, यह अपने कार्य के प्रति और प्रेरित कर रहा है। ऐसे कार्यक्रमों से पता चलता है कि नरेन्द्र मोदी ना केवल दूरदर्शी सोच के साथ देश का विकास कर रहे हैं। बल्कि श्रमिकों के लिए उनके दिल में वही स्थान है जो किसी वीआईपी के लिए है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी बिट्टू कुमार सिंह ने बताया कि अमृत सरोवर योजना में बेहतरीन करने वाले श्रमिकों को लेकर जब मैं दिल्ली के लिए चला तो इनकी खुशी देखते ही बनती थी। हवाई जहाज का सफर किसी आश्चर्य से कम नहीं था। भाजपा नेता-सह-सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर ने बताया कि बेगूसराय के इन मनरेगा मजदूरों को विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली भेजा गया। जहां उनके रहने एवं आतिथ्य का प्रबंध किया गया। मनरेगा मजदूरों के सम्मान तथा उनके श्रम को सम्मानित करने के लिए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने आवास पर मजदूरों के साथ खाना खाया। उनसे मनरेगा के क्षेत्र में होने वाले कार्यों के बारे में फीडबैक लिया। उनके सुझाव को ग्रामीण कार्य विभाग के बेहतर परिणाम के लिए सम्मिलित किया गया है।

ललन सिंह के पास जानकारी का अभाव, मणिपुर में सभी आरोपी गिरफ्तार हो गये है: सम्राट चौधरी

पटना, (हि.स.)। बिहार में अपराधियों द्वारा पहले दारोगा और अब पत्रकार की हुई हत्या के बाद भाजपा ने जदयू को घेरा। जिसका जबाव देते हुए यहां बयान देते हुए जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि बिहार में अगर किसी की हत्या होती है तो हत्यारों को पकड़ा जा रहा है। कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति क्या होती है यह मणिपुर को देखकर समझिये जहां 3 मई से हिंसा का दौड़ जारी है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने आज ही कहा कि नीतीश राज में लॉ एंड आर्डर समाप्त हो गई है। मणिपुर में भी सभी आरोपी गिरफ्तार हो गए हैं उनको जानकारी नहीं है तो जानकारी दीजिए।उन्होंने कहा कि बिहार में लॉ एंड ऑर्डर समाप्त हो गया है ऐसे हमलोगों ने इसलिए कहा क्योंकि, बिहार में पुलिस वाले को मारा जा रहा है। पत्रकार के घर में घुसकर पत्रकार को मारा जा रहा है। यह चिंता का विषय है। मृतक पत्रकार विमल कुमार यादव की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मृतक पत्रकार के छोटे भाई की हत्या हुई थी उसमें वह मुख्य गवाह था। तो यह सिर्फ पत्रकार की हत्या का मामला नहीं है, यह गवाह की हत्या का मामला है। इसमें हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भी जल्द एक्शन लेना चाहिए। आप गवाह को भी संरक्षण नहीं दे सकते तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार को स्वयं बीमार है तो बीमार लोगों को सब बीमारी लगते हैं। बिहार की सरकार बीमार है। मुख्यमंत्री बीमार हैं। बिहार सरकार में जो पार्टी है वह भी बीमार है और नीतीश जी चाहते हैं कि पूरा बिहार का सिस्टम बीमार हो जाए। इसी का प्रचार कर रहे हैं।

संपादकीय

अदालत की नई शब्दावली

सर्वोच्च अदालत ने नई शब्दावली जारी की है। यह प्रयास खासकर महिलाओं के सम्मान, उनकी गरिमा और समता के मद्देनजर किया गया है। इसे लैंगिक और बेहतर पहल के लिए प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ बधाई और साधुवाद के पात्र हैं। हमारी अदालतों की भाषा वाकई कबीलाई और मध्यकालीन संस्कारों और सोच से प्रभावित है। अदालतों में भी पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, क्योंकि अधिकांश न्यायाधीश, वकील और कर्मचारी पुरुष हैं। महिलाओं की उपस्थिति न्यूनतम है, लेकिन भाषा के स्तर पर वही पुराना लैंगिक वर्चस्व का भाव है। बेशक याचिका हो या पुलिस, जांच एजेंसी का आरोप-पत्र अथवा वकीलों की बहस और न्यायाधीशों के फैसले हों, भाषाई स्तर बेहद आपत्तिजनक और तिरस्कारवादी रहा है। मसलन-वेश्या, बिन ब्याही मां, बदचलन, छोड़ी हुई औरत, रखैल आदि शब्द कमोबेश 21वीं सदी की भाषा के नहीं हो सकते। दरअसल भाषा हमारी चेतना को अभिव्यक्त करती है, लिहाजा मानसिक सोच को भी स्पष्ट करती है। कानून भाषा के जरिए ही जिंदा है। अदालतों में जो शब्द इस्तेमाल किए जाते रहे हैं, उनका हमारी जिंदगी पर बहुत प्रभाव होता है। कटघरे और अदालत में मौजूद महिला किसी की बेटी, बहन, बहू और पत्नी ही है, लिहाजा अपराध के बिना उसे लांछित क्यों किया जाए? प्रधान न्यायाधीश ने यह सामाजिक, भाषायी बीड़ा उठाया है, यकीनन इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने 43 शब्दों को फिलहाल रेखांकित करते हुए एक पुस्तिका जारी कराई है। उसकी शब्दावली में मां, यौनकर्मी, गृहिणी, अविवाहित महिला, होममेकर, फूहड़ या पवित्र महिला के स्थान पर सिर्फ 'महिला', कीप-रखैल-मिस्ट्रेस के लिए 'गैर मर्द से संबंध' आदि शब्दों के प्रयोग के संशोधन किए गए हैं। फिलहाल यह बेहद सीमित पहल है। महिलाओं के अलावा भी कुछ और शब्द जोड़े गए हैं, लेकिन अभी यह अनुसंधान जारी रखना चाहिए कि किन और शब्दों को बेहतर और सभ्य बनाया जा सकता है। पहली चुनौती यह है कि क्या अदालतों में इन बेहतर शब्दों का चलन तुरंत प्रभावी हो जाएगा? जो नए शब्दों के स्थान पर पुराने शब्दों को ही दोहराते रहेंगे, उनके लिए, अदालत के निर्देश क्या होंगे? अथवा उन्हें दंडित भी किया जा सकेगा? न्यायपालिका में करोड़ों मामले लंबित या विचाराधीन हैं। उनकी भाषा बदलने के आधार और नियम क्या होंगे? अब नई विश्व-व्यवस्था और नए भारत में परिवार का 'कमाऊ' और 'रोटी-प्रदाता' सदस्य पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी हैं। अलबत्ता वे यौन और घरेलू सेवाएं भी प्रदान करती हैं। प्रकृति ने उन्हें ही 'मातृत्व' का वरदान दिया है, लिहाजा शब्दों और सोच का इस्तेमाल भी सभ्य और समता के स्तर पर किया जाना चाहिए। चूंकि अदालत से सीधा संबंध पुलिस, जांच एजेंसियों का है, लिहाजा प्रधान न्यायाधीश नई शब्दावली के लिए पुलिस विभाग, गृह मंत्रालय और अन्य संबद्ध विभाग से भी आग्रह कर सकते हैं। हमारा मानना है कि देश की समूची व्यवस्था में कमोबेश 'भाषायी परिवर्तन' को जरूर लागू किया जाना चाहिए। तभी हम व्यावहारिक और आदर्श, सामाजिक तौर पर 'लैंगिक समानता' और 'लैंगिक गरिमा' की बात कर सकते हैं। बहरहाल नई शब्दावली का प्रयोग भी इसी संदर्भ में किया गया है कि भरी अदालत में औरत को कलंकित न किया जाए। जो पुस्तिका जारी की गई है, उसे प्रवचन के बजाय व्यवहार में लिया जाना चाहिए।

अदालतों में भी पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, क्योंकि अधिकांश न्यायाधीश, वकील और कर्मचारी पुरुष हैं। महिलाओं की उपस्थिति न्यूनतम है, लेकिन भाषा के स्तर पर वही पुराना लैंगिक वर्चस्व का भाव है। बेशक याचिका हो या पुलिस, जांच एजेंसी का आरोप-पत्र अथवा वकीलों की बहस और न्यायाधीशों के फैसले हों, भाषाई स्तर बेहद आपत्तिजनक और तिरस्कारवादी रहा है। मसलन-वेश्या, बिन ब्याही मां, बदचलन, छोड़ी हुई औरत, रखैल आदि शब्द कमोबेश 21वीं सदी की भाषा के नहीं हो सकते दरअसल भाषा हमारी चेतना को अभिव्यक्त करती है, लिहाजा मानसिक सोच को भी स्पष्ट करती है। कानून भाषा के जरिए ही जिंदा है। अदालतों में जो शब्द इस्तेमाल किए जाते रहे हैं, उनका हमारी जिंदगी पर बहुत प्रभाव होता है। कटघरे और अदालत में मौजूद महिला किसी की बेटी, बहन, बहू और पत्नी ही है, लिहाजा अपराध के बिना उसे क्यों लांछित किया जाए? प्रधान न्यायाधीश ने यह सामाजिक, भाषायी बीड़ा उठाया है, यकीनन इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए जस्टिस चंद्रचूड़ ने 43 शब्दों को फिलहाल रेखांकित करते हुए एक पुस्तिका जारी कराई है। उसकी शब्दावली में मां, यौनकर्मी, गृहिणी, अविवाहित महिला, होममेकर, फूहड़ या पवित्र महिला के स्थान पर सिर्फ 'महिला', कीप-रखैल-मिस्ट्रेस के लिए 'गैर मर्द से संबंध' आदि शब्दों के प्रयोग के संशोधन किए गए हैं। फिलहाल यह बेहद सीमित पहल है।

कुछ अलग

बेघर शहरी विकास

प्राकृतिक आपदा में लावारिस हुआ अपना घर भी, पूरे मोहल्ले ने रेंगना शुरू कर दिया था। हिमाचल में प्रकृति के सबसे बड़े प्रकोप ने हमारी करतूतों को कोसा है, अतीत के विश्राम को रोका है। सरपट दौड़ती-भागती जिंदगी को विराम की सरहद बताई है, तो कई सवाल सरकारी कामकाज के ढर्रे, सिफारिशों-फरमाइशों और सियासी फेहरिस्त की आजमाइशों से भी हैं। आश्चर्य होता है कि जिस शहरी विकास विभाग के दायित्व, प्राथमिकता और जवाबदेही से हम हिमाचली शहरों में सुकून से भविष्य देखना चाहते हैं, वही बेघर हो गया। शहरी विकास के मुख्यालय का भवन खाली करवाना पड़ गया। जाहिर है यह इमारत वहीं थी, बल्कि इसके भीतर प्रदेश की बुलंदी, शहरीकरण के आश्वासन और भविष्य को रेखांकित करती परिकल्पना भी थी, जो अपने ही कारणों से विस्थापित हो गया। इतना ही नहीं हाउसिंग बोर्ड की जाखू स्थित कालोनी को बचने के लिए शरण की जरूरत आ पड़ी है, तो कांगड़ा में भी कालोनी के छह घर टूट फूट की जद में आ गए हैं। यानी हम ऐसा भविष्य दिखा या खोज रहे हैं, जिसका कोई वारिस नहीं। यह इसलिए कि कमोबेश हर सरकार ने तमगे ढूंढे और इन्हीं बुर्जियों पर विकास अंधा हो गया। हम शाम होने पर चौंकते हैं कि अंधेरे मिटाने के लिए अब कोई दीपक चाहिए, वरना सो जाने के लिए तो यही पहर काफी है। हम तहें जमा कर केवल सत्ता के लाभ देख रहे हैं। न कोई अनुसंधान, न कोई संकल्प और न ही कोई आर एंड डी। हमारे माथे पे घास उगी है, इस कदर कि दिमाग तक रेंग कर भी नहीं जा सकते। हमने राजनीतिक घासतंत्र विकसित कर लिया है। आप विधानसभा की बहस देख लीजिए और पूछ लीजिए कि हर पक्ष ने किस खुराफात के लिए सदन से बहिरगमन किए। क्या आज तक के हिमाचली इतिहास में विधानसभा की बहस ने आम आदमी और प्रदेश के अस्तित्व के प्रश्नों का सही सही हल ढूंढा। बताइए नदियों, नालों, खड्डों, कूहलों का बावड़ियों के अस्तित्व पर कितनी चिंता हुई। हमने एचआरटीसी पर चर्चा यह की कि नए रूट बढ़ा दिए जाएं या बस डिपो की संख्या में इजाफा कर दिया जाए। क्या हमने ऐसे रास्ते या रूट खोजे जहां मौसम की बेरुखी पर भी परिवहन चलता। परिवहन के विकल्प होते, तो सेब इस वक्त पेटियों में नहीं सड़ता। कोई एक रज्जु मार्ग बता दें, जो इस समय शिमला व कुल्लू के सेब को मंडी तक ले आता। हमने देखे कई नेता हरी झंडियों की पोशाक में, लेकिन ये उद्घाटन लतीफा बन गए। शिमला में जमींदोज भवन, गिरते पेड़ और चकमा देते पहाड़ों की फितरत में समाया रोष आखिर किसके वर्चस्व की निशानी है। अगर शहरी विकास की वकअत होती, तो अपनी इमारत को ही थाम लेता, लेकिन राजधानी मर रही है और इसकी इत्तिला तक यह विभाग नहीं दे पाया। आखिर प्रदेश की राजधानी की परिकल्पना में हमने किया ही क्या। कभी पेयजल के नाम पर पीलिया और कभी परिवहन के नाम पर ट्रैफिक जाम में फंसे शहर की आबरू इतनी कमजोर क्यों हो गई। जरा पूछें आज तक के तमाम शहरी विकास मंत्रियों से और खास तौर पर पिछली सरकार के तत्कालीन दो मंत्रियों से कि उनके लिए शिमला स्मार्ट सिटी परियोजना सिर्फ कंक्रीट की ठेकेदारी क्यों बन गई। पत्थरों के डंगों को हटाकर कंक्रीट का लेबल चढ़ा कर या सारे शहर में लोहे का परचम फैला कर उन्होंने क्या पाया। विडंबना यह भी है कि सरकारी महकमों में 'राजनीतिक औलाद' काम कर रही है और नेतृत्व के लिए ऐसे मंत्री पुरस्कृत हैं जिन्हें सिर्फ अगले चुनाव के लिए केवल अपनी विधानसभा क्षेत्र की परिक्रमा करनी है। यही परिक्रमा धर्मपुर में डूबे बस स्टैंड की तख्ती बता रही है कि इस समुद्र में किसी नेता को जहाज खड़ा करना था।

इससे पहले अमेरिका में मार्च के महीने में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान खालिस्तान समर्थकों ने नारेबाजी की थी

विदेश में मंदिरों पर हमले, राष्ट्रवादी चुप क्यों

योगेंद्र योगी

नूंह में धार्मिक रैली के दौरान हुई हिंसा को लेकर आक्रामक रुख अपनाने वाले संगठनों ने विदेशों में सरेआम भारत और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के अपमान पर किसी तरह का धरना-प्रदर्शन तो दूर, बल्कि सख्त प्रतिक्रिया तक देना जरूरी नहीं समझा। ऐसे मामलों में विदेशी सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। विदेशों में हमले की नई कड़ी में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में एक बार फिर मंदिर पर हमला करके देश को चुनौती दी है। खासतौर पर कनाडा में भारत विरोधी ताकतों की हरकतें बेलगाम होती जा रही हैं। खालिस्तान समर्थकों के मंदिर पर लगातार हो रहे हमले के बजाय यही हमले यदि किसी मुस्लिम संगठन द्वारा किए गए होते तो कथित देशभक्त संगठन अब तक आसमान सिर पर उठा लेते।

देशभक्ति और हिन्दुत्व का दंभ भरने वाले संगठन कनाडा, ब्रिटेन और अमरीका में खालिस्तान समर्थकों द्वारा मंदिरों और अन्य भारतीय प्रतिष्ठानों पर हमले पर आश्चर्यजनक रूप से चुप्पी साधे हुए हैं। देश के विभाजन के विदेशी प्रयासों पर इन संगठनों की यह चुप्पी समझ से परे है। नूंह में धार्मिक रैली के दौरान हुई हिंसा को लेकर आक्रामक रुख अपनाने वाले संगठनों ने विदेशों में सरेआम भारत और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के अपमान पर किसी तरह का धरना-प्रदर्शन तो दूर, बल्कि सख्त प्रतिक्रिया तक देना जरूरी नहीं समझा। ऐसे मामलों में विदेशी सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। विदेशों में हमले की नई कड़ी में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में एक बार फिर मंदिर पर हमला करके देश को चुनौती दी है। खासतौर पर कनाडा में भारत विरोधी ताकतों की हरकतें बेलगाम होती जा रही हैं। खालिस्तान समर्थकों के मंदिर पर लगातार हो रहे हमले के बजाय यही हमले यदि किसी मुस्लिम संगठन द्वारा किए गए होते तो कथित देशभक्त संगठन अब तक आसमान सिर पर उठा लेते। इसके विपरीत खालिस्तान समर्थकों के हमलों के लेकर मौन धारण किए हुए हैं। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक बार फिर से खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर में तोडफोड़ की। खालिस्तानियों ने मंदिर में तोडफोड़ की और इसे नुकसान पहुंचाया। इसके बाद जाते वक्त मंदिर के मुख्य दरवाजे पर खालिस्तान जनमत संग्रह के पोस्टर चिपका दिए। खालिस्तानियों की ये पूरी करतूत पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वर्ष 2023 की शुरुआत से तो पूरे कनाडा में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने की श्रृंखला शुरू हो गई है जिसमें मंदिर की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने से लेकर आपत्तिजनक भित्तिचित्र, सेंधमारी और बर्बरता की करीब आधा दर्जन घटनाएं हुई हैं। मौजूदा घटना कनाडा में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने की इस साल में तीसरी है। 31 जनवरी को ही कनाडा के ब्रैम्पटन में एक प्रमुख हिंदू मंदिर में तोडफ़ोड़ की गई थी। इसके ऊपर भारत विरोधी बातें भी लिखी गईं। खालिस्तानियों की इस हरकत से वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के बीच खासा नाराजगी थी। इस साल अप्रैल में ही कनाडा के ओंटारियो में भी एक हिंदू मंदिर खालिस्तानियों के निशाने पर आया था। इस पर भी भारत विरोधी नारों को लिखा गया। कनाडा के ओंटारियो में ही एक गांधी प्रतिमा को तोड़ दिया था। मार्च के आखिरी हफ्ते में कनाडा के बर्नबाई में एक यूनिवर्सिटी के अंदर स्थित गांधीजी की प्रतिमा को भी तोड़ दिया गया, जिसके बाद भारत की ओर से सख्त एतराज जताया गया। कुछ दिनों पहले खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाते हुए वाणिज्य दूतावास को भी नुकसान

पहुंचाने की कोशिश की थी। पिछले साल जुलाई में, ग्रेटर टोरंटो एरिया में रिचमंड हिल में विष्णु मंदिर में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को भद्दे शब्दों से पोत दिया गया था, जिसके बाद भारतीय समुदाय ने प्रदर्शन किया था। बीते दिनों भारतीय समुदाय के लोगों ने भारतीय दूतावास के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के उत्पात के विरोध में प्रदर्शन किया जिसके बाद कनाडा की सरकार ने कहा कि वे भारत विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाएंगे। कनाडा में खालिस्तानियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं वर्षगांठ पर ब्रैम्पटन में एक परेड का आयोजन किया गया था जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाती एक झांकी निकाली गई। फिर बीते दिनों भारतीय दूतावास के बाहर कुछ पोस्टर लगे नजर आए जिन पर भारतीय राजनयिकों की फोटो थी और इसके जरिए उन्हें निशाना बनाने की बात कही गई थी। इन घटनाओं को लेकर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की चुप्पी पर सवाल उठाए और कहा कि कोई सख्त कदम नहीं उठाए गए क्योंकि ट्रूडो सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही है। विदेश मंत्री ने चेतावनी दी कि अगर ऐसे तत्व देश की संप्रभुता और सुरक्षा में बाधा डालेंगे तो भारत कड़ी प्रतिक्रिया देने में संकोच नहीं करेगा। चौंकाने वाली बात यह है कि कनाडा के राजनेता आंखें मूंदकर बैठे हुए हैं। कनाडा खालिस्तान के आतंकियों का बचाव करने की कोशिश किस तरह से कर रहा है, प्रधानमंत्री के बयानों से यह साफ झलकता है कि आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से हिचकिचा रहा है। कनाडा के भारत मूल के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तान के बढ़ते प्रभाव को पूरी तरह से नकार दिया था और उल्टा इस मामले में भारत को ही घेर लिया। पीएम ट्रूडो ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'वो (भारत सरकार) गलत हैं। हमने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ गंभीर कार्रवाई की है।' खालिस्तान समर्थकों के मामले में कनाडा की तरह ब्रिटेन और अमरीका का रवैया भी लिजलिजा है। खालिस्तान समर्थक तत्वों के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान लंदन में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय ध्वज को नीचे खींच लिया। तिरंगे को प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने अलगाववादी खालिस्तानी झंडे लहराते हुए और खालिस्तान समर्थक नारे लगाए। इस वीडियो के सामने आने के बाद भारत ने इस मामले में पूरी तरह से सुरक्षा की अनुपस्थिति पर ब्रिटिश उप उच्चायुक्त को तलब कर स्पष्टीकरण मांगा था। उन्हें वियना कन्वेंशन के तहत यूके सरकार के बुनियादी दायित्वों के संबंध में याद दिलाया गया। भारतीय दूतावास पर किए गए हमले का मुद्दा ब्रिटेन की संसद में भी गूंजा। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने हाउस ऑफ कॉमन्स में कहा कि हम अभी भी इस देश में खालिस्तानी आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं, हम उन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने को लेकर क्या फैसला ले सकते हैं। बॉब ब्लैकमैन ने हाउस ऑफ कॉमन्स के नेता पेनी मोर्डंट को संबोधित करते हुए कहा कि खालिस्तानी गुंडों की भारतीय उच्चायोग के बाहर जो गुंडागर्दी हुई, वह इस देश के लिए पूरी तरह से अपमानजनक है। इतने सालों में यह 6वीं बार है जब उच्चायोग पर इसी तरह से हमला किया गया है। इसके जवाब में सदन के नेता पेनी मोर्डंट ने कहा कि हम लंदन स्थित भारतीय दूतावास की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि यह तय करना पुलिस और क्राउन प्रॉसीक्यूशन का काम होगा कि वारंट और आपराधिक कार्यवाही से जुड़ी कार्रवाई की जरूरत है या नहीं। बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि इसी तरह के हमले कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी किए गए। हम अभी इस देश में खालिस्तानी आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं। क्या हम सरकार के समय में इस बात पर बहस कर सकते हैं कि इन आतंकवादियों को इस देश में प्रतिबंधित करने के लिए हम क्या कार्रवाई कर सकते हैं। पेनी मोर्डंट ने अपनी प्रतिक्रिया में बॉब ब्लैकमैन को हमले की निंदा करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने हाउस ऑफ कॉमन्स को आश्वासन दिया कि यूके सरकार भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को गंभीरता से लेती है। अमरीका बेशक भारत से दोस्ती और बेहतर रिश्ते बनाने का कितना ही दंभ भरे, किन्तु अमरीकी जमीन पर भारत विरोधी ताकतों की सक्रियता के मामले में राष्ट्रपति बाइडन प्रशासन ने भी कभी सख्ती नहीं दिखाई। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास में खालिस्तान समर्थकों की तरफ से आगजनी की कोशिश की गई। खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने भारतीय वाणिज्य दूतावास में आग लगा दी, लेकिन सैन फ्रांसिस्को अग्निशमन विभाग ने इसे तुरंत बुझा दिया। आग की वजह से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। खालिस्तान समर्थकों ने घटना के संबंध में एक वीडियो भी जारी किया। अमरीकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने ट्वीट पर भारतीय वाणिज्य दूतावास के खिलाफ कथित बर्बरता और आगजनी के प्रयास की कड़ी निंदा कर अपने दायित्वों की इतिश्री कर ली।

राष्ट्रीय आपदा घोषित हो यह महाप्रलय

हमेशा से मनुष्य द्वारा प्रकृति पर बार-बार उत्पात करने तथा सजा भुगतने का यह क्रम अनवरत रूप से चल रहा है। यह तो निश्चित है कि हर वर्ष सर्दी, गर्मी तथा बरसात होगी तथा यह भी सर्वविदित है कि जहां मानवीय जीवन होगा वहां पर आग, बाढ़, तूफान, सूखा, अकाल, भूस्खलन, हिमस्खलन, भूकम्प, सुनामी, समुद्री तूफान, बिजली गिरने, बादल फटने तथा महामारी की संभावना भी होगी। मौसम विभाग के रेड अलर्ट, ऑरेंज अलर्ट तथा चेतावनियां भी अब आम बात हो गई है। यह भी सत्य है कि हम आपदाओं को समाप्त तो नहीं कर सकते बल्कि उनको कम करने के लिए प्रयत्न तो कर ही सकते हैं। मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए हर पल तत्पर एवं सचेत रहना हमारी आवश्यकता तथा प्राथमिकता है। यह सरकार, प्रशासन, व्यवस्था तथा समाज का सामूहिक कार्य है। यह भी स्वीकार करना होगा कि हम समय रहते आपदाओं की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयारी नहीं करते।

मात्र चौबीस घण्टे में हिमाचल जैसे छोटे राज्य में पचपन लोगों का अकारण और असमय मौत का शिकार हो जाना कोई सामान्य घटना नहीं है। तेरह और चौदह अगस्त 2023 का दिन भयंकर वर्षा, जलप्रपात तथा भूस्खलन से हिमाचल प्रदेश के लोगों को कभी न भूलने वाला दर्द दे गया। प्रदेश का जनमानस डर के साये में जीवन यापन कर रहा है। सडक़ें, इमारतें, गाडियां, बिजली तथा पानी की योजनाएं, पर्यटक स्थल, भौतिक संसाधन, सभी विनाशलीला का शिकार हो रहे हैं। चारों ओर भयंकर तबाही का आलम है। हमेशा से मनुष्य द्वारा प्रकृति पर बार-बार उत्पात करने तथा सजा भुगतने का यह क्रम अनवरत रूप से चल रहा है। यह तो निश्चित है कि हर वर्ष सर्दी, गर्मी तथा बरसात होगी तथा यह भी सर्वविदित है कि जहां मानवीय जीवन होगा वहां पर आग, बाढ़, तूफान, सूखा, अकाल, भूस्खलन, हिमस्खलन, भूकम्प, सुनामी, समुद्री तूफान, बिजली गिरने, बादल फटने तथा महामारी की संभावना भी होगी। मौसम विभाग के रेड अलर्ट, ऑरेंज अलर्ट तथा चेतावनियां भी अब आम बात हो गई है। यह भी सत्य है कि हम आपदाओं को समाप्त तो नहीं कर सकते बल्कि उनको कम करने के लिए प्रयत्न तो कर ही सकते हैं। मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए हर पल तत्पर एवं सचेत रहना हमारी आवश्यकता तथा प्राथमिकता है। यह सरकार, प्रशासन, व्यवस्था तथा समाज का सामूहिक कार्य है। यह भी स्वीकार करना होगा कि हम समय रहते आपदाओं की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयारी नहीं करते। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है तथा प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से बहुत ही संवेदनशील है। पहाड़ी राज्यों की मुश्किलें एवं परेशानियां मैदानी राज्यों की अपेक्षा अधिक एवं अलग होती हैं। इस संदर्भ में अंधाधुंध विकास, भवन निर्माण, औद्योगिकीकरण, जंगलों का कटान, सडक़ों का निर्माण, बिजली परियोजनाओं के लिए बांध का निर्माण, बारूद से पहाड़ों का सीना छलनी होना तथा विद्युत उत्पादन के साथ योजनाओं की समीक्षा एवं विश्लेषण होना भी आवश्यक है। यह ठीक है कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, सडक़ों, पुलों, विद्युत परियोजनाओं का निर्माण, बड़ी-बड़ी इमारतों तथा कारखानों का निर्माण भी लोगों व प्रदेश की आवश्यकता है, लेकिन भौतिक विकास मानवीय जीवन तथा प्रकृति के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। आपदाओं की तीव्रता तथा इनकी आवृत्ति में कमी का प्रयास किया जाना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वीकार किया कि मात्र दो दिनों में 55 लोग अकाल मृत्यु का शिकार हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने माना कि विगत पचास वर्षों में इतनी भारी वर्षा नहीं हुई। प्रदेश में इस मॉनसून में अभी तक लगभग 150 लोग मारे जा चुके हैं। लगभग 1200 सडक़ें भूस्खलन के कारण बन्द हो चुकी हैं। एचआरटीसी के लगभग 3700 रूट बन्द हो चुके हैं। बिजली के 4500 ट्रासंफार्मर तथा लगभग 9500 पेयजल योजनाएं ठप्प हो चुकी हैं। अनेकों घर नदियों में ताश के पत्तों की तरह बिखर चुके हैं, गाडियां तिनकों की तरह जलप्रवाह में बह चुकी हैं। कई पुल जलमग्न हो चुके हैं। चारों ओर चीख-ओ-पुकार, बर्बादी तथा तबाही का मंजर है। जुलाई महीने में भयंकर वर्षा तथा जलप्रपात से केवल कुल्लू तथा मण्डी जिलों में लगभग 4000 करोड़ रुपए के नुकसान का आकलन था, लेकिन इस बार लगभग पूरे प्रदेश में तथा सभी जिलों में तबाही का आलम है। प्रदेश की सतलुज, व्यास तथा रावी नदियां अपने रौद्र रूप में हैं। चम्बा, कांगड़ा, हमीरपुर, मण्डी, कुल्लू, बिलासपुर, हमीरपुर, शिमला, सिरमौर तथा सोलन जिलों में भयंकर तबाही हुई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जानमाल तथा सम्पत्ति के नुकसान लेने के लिए निरंतर राज्य प्रशासनिक अधिकारियों, जिलाधीशों तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। हालात से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने स्वयं कमान पकड़ी है, वे प्रत्येक घटना पर स्वयं जाकर लोगों के आंसू पोंछने का प्रयास कर रहे हैं, परन्तु प्रकृति के आगे व्यक्ति, व्यवस्था तथा सरकार तो छोटी सी चीज है। पिछले महीने प्रदेश के 126 जवान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की सातवीं बटालियन द्वारा बठिंडा से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे हैं जिन्हें आपदा से निपटने के लिए तैनात किया गया है, लेकिन प्रदेश की पहाड़ जैसी आपदाओं को मद्देनजर रखते हुए यह संख्या अपेक्षा से कहीं बहुत कम है। प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों को ही सामान्य सा प्रशिक्षण देकर आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है जो कि नाकाफी है। आपदाओं से मुकाबला करने के लिए विधिवत शिक्षित, कौशल प्राप्त एवं प्रशिक्षित व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। वैकल्पिक व्यवस्था के सहारे आपदाओं का सामना करना असंभव तो नहीं, बल्कि मुश्किल अवश्य होता है। हिमाचल की विकट परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश में एक स्थाई एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ आपदा प्रतिक्रिया बटालियन की आवश्यकता है। इससे जहां वास्तविक रूप से प्रशिक्षित लोगों को रोजगार मिलेगा वहीं पर प्रदेश में आने वाली आपदाओं के नियन्त्रण तथा करोड़ों रुपए के नुकसान की कमी में भी सहायता मिलेगी। किसी भी राज्य के लिए आपदा प्रबंधन एक बहुत ही आवश्यक एवं चुनौतीपूर्ण विषय है।

देश दुनीया से

संबंधों के नवीनीकरण का मौसम

हमारी पत्नी और व्यवस्था ने अच्छी तरह से समझा रखा है कि किसी भी स्तर के राजनीतिज्ञ से नाराज़गी रखने का वक्त अब कतई नहीं रहा। याद आया, कई बरस पहले हमने उनकी एक हरकत पर टिप्पणी कर दी थी। तब भी पत्नी ने अच्छी तरह से समझाया था कि कहीं यह 'सज्जन' चुने गए तो आपकी खैर नहीं। लेकिन वक्त का शुक्रिया, वह कई पार्टियां बदलने के बावजूद भी हमेशा हारते ही रहे और हम भी बचे रहे। एक बार हमसे पुन: संबंध नवीनीकरण करने के, उनके प्रयास से लगा राजनीति एक अच्छी समझदार अध्यापक भी तो है जो हमें पढ़ाती है कि राजनीति में ही नहीं ज़िंदगी में भी कोई पक्का दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं हुआ करता। अवसर मिले तो अपने खराब सम्बन्धों को ठीक ज़रूर करते रहना चाहिए। अनजान लोगों से भी थोड़े बहुत संबंध उगाए रखने चाहिए। अपनी योजनाएं बनाने व सपने सच करने के लिए मेहनती चींटी की तरह लगे रहना चाहिए, एक न एक दिन तो सफलता मिलती ही है। चुनावी मरम्मत के मौसम में चाहे नेता एक दूसरे के साथ पुश्तैनी दुश्मनों की तरह व्यवहार करें, बातचीत का स्तर रसातल से भी नीचे ले जाएं लेकिन बात वे लोकतंत्र को अधिक मजबूत करते हुए, देश को अधिक गौरवशाली व अधिक शक्तिशाली बनाने की ही करते हैं।

पंचवर्षीय योजना के लगभग सवा चार साल बाद, उन्होंने सामने से आकर हाथ जोड़ मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और बोले, 'अभी भी हम से नाराज़ हैं बड़े भाई।' थोड़ी हैरानी हुई कि यह सज्जन ऐसा क्यों कर रहे हैं। उनसे अपनी न कोई राजग़ी थी न नाराजग़ी। हमने भी पूरे अदब से हाथ जोडक़र नमस्कार कहा, 'ऐसी कोई बात नहीं है।' अगले क्षण तपाक से समझ में आया कि राजनीति के खेत में चुनाव की स्वादिष्ट एवं उपजाऊ फसल रोपने की तैयारी शुरू हो चुकी है, तभी तो नकली 'प्यार' की असली झप्पियां डाली जा रही हैं। उम्र में हमसे बड़ा होने के बावजूद भी हमें बड़ा भाई बोला जा रहा है। सम्बन्धों की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक व मानवीय मरम्मत भी धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही है। हमारी पत्नी और व्यवस्था ने अच्छी तरह से समझा रखा है कि किसी भी स्तर के राजनीतिज्ञ से नाराजग़ी रखने का वक्त अब कतई नहीं रहा। याद आया, कई बरस पहले हमने उनकी एक हरकत पर टिप्पणी कर दी थी। तब भी पत्नी ने अच्छी तरह से समझाया था कि कहीं यह 'सज्जन' चुने गए तो आपकी खैर नहीं। लेकिन वक्त का शुक्रिया, वह कई पार्टियां बदलने के बावजूद भी हमेशा हारते ही रहे और हम भी बचे रहे। एक बार हमसे पुनः संबंध नवीनीकरण करने के, उनके प्रयास से लगा राजनीति एक अच्छी समझदार अध्यापक भी तो है जो हमें पढ़ाती है कि राजनीति में ही नहीं ज़िंदगी में भी कोई पक्का दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं हुआ करता। अवसर मिले तो अपने खराब सम्बन्धों को ठीक ज़रूर करते रहना चाहिए। अनजान लोगों से भी थोड़े बहुत संबंध उगाए रखने चाहिए। अपनी योजनाएं बनाने व सपने सच करने के लिए मेहनती चींटी की तरह लगे रहना चाहिए, एक न एक दिन तो सफलता मिलती ही है। चुनावी मरम्मत के मौसम में चाहे नेता एक दूसरे के साथ पुश्तैनी दुश्मनों की तरह व्यवहार करें, बातचीत का स्तर रसातल से भी नीचे ले जाएं लेकिन बात वे लोकतंत्र को अधिक मजबूत करते हुए, देश को अधिक गौरवशाली व अधिक शक्तिशाली बनाने की ही करते हैं। यह मौसम होली की तरह होता है जहां सब गले मिल लेते हैं, क्या पता यह गले मिलना कहीं काम आ ही जाए और गले न मिलना कहीं गले ही न पड़ जाए। यह याद रखना ही चाहिए कि नेता यदि लगा रहे तो सांसद न सही विधायक न सही एक दिन पार्षद तो बन ही जाता है और अपने मकान का निर्माण तो करवा ही लेता है। खराब सम्बन्धों की मरम्मत करने में तो वह महा अनुभवी होता ही है। 'घमंड का सिर नीचा' होने का मुहावरा सफल राजनीति में 'घमंड का सिर ऊंचा' हो जाता है। आजकल जब राजनीतिक मरम्मत के हर सधे हुए कारीगर का बाज़ार गर्म है, घमंड का सिर नीचा हुआ घूमता है। राजनीति ने मानवीय जीवन को बहुत लचीला मुहावरा बना कर रख दिया है जिसके असली अर्थ बुरी तरह से टूट-फूट चुके हैं और निरंतर मरम्मत मांग रहे हैं। आचार संहिता के प्रसव काल यानी चुनाव होने तक तक मरम्मत का यह मौसम चलने वाला है। हां, चुनाव के बाद नई सरकारजी के निर्माण हो जाने के बाद घमंड का सिर ऊंचा वाला मुहावरा बाज़ार की शान हो जाएगा।

दृष्टिकोण

पाकिस्तान में कोई उम्मीद नहीं, सेना के रहते स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पर संदेह

इंतजार के पल खत्म हुए और पाकिस्तान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा कर दी गई है। बांग्लादेश के समान ही पाकिस्तान के संविधान में कार्यवाहक सरकार का प्रावधान है। लेकिन अब आवाजें उठ रही हैं कि संविधान में संशोधन करते हुए पाकिस्तान के चुनाव आयोग को बड़ी भूमिका दी जाए और उसे ज्यादा मजबूत और आजाद बनाया जाए। कभी-कभी एक पत्रकार खुद को वहां खड़ा पाता है, जहां इतिहास लिखा जा रहा हो और उसके पास इस बदलाव को शब्द देने का मौका होता है। बीते शनिवार को इस्लामाबाद में आयोजित एक रात्रिभोज कार्यक्रम से बाहर निकलते हुए, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पूर्व मंत्रियों ने भी शिरकत की थी, पूर्व में विदेश सचिव और भारत में उच्चायुक्त रहे जलील अब्बास जिलानी के घर के पास से गुजरने का मौका मिला। वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद के लिए शीर्ष दावेदार थे, लेकिन शनिवार की दोपहर को इस पद के लिए सीनेटर अनवार-उल-हक काकड़ के नाम की घोषणा की गई। यह खबर सभी को झटका देने वाली थी। खासकर जलील जिलानी के लिए यह खबर सदमे से कम नहीं थी, क्योंकि उन्हें यह आश्वासन दिया जा रहा था कि उनके नाम की घोषणा तय है। अफसोस की बात है कि 2018 में भी जलील को इसी दुर्भाग्य का सामना करना पड़ा था, जब उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री का पद दिए जाने की बात हो रही थी, लेकिन एकाएक उनका नाम हटा दिया गया था। पिछले शनिवार को हमने देखा कि जलील जिलानी के घर के बाहर तैनात पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों को हटा लिया गया। संभावित प्रधानमंत्री को सरकारी सुरक्षा देना बिल्कुल सामान्य है। लेकिन फिर बुधवार की दोपहर को जिलानी के लिए एक खुशखबरी आई। उन्हें सरकार की ओर से फोन करके यह सूचित किया गया कि उन्हें नए विदेश मंत्री के तौर पर नामित किया गया है। अब वह शपथ ग्रहण कार्यक्रम का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के दफ्तर में एक और बदलाव नए विदेश सचिव सायरस काजी के नाम की घोषणा के तौर पर किया गया है। वह एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, जो इससे पहले तक तुर्किये में पाकिस्तान के राजदूत थे। बड़ा सवाल यह है कि आखिर असल वजह क्या थी, कि जलील जिलानी का नाम हटाकर काकड़ को चुना गया। मेरी जानकारी के अनुसार काकड़ के चुनाव में सेना ने काफी गुप्त ढंग से काम किया है। उन्हें जुलाई में ही यह सूचना दे दी गई थी, कि अगस्त में जब पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार भंग की जाएगी, तो उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री का पद संभालने के लिए तैयार रहना होगा। भंग की गई संसद में विपक्षी दल के नेता समेत सभी राजनीतिक दलों ने संभावित नामों की अपनी-अपनी सूचियां बनाकर दी थीं। जलील जिलानी का नाम पीपीपी नेता आसिफ अली जरदारी की तरफ से आया था, जिस पर सभी राजी थे। लेकिन जब एकाएक सैन्य प्रतिष्ठान की तरफ से काकड़ का नाम भेजा गया, तो सभी को हैरत जरूर हुई, लेकिन फिर सभी ने अपनी रजामंदी दे दी। इसके बाद ही काकड़ के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी भी राजनीतिक दल ने काकड़ को मुबारकबाद नहीं भेजी है। न तो नवाज शरीफ ने, न मौलाना फजलुर रहमान, न आसिफ अली जरदारी ने और न बिलावट भुट्टो ने, जो सभी पीडीएम सरकार के अंग थे। अब विदेश मंत्री के तौर पर जलील जिलानी का नाम सामने आया है। उम्मीद है कि काकड़ बलूचिस्तान से अपने दो राजनीतिक मित्रों को संघीय कैबिनेट में जरूर लाएंगे। पाकिस्तान के इस कार्यवाहक प्रधानमंत्री के बारे में जानना जरूरी है, जिसके कंधों पर निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। काकड़ दरअसल बलूचिस्तान के पश्तून हैं। लेकिन उनका ज्यादातर समय सीनेटर के तौर पर इस्लामाबाद के कैफे और रेस्तराओं में बीता है। वह एक छोटे शहर के आम आदमी जैसे रहे हैं।

अमेरिका ने एक दिन में 21 भारतीय छात्र वापस भेजे: वीजा में गड़बड़ी का आरोप; स्टूडेंट्स का दावा- अधिकारियों ने चेक किए मोबाइल, व्हॉट्सऐप

वॉशिंगटन।
अमेरिका से एक दिन में 21 भारतीय छात्रों को वापस भेजने की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी वजह वीजा और डॉक्यूमेंट्स में गड़बड़ी बताई गई है। ये छात्र आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं। इन स्टूडेंट्स ने दावा किया है कि उनके सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे थे और ये कॉलेज में एडमिशन मिलने के बाद अमेरिका जा रहे थे। एटलांटा, शिकागो और सैन फ्रांसिस्को के एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन ऑफिसर ने छात्रों के डॉक्यूमेंट्स चेक किए। इसके बाद उन्हें कुछ देर के लिए हिरासत में भी लिया गया और फिर वापस जाने के लिए कहा गया। छात्रों ने बताया कि उन्हें वापसी की कोई वजह नहीं बताई गई। इस वजह से छात्रों को लगा कि उनके दस्तावेजों में कुछ कमी थी।

छात्रों को मिली कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

अमेरिका या भारत सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर कोई बयान जारी नहीं किया गय है। ये घटना 12 से 16 अगस्त के बीच की है। बिना किसी वजह की जानकारी के वापस भेजे गए छात्रों ने बताया कि अधिकारियों ने उनके मोबाइल फोन और व्हॉट्सऐप चैट्स भी चेक किए गए थे। साथ ही उनके लैपटॉप और सोशल मीडिया अकाउंट्स की भी जांच की गई थी। इसके अलावा छात्रों को चुपचाप देश से वापस जाने और विरोध करने पर गंभीर कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई थी। जिन छात्रों को वापस भेजा गया है उनमें से ज्यादातर पढ़ाई के लिए मिसूरी और साउथ डकोटा की यूनिवर्सिटी में जाने वाले थे। एयरपोर्ट पर छात्रों से उनकी पढ़ाई, वीजा इंटरव्यू, लोन और एडमिशन के लिए जिन कंसल्टेंट्स से मदद ली गई उनसे जुड़े सवाल पूछे गए थे। इसके बाद उन्हें अगले दिन : की फ्लाइट से वापस भेजने तक हिरासत में रखा गया। फिलहाल ये छात्र भारत लौट चुके हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि अमेरिका से तुरंत वापस भेजे जाने वाले विदेशी छात्रों पर अगले 5 साल का प्रतिबंध लगा दिया जाता है। ऐसे में इन स्टूडेंट्स को अपने भविष्य की चिंता हो रही है। एटलांटा से वापस भेजी गई एक छात्रा ने बताया कि इमिग्रेशन अधिकारी अजीब ढंग से व्यवहार कर रहे थे और कई बार सवालों का जवाब भी नहीं दे रहे थे।

छात्रा ने दावा किया कि ऐंबैसी और यूनिवर्सिटी की तरफ से सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे होने के बावजूद ये कार्रवाई की गई। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पिछले हफ्तों हजारों छात्र विदेश में पढ़ाई करने के लिए रवाना हुए थे। एयरपोर्ट के अधिकारी और पुलिस ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर छात्रों की भीड़ की वजह से उनके साथ जाने वाले पैसेंजर्स को लेकर एक एडवाइजरी भी जारी की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

तालिबान बोला- कुछ जगह औरतों का बेपर्दा होना पाप: मर्द की नजर पड़ने से मान घटता है, अल्लाह पर्दानशीं की इज्जत करता है

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद औरतों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। अब तालिबान के मंत्री ने कहा है कि पब्लिक में औरतों का चेहरा दिखने से उनकी अहमियत कम होती है। उन्होंने कहा है कि मुस्लिम धर्मगुरु भी इस बात से सहमति रखते हैं कि औरतें जब भी घर से बाहर जाएं तो उन्हें अपने चेहरे ढककर रखने चाहिए। उन्होंने कहा- अगर औरतों के चेहरे सार्वजनिक जगहों पर दिखते हैं तो इससे पाप होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। कई बड़े शहरों में महिलाओं का बिना हिजाब दिखना बहुत बुरा है और हमारे विद्वान भी इस बात से सहमत हैं कि महिलाओं के चेहरे छिपे होने चाहिए। आकिफ ने कहा ऐसा नहीं है कि महिलाओं को चेहरे दिखने पर नुकसान पहुंचाया जाएगा। हालांकि, एक महिला की अपनी अहमियत होती है और आदमी जब उन्हें देखते हैं तो उनकी अहमियत कम हो जाती है। अल्लाह हिजाब वाली महिलाओं को सम्मान देता है और उसका मोल होता है। आकिफ ने महिलाओं की पढ़ाई पर लगाई गई पाबंदी के बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। आकिफ ने कहा कि हमें अपने काम करने में कोई परेशानी नहीं होती है। लोग शरिया को लागू करवाना चाहते थे। हम सिर्फ शरिया के कानूनों का पालन करवा रहे हैं। हमने अपनी तरफ से कुछ नहीं जोड़ा है। शरिया के ऑर्डर 1400 साल पहले से मौजूद हैं। तालिबान के राज में महिलाओं का शोषण नहीं होता है। जैसे पहले होता था।

ताइवान को ड्रैगन की धमकी, सीमा के नजदीक चीनी वायुसेना और नौसेना ने शुरू किया संयुक्त युद्धाभ्यास

ताइवान । चीन की वायुसेना और नौसेना ने ताइवान की सीमा के नजदीक पेट्रोलिंग और संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवान की सीमा के नजदीक चीन के इस युद्धाभ्यास को धमकी माना जा रहा है। बता दें कि चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब हाल ही में ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई ने पेराग्वे जाते हुए अमेरिका में भी कुछ देर के लिए रुके। इससे चीन नाराज बताया जा रहा है। चीनी सेना की ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि ताइवान की सीमा के नजदीक पेट्रोलिंग और युद्धाभ्यास नौसेना और एयरफोर्स के बीच समन्वय को बेहतर करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। चीनी सेना ने कहा कि युद्धाभ्यास के दौरान असल युद्ध के हालात में सेना की क्षमता को परखा जाएगा। चीनी सेना ने ये भी कहा कि यह युद्धाभ्यास ताइवान की आजादी के लिए विदेशी सांठ-गांठ और उकसावे वाली कार्रवाई के खिलाफ कड़ी चेतावनी है। वहीं सीमा के नजदीक चीन के युद्धाभ्यास करने पर ताइवान की सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर इस युद्धाभ्यास को उकसावे वाली कार्रवाई बताया है।

मेक्सिको-कैलिफोर्निया की तरफ बढ़ रहा हिलेरी चक्रवात: अगले 2 दिन में 10 इंच बारिश की आशंका; कैलिफोर्निया में 84 साल पहले आया था ऐसा तूफान

मेक्सिको। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अगले कुछ दिन के अंदर एक बड़ा उत्तरी चक्रवात आने वाला है। इसको हिलेरी नाम दिया गया है, जो फिलहाल मेक्सिको की तरफ बढ़ रहा है। हिलेरी कैटेगरी 4 चक्रवात है। अमेरिकी तट से टकराने के बाद आशंका है कि इसकी वजह से अमेरिका के 3 राज्य- कैलिफोर्निया, एरिजोना और नेवादा में एक दिन के अंदर एक साल जितनी बारिश हो सकती है। मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया में अगले 2 दिन में 10 इंच बारिश की चेतावनी दी गई है। इसकी वजह से मेक्सिको और कैलिफोर्निया में बाढ़ की भी आशंका जताई गई है। अमेरिका के नेशनल ओशेनिक एंड एट्मॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, ये तूफान पहले मेक्सिको से टकराएगा और फिर कैलिफोर्निया की तरफ बढ़ेगा। हालांकि, ये तूफान लगातार नॉर्थ की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में अगर ये पहले कैलिफोर्निया से टकराया तो पिछले 84 साल का सबसे बड़ा उत्तरी तूफान होगा। सदर्न कैलिफोर्निया में पहली बार एक कैटेगरी 4 चक्रवाती तूफान के लिए चेतावनी जारी की गई है। हिलेरी चक्रवात मेक्सिको समय के मुताबिक काबो सैन लूकस रिजॉर्ट सिटी से टकरा जाएगा, जिसके बाद इसके कमजोर पड़ने की संभावना है। चक्रवात को देखते हुए मेक्सिको के कुछ शहरों में गैर-जरूरी पब्लिक एक्टीविटीज और स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

बुशरा बोलीं- इमरान को जहर दिया जा सकता है

जेल में घर के खाने की इजाजत नहीं; खान ने कहा- हजार साल यहां रहने तैयार

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 5 अगस्त को तोशाखाना केस में गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से वो पंजाब की अटक जेल में बंद हैं। अब उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने इमरान को जहर दिए जाने की आशंका जताई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब के होम सेक्रेटरी को लिखे पत्र में बुशरा बीबी ने इमरान को रावलपिंडी की अदियाला जेल में ट्रांसफर करने की अपील की। उन्होंने कहा- मेरे पति को जेल में घर का बना खाना खाने की इजाजत भी नहीं दी गई है। ये मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

दूसरी तरफ, इमरान खान ने जेल में अपने वकील उमियार नियाजी से मुलाकात की। नियाजी ने बताया कि इमरान ने उनसे कहा है कि वो अगले हजार साल तक भी जेल में रहने को तैयार हैं। खान ने कहा- मुझे जेल की सुविधाओं से कोई मतलब नहीं है। मैं देश की आजादी के लिए हजार साल तक भी यहां रहने की कुर्बानी दे सकता हूं।

इमरान पर हमले के दोषी अब भी फरार

रिपोर्ट के मुताबिक, बुशरा बीबी ने कहा- इमरान खान पर अब तक 2 बार जानलेवा हमला हो चुका है। इनमें से एक बार उन्हें गोली भी लगी थी। दोनों मामलों के दोषियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। ऐसे में मुझे डर है कि उनके खाने में जहर मिलाकर उन्हें फिर मारने की कोशिश की जा सकती है। साथ ही बुशरा ने खान को अटक जेल में रखे जाने के फैसले पर भी सवाल उठाए।

पत्र में इमरान की पत्नी ने लिखा- खान को सी-क्लास जेल में रखा गया है, जबकि पाकिस्तान के कानून में इमरान खान जैसी शख्सियत को कम से कम बी-क्लास सुविधाएं दी जानी चाहिए थीं। इस दौरान बुशरा ने इमरान के पूर्व प्रधानमंत्री, क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पास होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी शख्स को सी-क्लास जेल में रखना नियमों के खिलाफ है।

12 दिन बाद भी नहीं मिली जरूरी सुविधाएं

खत में बुशरा ने कहा- जेल अथॉरिटी की जिम्मेदारी थी कि वो 48 घंटों के अंदर मेरे पति को जरूरत की सभी सुविधाएं मुहैया कराएं, लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद भी ऐसा नहीं किया गया है। बुशरा ने इमरान को पर्सनल डॉक्टर से सलाह लेने की इजाजत मिलने का भी अनुरोध किया।

इमरान खान के वकील उमियार नियाजी ने आरोप लगाया है कि इमरान को अपनी लीगल टीम में से सिर्फ उनसे ही मिलने की इजाजत दी गई, जो नियमों के खिलाफ है। वकील नियाजी ने कहा है कि वो टीम से चर्चा करके इस मुद्दे में जेलर के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का केस करेंगे।

खान के बैरक में कीड़े-मक्खियां

इससे पहले खान के वकील नईम हैदर ने दावा किया था कि पूर्व पीएम को बहुत ही बुरी हालत में रखा जा रहा है। उनके सेल में मक्खियां और कीड़े हैं। उनका सेल बहुत छोटा है और उसमें बाथरूम भी खुला हुआ है। नईम ने कहा था- इमरान ने मुझे बताया है कि जब पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने जमान पार्क पहुंची थी, तो उनके पास गिरफ्तारी वारंट नहीं था।

खान के मुताबिक, पुलिस ने उनकी पत्नी बुशरा बीबी के कमरे का दरवाजा तोड़ने की भी कोशिश की थी। साथ ही उन्हें जेल में बुशरा से मिलने भी नहीं दिया जा रहा है। फिलहाल पूर्व पाकिस्तानी पीएम पर 140 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

इमरान को लंच टेबल से उठा ले गई थी पुलिस

इससे पहले डेली पाकिस्तान की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि पुलिस जब इमरान को गिरफ्तार करने पहुंची तो वो लंच कर रहे थे। उन्हें लंच बीच में ही छोड़कर पुलिस के साथ जाना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस टीम ने घर के अंदर मैसेज भेजा कि खान को गिरफ्तार करना है, उन्हें बाहर भेजा जाए।

अंदर से मैसेज आया कि साहब लंच कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम अंदर गई और खान से कहा कि आप लंच बाद में कर लेना। अभी साथ चलिए। खान उस वक्त ब्लू ट्रैक सूट में थे। उन्होंने ड्रेस चेंज करने की मंजूरी मांगी। अफसर ने इसकी भी इजाजत देने से इनकार कर दिया। खान पुलिस के साथ बाहर आए तो उनके पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स साथ में चलने लगे। पुलिस अफसर ने सख्ती दिखाते हुए उन्हें रोक दिया।

साउथ अफ्रीका जाएंगे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग

पीएम मोदी के साथ ब्रिक्स समिट में शामिल होंगे, राजकीय यात्रा भी करेंगे

केप टाउन।
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते जोहान्सबर्ग में होने वाले ब्रिक्स देशों के समिट में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका जाएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के मुताबिक जिनपिंग साउथ अफ्रीका की राजकीय यात्रा भी करेंगे। ब्रिक्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। ऐसे में समिट के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात लगभग तय मानी जा रही है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुवा चुनयिंग ने कहा कि शी जिनपिंग अपनी 21 से 24 अगस्त की यात्रा पर साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। चीन ब्रिक्स संगठन का अहम सदस्य है। चीन के अलावा इस समूह में भारत, रूस, ब्राजील और साउथ अफ्रीका भी शामिल हैं। इस समूह का उद्देश्य दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देशों को साथ लाना है।

समिट में हिस्सा लेने नहीं जाएंगे पुतिन

साउथ अफ्रीकी अधिकारियों के मुताबिक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन इस समिट में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका नहीं जाएंगे। पुतिन के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने अरेस्ट वारेंट जारी किया है। पुतिन इस समिट में व्यक्तिगत तौर पर शामिल न होने वाले एकमात्र नेता होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पुतिन की छवि पर असर पड़ सकता है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेश्कोव ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने इस समिट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ने का फैसला किया है।

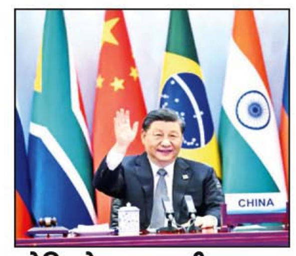

कोविड के बाद पहली बार साथ आएंगे सदस्य देश

2019 के बाद पहली बार ब्रिक्स देशों के नेता मंच पर एक साथ आएंगे। इससे पहले कोविड के कारण ये समिट ऑनलाइन किया जा रहा था। रूस-यूक्रेन जंग,साउथ अफ्रीका की गिरती हुई अर्थव्यवस्था और भारत-चीन के बीच तनाव के कारण इस समूह की प्रांसगिकता बढ़ गई है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने कहा कि वो इस गुट में और देशों को जोड़ने के पक्ष में हैं और इसके लिए समिट में बात भी रखेंगे। ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएइरा ने कहा कि 20 से अधिक देशों ने औपचारिक तौर पर ब्रिक्स से जुड़ने के लिए अप्लाई किया है। आवेदन करने वाले देशों में अर्जेंटीना, संयुक्त अरब अमीरात, साउदी अरब, इंडोनेशिया, ईरान और वेनेजुएला शामिल हैं। रूस और चीन को अलग-थलग करने की अमेरिका और यूरोपीय यूनियन की कोशिश के मद्देनजर, दोनों ही देश विकासशील देशों में अपना आर्थिक असर बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए चीन ने कदम उठाने भी शुरू कर दिए हैं। चीन,न्यू डेवलपमेंट बैंक या ब्रिक्स बैंक के जरिए ब्राजील और दुनिया के बाकी हिस्सों में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को फंड कर रहा है।

ब्रिटेन में नर्स ने 7 नवजात बच्चों की हत्या की: छह अन्य बच्चों को भी मारने की कोशिश की; 21 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी

लंदन।
ब्रिटेन की एक नर्स को सात नवजात बच्चों की हत्या करने और छह अन्य की हत्या करने की कोशिश करने का दोषी पाया गया है। क्राउन प्रोसिक्यूशन सर्विस ने कहा कि नर्स को मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई जाएगी। दोषी पाई गई नर्स लूसी लेटबी 33 साल की है। उस पर पिछले अक्टूबर से मुकदमा चल रहा है। उस पर जिन बच्चों की हत्या का जुर्म साबित हुआ, उनमें अधिकतर या तो बीमार थे या समय से पहले पैदा हुए थे। ये हत्याएं उसने जून 2015 से जून 2016 के बीच उत्तर पश्चिमी इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में की थी। इस मामले में नर्स को जुलाई 2018 से नवंबर 2020 के बीच तीन बार गिरफ्तार किया गया था। बीच में उसे दो बार छोड़ा गया। नवंबर 2020 में आरोप तय हुए। उत्तरी इंग्लैंड में मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट की जूरी 22 दिनों तक विचार-विमर्श करने के बाद फैसले पर पहुंची।

सबूत छोड़े बिना हत्या करती थी लूसी

प्रोसिक्यूशन ने बताया- लूसी लेटबी को कमजोर बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। उसने हत्या के ऐसे तरीकों का इस्तेमाल किया, जिनसे कोई खास सबूत नहीं छूटा। लूसी के साथ काम करने वालों ने कोर्ट में बताया कि बच्चों की मौत तब हुई, जब लुसी शिफ्ट में थी। कुछ नवजात बच्चों पर उसी समय हमला हुआ ,जब उनके माता-पिता पालने में छोड़कर गए।

विश्वास दिलाया कि मौतें प्राकृतिक वजहों से हो रहीं

प्रोसिक्यूटर निक जॉनसन ने कहा कि लुसी अपने सहयोगियों को यह विश्वास दिला देती थी कि मौतें प्राकृतिक वजहों से हो रही हैं। वह अपनी तरफ से बच्चों को नहलाने, कपड़े पहनाने और उनकी तस्वीरें लेने की पेशकश करती थी। वह हर बच्चे की मौत के बाद उत्साहित दिखाई देती थी। नोट में लिखा- मैं दुष्ट हूं, मैंने यह किया

लेटबी के घर से पुलिस को एक हाथ से लिखा नोट मिला था। नोट पर उसने लिखा था मैं दुष्ट हूं, मैंने यह किया। लुसी ने कोर्ट में कहा कि उसने यह नोट तब लिखा था, जब उसे दो-तीन बच्चों की मौत के बाद क्लर्क का काम करने के लिए लगा दिया गया। उसे लगने लगा कि उसने कुछ गलत किया है। लूसी ने बच्चों को नुकसान पहुंचाने से इनकार किया था। उसने कहा था- चार सीनियर डॉक्टरों ने अस्पताल की नाकामियों को छिपाने के लिए उस पर दोष डाला।

भारतीय मूल के लैब मालिक को 27 साल जेल की सजा, 46.3 करोड़ डॉलर के जेनेटिक टेस्ट घोटाले में पाया गया दोषी

ह्यूस्टन।
अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में एक भारतीय मूल के प्रयोगशाला मालिक को तीन साल से अधिक समय से मेडिकेयर को धोखा देने और 46.3 करोड़ डॉलर के आनुवंशिक परीक्षण घोटाले में शामिल होने के लिए 27 साल जेल की सजा सुनाई गई। लैबसॉल्यूशंस एलएलसी के मालिक मिनल पटेल को मेडिकेयर को धोखा देने की योजना में उनकी भूमिका के लिए 27 साल की जेल की सजा सुनाई गई। पटेल पर आरोप है कि आनुवांशिक और अन्य प्रयोगशाला परीक्षणों के जरिये, जिनकी मरीजों को आवश्यकता नहीं थी, दलाली और रिश्वत देकर 46.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि प्राप्त किया गया था।

न्याय विभाग ने कहा कि 44-वर्षीय व्यक्ति ने टेलीमार्केटिंग कॉल के जरिए मेडिकेयर लाभार्थियों को निशाना बनाने के लिए मरीजों के दलालों, टेलीमेडिसिन कंपनियों और कॉल सेंटरों के साथ साजिश रची, जिसमें झूठा दावा किया गया कि उनके पैकेज में महंगे कैंसर आनुवंशिक परीक्षण शामिल हैं। विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मेडिकेयर लाभार्थियों द्वारा परीक्षण कराने के लिए सहमत होने के बाद पटेल ने टेलीमेडिसिन कंपनियों से परीक्षणों को अधिकृत करने वाले डॉक्टरों के हस्ताक्षरित आदेश प्राप्त करने के लिए मरीजों के दलालों को रिश्वत का भुगतान किया। रिश्वत को छुपाने के लिए पटेल ने मरीजों के दलालों से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा, जिसमें गलत तरीके से कहा गया था कि वे लैब सॉल्यूशंस के लिए वैध विज्ञापन सेवाएं दे रहे हैं। जुलाई 2016 से अगस्त 2019 तक लैब सॉल्यूशंस ने मेडिकेयर को 46.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के दावे प्रस्तुत किए। इन दावों में हजारों चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक आनुवंशिक परीक्षण भी शामिल थे, जिनमें से राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम ने 18.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का भुगतान किया। उस समय सीमा में पटेल को धोखाधड़ी के सिलसिले में व्यक्तिगत रूप से मेडिकेयर से 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक प्राप्त हुए। एफबीआई मियामी फील्ड ऑफिस के प्रभारी विशेष एजेंट जेफरी बी वेल्ट्री ने कहा, उन मरीजों को वैध आनुवंशिक परीक्षण और टेलीमेडिसिन सेवाओं के प्रावधान में धोखे, रिश्वत और दलाली का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा, पटेल ने एक जटिल जांच धोखाधड़ी योजना के माध्यम से मेडिकेयर से करोड़ों डॉलर की हेराफेरी की। वह अब इस अपराध की कीमत चुका रहे हैं। यह मामला ऑपरेशन डबल हेलिक्स के हिस्से के रूप में लाया गया था, जो कि आपराधिक डिवीजन के धोखाधड़ी अनुभाग की देखरेख में हेल्थ केयर फ्रॉड स्ट्राइक फोर्स के नेतृत्व में एक संघीय कानून प्रवर्तन कार्रवाई थी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस मामले में संपत्ति जब्ती पर सुनवाई 25 अगस्त को होगी।

कनाडा के जंगलों में फिर लगी आग

यलोनाइफ शहर के सभी 20 हजार लोगों को हटाया गया; देश में 1 हजार एक्टिव फायर

ओटावा।
कनाडा के जंगलों में एक बार फिर से आग लग गई है। यलोनाइफ शहर के सभी 20 हजार लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने के आदेश दिए गए हैं। इस बीच फायर ब्रिगेड आग को यलोनाइफ शहर से दूर रखने की कोशिश कर रहा है। इस साल कनाडा के जंगलों में सबसे भयानक आग लगी है। देश में अभी 1 हजार से ज्यादा एक्टिव फायर हैं जो करीब 265 इलाकों में फैली हुई है। कनाडा में इस साल जंगल की आग की वजह से करीब 1.34 लाख स्क्वायर किमी का क्षेत्र जल चुका है। ये हर 10 साल में जलने वाले क्षेत्र से करीब 6 गुना ज्यादा है। इस सीजन में अब तक करीब 2 लाख लोगों को कभी न कभी वाइल्डफायर की वजह से घर छोड़ना पड़ा है।

आग रोकने के लिए पेड़ काटे जा रहे

शहर की मेयर रेबेका ने बताया की आग की लपटों को फैलने से रोकने के लिए स्पेशल टीम शहर के पास पेड़ों को काट रही है। आग अभी शहर के उत्तर-पश्चिम इलाके से करीब 15 किमी दूर है। अगर बारिश नहीं हुई तो बाहरी इलाके तक पहुंचने की आशंका है। बात करते हुए मेयर ने बताया कि यलोनाइफ शहर में घना धुआं छा गया है जिसके वजह से कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। वाइल्डफायर सर्विस डायरेक्टर क्लिफ चैपमैन ने कहा अगले 24-48 घंटे सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होंगे।

पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

इमरजेंसी को देखते हुए पीएम जस्टिन ट्रूडो ने इंसिडेंट रिस्पॉन्स ग्रुप की बैठक बुलाई। इस ग्रुप में सीनियर अधिकारी और मंत्री शामिल हुए।

लोगों को अल्बर्टा ले जाने के लिए 5 फ्लाइट्स ने उड़ान भरीं। इनके लिए सैकड़ों लोग लोकल हाईस्कूल के बाहर इंतजार करते नजर आए। टेरीटोरियल एन्वायरमेंट मिनिस्टर शेन थॉम्पसन ने कहा- शहर फिलहाल खतरे में नहीं है लेकिन आग का कोई भरोसा नहीं है। हमने ही लोगों को शहर खाली करने के लिए कह दिया था। उन्होंने कहा आग से जो हिस्सा प्रभावित है, वहां के 46 हजार में से करीब 65 प्रतिशत लोगों का हटाया जाएगा।

इवैक्यूएशन सेंटर 1100 किमी दूर

यलोनाइफ से अल्बर्टा जाने के लिए सिर्फ एक सड़क है, जो की डबल लेन है। यहां से लोगों को निकालने के लिए 3 सेंटर्स बनाए गए हैं। हालांकि, सबसे नजदीक वाला सेंटर भी करीब 1100 किमी दूर है।

इंडस्ट्रियल एंड एनर्जी प्रोडक्शन पर पड़ रहा असर

आग की वजह से इंडस्ट्रियल एंड एनर्जी प्रोडक्शन में बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने कहा यलोनाइफ से लगभग 280 किमी उत्तर पूर्व में स्थित गाचो क्यू खदान का संचालन जारी है। हालांकि आसपास के कई कर्मचारियों को निकाल लिया गया था।

आग लगने की वजह क्या है

अधिकारियों ने कहा- इस साल के तापमान और सूखे की स्थिति के कारण आग लगने की नौबत आई है। कनाडा के बहुत से हिस्से में सूखा पड़ रहा है। सर्दियों में कम बर्फबारी भी इसकी बड़ी वजह है। आग के धुंए ने पुरे कनाडा और अमेरिका के कई हिस्सों में हवा को प्रदूषित कर दिया है। ऐसी हवा में सांस लेने से से शरीर को भरी नुकसान हो सकता है। जून में कनाडा के जंगलों में अब तक की सबसे भयानक आग लगी थी। यहां करीब सभी 10 प्रांतों और शहरों में इसका असर देखा गया था । उस वक्त करीब 33 हजार स्क्वायर किमी का क्षेत्र जल चुका है। ये पिछले 10 साल के औसत से 13 गुना ज्यादा और बेल्जियम के कुल क्षेत्रफल से भी बड़ा था।

बालों के हिसाब से चुनें शैंपू ...

आजकल बाजार में कई प्रकार के शैंपू और कंडीशनर उपलब्ध हैं तो, ऐसे में सवाल यह उठता है कि आप अपने बालों के हिसाब से कौन सा शैंपू चुनेंगी जो बालों को सूट करे। कभी भी विज्ञापन देख कर शैंपू और कंडीशनर नहीं खरीदना चाहिए। हमेशा देख लें कि जो शैंपू आप खरीदने जा रही हैं, उसमें क्या-क्या सामग्री मिली हुई है। अगर आपके बाल कर्ली हें तो आपको क्रीमी और नमी प्रदान करने वाला शैंपू प्रयोग करना चाहिए। इसमें शिया बटर, जर्म ऑयल और नट ऑयल मिला होना चाहिए। इसके अलावा आपको अल्ट्रा कंडीशनिंग मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए। अगर आपके बाल ऑयली है तो आपको क्रीमी शैंपू और कंडीशनर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा प्रोडक्ट चुनें जिसमें पेन्थिनॉल मिला हो। यह ऐसा तत्व है जो बालों की मोटाई बढाता है। स्प्रे कंडीशनर का प्रयोग कीजिए जो कि बालों सिर की त्वचा तक नहीं जाता है और केवल बालों तक ही सीमित रहता है। टूटे और रूखे बालों के लिए क्रीमी शैंपू सही होता है। इसके साथ ही रोजाना कंडीशनिंग की भी जरुरत होती है। ऑयली एंड ड्राय बालों में जड़े तो ऑयली रहती हैं लेकिन बालों का आखिरी छोर रूखा रहता है। तो, ऐसे में आपको रोजाना साधारण शैंपू का प्रयोग कर के बाल धोने चाहिए। कंडीशनर का प्रयोग कीजिए लेकिन उसे बालों की जड़ों पर मत लगाइए वरना वह ऑयली हो जाएंगे। सिलीकॉन मिला हुआ कंडीशनर ना प्रयोग करें वरना यह कलर किए हुए बालों को खराब कर सकता है।

देर तक ऐसे टिकाएं लिपस्टिक...

मेकअप में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली लिपस्टिक ज्यादातर महिलाओं की प्रिय होती है। पर समस्या यह आती है कि लिपस्टिक होठों पर ज्यादा देर तक टिकी नहीं रहती। लिपस्टिक का शेड स्किन टोन से बिल्कुल मैच करते हुए होना चाहिए, तभी वह आपके होठों पर भाएगी। यदि आपको होठों पर लिपस्टिक ज्यादा समय के लिए टिका कर रखना है तो उसे होठों पर लगाने से पहले प्रिटोलियम जैली लगा लें। इस तरह से वह ज्यादा देर तक होठों पर टिकी रहेगी। यदि आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक ज्यादा देर के लिए टिकी रहे तो, लगाने के एक रात पहले उसे फ्रिज में रख दें। एक्सपर्ट का मानना है कि ऐसा करने से लिपस्टिक लंबे समय तक होठों पर टिकी रहती है। सही तरह का बेस लगाने के लिए आपको होठ पर हल्का सा पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर लगे होठ पर लिपस्टिक लगाएं। ऐसा करने के बाद यदि आप एक कप कॉफी भी पीती हैं तो भी आपकी लिपस्टिक नहीं छूटेगी। मोटे होठों पर डार्क कलर की लिपस्टिक बहुत अच्छी दिखती है और इससे होठ ज्यादा सुंदर और गुलाबी दिखाई देते हैं। अगर आपको होठों पर उभार दिखाने हैं तो उसके किनारे पतली लिप लाइनर लगा कर उसे होठों पर लिपस्टिक के साथ भर लें। बुजुर्ग महिलाओं को लिपस्टिक लगानी है तो वे बोल्ड और डार्क लिपस्टिक न लगाएं। लिपस्टिक के दो शेड्स को कभी नहीं मिला कर लगाना चाहिए।

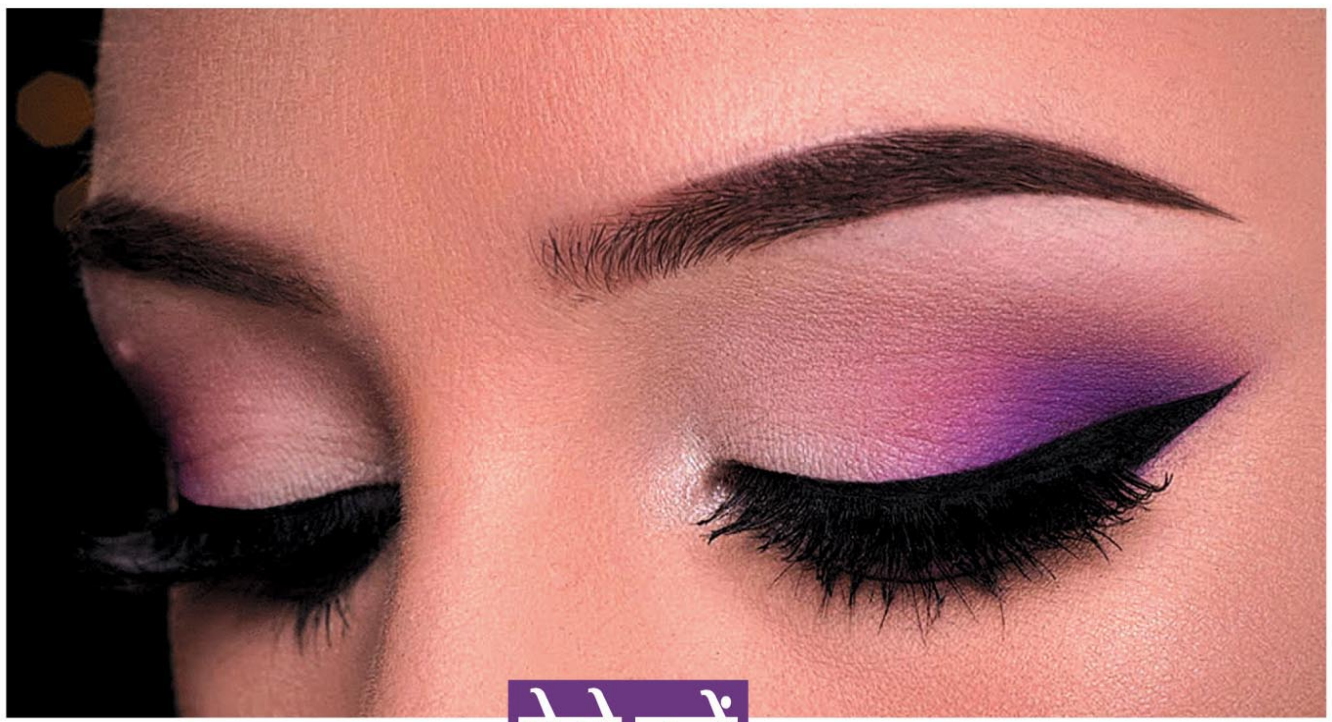

ऐसे करें आंखों का मेकअप...

आंख हमारे शरीर का वह हिस्सा है, जो सच्ची फिलिंग को व्यक्त करता है। अगर आप इसे और आकर्षक बनाना चाहती है तो इनका अच्छे से मेकअप करना होगा। हर किसी की आंखों का आकार एक समान नहीं होता। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी आंखों के आकार के अनुसार ही मेकअप करें।

आंखे मानव शरीर के सबसे अहम हिस्सों में से एक है। इसके बिना इस सुंदर दुनिया की सिर्फ हम कल्पना कर सकते। आपकी आंखों का मेकअप हिट भी हो सकता है और फ्लॉप भी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप मेकअप कैसे करती हैं और किससे कराती हैं। आप सावधानी से मेकअप करके अपनी आंखों को जीवंत बना सकती हैं। चमकदार आंखें हर जगह चर्चा में रहती हैं और ध्यान भी आकर्षित करती हैं। जब भी आप किसी मेकअप का चुनाव करें तो थोड़ी सावधान रहें। यह जरूर देख लें कि आपका मेकअप आपके आउटफिट से मेल खाता हो। आप चाहे परंपरागत आउटफिट को पसंद करती हों या फिर मॉडर्न आउटफिट को, पर आंखों का मेकअप ही आपको भीड़ से अलग दिखाएगा। यह भी सच है कि हर किसी की आंखों का आकार एक समान नहीं होता। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी आंखों के आकार के अनुसार ही मेकअप करें। अगर आपकी आंखों का आकार छोटा है तो आंखों का मेकअप इस प्रकार करें कि आपकी आंखें बड़ी लगें। गोल आंखों के लिए डार्क आईशैडो परफेक्ट होते हैं। क्लोज सेट आईज आपस में लगभग सटी हुई लगती हैं। ऐसी आंखों के लिए इनर कॉर्नर पर लाइट आईशैडो और आउटर कार्नर पर इंटेल कलर अप्लाई करें।

उभरी आंखें

उभरी आंखें यानी कॉन्वेक्स आईज वैसी आंखें होती है जो बाहर की तरफ निकली हुई होती हैं। इसलिए इन्हें बल्जिंग या प्रोट्रूडिंग आईज भी कहते हैं। इन आंखों को मीडियम कलर से गहरे रंग तक के आई शैडो से पलकों पर शेड दें। इन पर कभी भी फ्रॉस्टेड शेड्स या हाईलाइटर न इस्तेमाल करें। इससे आंखें और ज्यादा उभरी नजर आएंगी और आपकी खूबसूरती बिगाड़ सकती है। आंखों के निचले किनारों पर काजल पेंसिल लगाएं। ऊपरी आईलैशेज पर मसकारा के एक-दो हलके कोट्स लगाए जा सकते हैं।

गहरी आंखें

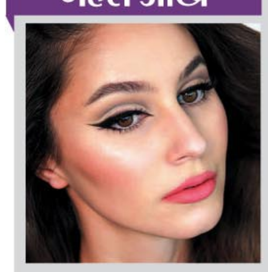

डीप सेट यानी गहरी आंखें भीतर धंसी हुई दिखती हैं। इनमें ब्रो बोन यानी आंखों और भौंहों के बीच की हड्डी का उभार भी कम होता है। इन पर ऐसा मेकअप किया जाना चाहिए जिससे आंखें उभरी दिखें। पलकों पर हलका दबा हुआ पिंक या बेज शैडो लगाना अच्छा रहेगा। आंखों की ऊपरी रेखा यानी क्रीज की तरफ उसे हलका करें। मीडियम-टोंड आई शैडो का इस्तेमाल करें और ब्रो बोन से शुरू करके ब्रो के किनारों तक लगाएं। आंखों के ऊपरी हिस्से में बनी लाइन को स्मोकी-कलर शैडो से गहरा करें। यह पूरे मेकअप से मैच करने वाला हो। और आखिर में काली या भूरी पेंसिल से काजल लगाएं।

क्लोज-सेट आईज

क्लोज-सेट आईज में दोनों आंखों के बीच की दूरी कम दिखाई पड़ती है। यानी नाक से इनकी दूरी जरा कम होती है। इन आंखों के मेकअप के लिए पलकों के भीतरी हिस्से पर हलका और बीच के हिस्से पर मीडियम शेड लगाएं। ऊपरी पलकों के बाहरी किनारों पर एक लाइन सी खींचें। अब ब्रो बोन के बाहरी यानी कान की ओर वाले हिस्से पर गहरा शैडो लगाकर उसे अच्छी तरह एकसार करें। आंखों में ब्लैक काजल लगा सकती हैं। अगर आप मसकारा लगाना चाहती हैं तो भीतरी लैशेज पर हलके रंग का और बाहरी तरफ थोड़ा गहरे रंग को इस्तेमाल में लाएं। बाहरी तरफ उसे थोड़ा उभारने की कोशिश करें और भौंहों की ओर थोड़ा कम उभारें।

एशियन आईज

नाक की तरफ भीतरी किनारों की ओर थोड़ी झुकी हुई आंखों को एशियन आईज कहते हैं। इनमें शैडो का प्रयोग करते समय लेयरिंग इफेक्ट देने के लिए तीन रंगों का प्रयोग करें। आई लैशेज के पास हलका शैडो लगाएं, पलकों पर मीडियम कलर और ब्रो बोंस पर बेहद हलके रंग का प्रयोग करें। आंखों के किनारे लाइन या ऊपरी तरफ क्रीज बनाने से बचें। आई लाइनर का प्रयोग केवल आंखों के ऊपरी हिस्से पर करना बेहतर रहेगा।

वाइड सेट आईज

क्लोज-सेट आई की तुलना में वाइड सेट आईज की दूरी नाक से थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जो आंखों को बैलेंस दिखाए। आंखों और नाक के बीच वाले हिस्से पर छोटे ब्लशर ब्रश से अपने स्किन टोन से थोड़ा गहरे टोन पाउडर लगाएं। नाक की तरफ ब्रश करते हुए पाउडर को एकसार करें। ब्रो की बाहरी रेखा पर न्यूट्रल-टोंड हाईलाइटर का इस्तेमाल करें। क्रीज लाइन यानी आंखों के ऊपरी हिस्से पर पडने वाली रेखा पर शेड दें और आंख के भीतरी किनारे यानी नाक की तरफ वाले हिस्से को उभारें। आंख के बाहरी किनारे पर हलके मैट शैडो से ब्रश करके आई मेकअप को पूर्णता दें। मसकारा लगाते समय लैशेज सीधी रखें। उसके बाहरी हिस्से पर दाहिनी तरफ ज्यादा मसकारा लगाएं।

उनींदी आंखें

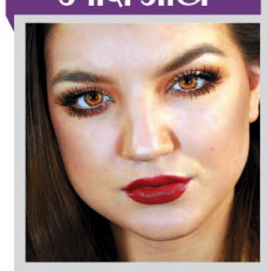

उनींदी आंखों यानी हूडेड आईज में आईलैशेज बहुत कम होते हैं, वैसी आंखें उनींदी सी लगने लगती हैं। इस तरह की आंखों को ऐसा मेकअप करने की जरूरत होती है जिनसे ये थोड़ी सजग दिखाई दें। सोई-सोई सी या नशीली सी न दिखें। पलकों के भीतरी आधे हिस्से पर मैट या न्यूट्रल कलर का आई शैडो लगाएं। उसके आसपास के हिस्से पर थोडा गहरा रंग लगाएं, लेकिन इसे बाहरी हिस्से में न लगाएं। गहरे रंग के इस्तेमाल से परहेज करें। इससे आपकी पलकें भारी लगने लगेंगी। आंखों के ऊपरी और निचले किनारों पर भी गहरे रंगों का इस्तेमाल न करें। ऊपरी लैशेज को थोड़ा कर्ल करें और मसकारा के एक-दो कोट्स ही लगाएं। ब्रो बोन पर मीडियम शेड्स का इस्तेमाल करें। यहां न तो बहुत चटख और चमकीले रंगों का प्रयोग करें और न ही बहुत हलके रंगों का।

आमंड शेप्ड आईज

आमंड शेप्ड आईज को सर्वोत्तम माना जाता है। इन्हें कई तरह से सजाया जा सकता है। जैसे बारीक आई लाइनर, कृत्रिम आई लैशेज, ब्राइट कलर्स। सबसे पहले ब्रो बोन में स्किन टोन के मुताबिक हलके रंग का शैडो प्रयोग में लाएं। आई लिड (पलकों) से कुछ शेड गहरा रंग चुनें। आंख के निचले किनारों पर ब्लैक या ब्राउन काजल पेंसिल से रेखा बनाएं। आंखों के बाहरी किनारों की तरफ उभारने की कोशिश करें। अगर आपकी आंखें नीली हैं तो ब्लू पेंसिल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

राउंड आईज

राउंड आईज यानी गोल आंखों के लिए गहरे रंग का शैडो चुनें। नाक की ओर से शुरू करके ब्रो के बाहरी तरफ ऊपर ले जाते हुए शैडो को अच्छी तरह एकसार करें। निचली पलक पर हलके टोंड शैडो या पेंसिल का प्रयोग करें और इसे ऊपर की ओर बाहरी हिस्से तक ले जाएं। ब्रो लाइन के पास म्यूटेड हाईलाइटर लगाएं।

छोटी आंखें

आंखें यदि छोटी हैं तो इन्हें बड़ा दिखाने के लिए पलकों के बाहरी किनारे पर ऊपर की तरफ हलके रंग का पाउडर शैडो छोटे ब्लशर की मदद से लगाएं। क्रीज के पास गहरा शैडो प्रयोग करें। लेकिन नाक की तरफ आंखों के भीतरी हिस्से पर कोई रंग न प्रयोग करें, क्योंकि इससे आंखें और छोटी दिखने लगेंगी। किनारों पर शैडो लगाने के लिए ब्रश का प्रयोग करें। इसके बाद आंख के निचले हिस्से पर हलकी ग्रे कलर की काजल पेंसिल से रेखा बनाएं।

निस्तेज आंखें

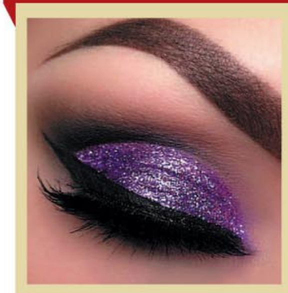

निस्तेज आंखों के लिए आई मेकअप आंखों के भीतरी हिस्से से शुरू करें। ऊपरी और बाहरी तरफ मीडियम टोंड शैडो ब्रश की मदद से लगाएं। इसे ब्रो लाइन के ठीक पास तक लाकर छोड़ दें। पलकों की बाहरी रेखा पर किसी भी रंग का प्रयोग न करें। लेकिन आंख की ऊपरी क्रीज लाइन को थोड़ा उभारने की कोशिश करें, मीडियम ब्राउन आई शैडो से रेखा बनाएं, फिर अपनी पलकों को थोडा कर्ल करें। मसकारा के कुछ कोट्स भी इसमें मदद करेंगे।

चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे

उबले चावल के पानी यानी मांड के स्वास्थ्य लाभों के बारे में शायद आप जानती होंगी। लेकिन क्या आप जानती हैं कि यह पानी सेहत के लिए जितना फायदेमंद है, त्वचा के लिए उतना ही गुणकारी। जीं हां चावल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है। त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपायों का प्रयोग करने वालों को पके चावल के पानी से बहुत फायदा हो सकता है। चावल के पानी का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार इस घरेलू उपाय का इस्तेमाल करने से सौंदर्य से जुड़ी कई समस्याओं का निदान आसानी से हो जाता है।

त्वचा के लिए चावल का पानी

चावल के पानी में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण यह त्वचा में नमी बरकरार रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखरती है। चेहरे के दाग-धब्बे और झुर्रियां दूर होती हैं। इसके अलावा माड़ से त्वचा में कसावट आती है और पोर्स टाइट होते हैं। इन खूबियों के चलते यह पानी एक अच्छा क्लींजर भी है।

इस्तेमाल का तरीका

- एक कप चावल को अच्छी तरह से साफ करके पानी में भिगो दें।
- आधे घंटे के बाद जब चावल में मौजूद पोषक तत्व पानी में घुल जाए तो बर्तन को गैस में रख दें और चावल को पकने दें।
- चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
- फिर इस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें।
- मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही अपना चेहरा धोकर सूखे कपड़े से चेहरा पोंछ लें।
- आपको तुरंत अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा।

बालों के लिए फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप पतले और बेजान बालों की समस्या से परेशान है तो चावलों के पानी से बालों को धोएं। चावल के पानी से बालों को धोने से बाल घने होने के साथ-साथ बालों में चमक भी बनी रहती है। चावल के पानी को अपने बालों में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर शैम्पू और कंडीशनर से धो लें। आप महंगे ट्रीटमेंट के बिना पा सकते हैं सुंदर और चमकीले बाल। लेकिन इस उपाय को अपनाने से

बारिश में करें वाटरप्रूफ मेकअप...

अगर आपको बारिश में भीगने का मनकर रहा है तो घबराने की जरूरत नहीं है। बरसात में वाटरप्रूफ मेकअप करना चाहिए। वाटरप्रूफ मेकअप की सब से खास बात यह होती है कि बारिश का पानी भी इस का कुछ बिगाड़ नहीं पाता है। रेन डांस और स्विमिंग पूल में मजा लेते वक्त भी वाटरप्रूफ मेकअप का कमाल दिखता है। पसीना आने पर मेकअप त्वचा के रोमछिद्रों में घुल कर अंदर चला जाता है, जिस से मेकअप बदरंग दिखाई देने लगता है। मेकअप रोमछिद्रों के जरिए शरीर के अंदर न जाए, वाटरप्रूफ मेकअप में यही किया जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर के किया गया मेकअप ही वाटरप्रूफ मेकअप कहलाता है।

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स

वाटरप्रूफ मेकअप की बढ़ती मांग को देखते हुए मेकअप प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों ने वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स बनाने शुरू कर दिए हैं। इन प्रोडक्ट्स के अंदर ऐसे तत्व डाल दिए जाते हैं, जो मेकअप करने के दौरान त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। इस से मेकअप त्वचा के अंदर नहीं जा पाता और पसीना या पानी उसे बहा नहीं पाता है। वाटरप्रूफ मेकअप की सब से खास बात यह होती है कि यह चाय, काफी आदि पीने से भी खराब नहीं होता है। इस तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स से मेकअप करते समय त्वचा को वाटरप्रूफ करने की जरुरत नहीं रहती है। वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स में क्रीम, लिपस्टिक, फेस बेस, रूज, मस्कारा और काजल जैसी ढेर सारी चीजें अब बाजार में मिलने लगी हैं।

जरा सावधान रहें

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स सिलिकोन का प्रयोग कर के बनाए जाते हैं। इन में प्रयोग होने वाला डाइनोथिकोन आयल त्वचा को चमकदार बनाता है। यह वाटरप्रूफ मेकअप को आसानी से फैलने में मदद करता है, लेकिन वाटरप्रूफ के जहां तमाम फायदे हैं, वहीं इस के साथ कुछ खराबियां भी हैं, जिन्हें जान लेना जरूरी होता है। वाटरप्रफ मेकअप को हटाने के लिए पानी का प्रयोग ही काफी नहीं पर खराब प्रभाव डालता है। इस से त्वचा को नुकसान पहुंचता है। त्वचा पर इन्फैक्शन हो जाता है। ज्यादा प्रयोग करने से समय से पहले त्वचा पर झुर्रियां भी पड़ने लगती हैं। वाटरप्रूफ मेकअप का प्रयोग खास अवसरों पर ही करें, रोज इस का प्रयोग न करें।

डेली मेकअप

बारिश के दिनों में फाउंडेशन का इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं होता है। कॉम्पैक्ट पाउडर के जरीए मैट लुक सब से बेहतर विकल्प है। फाउंडेशन की जगह फेस पाउडर का इस्तेमाल करें। कॉम्पैक्ट के साथ हलका मेकअप करें। इस से पूरा फेस भी कवर हो जाएगा और वह तैलीय भी नहीं दिखेगा। लाइलैक ब्लौसम और प्रीसियस पिंक कलर के परिधान के साथ सौफ्ट पिंक और डीप रास्पबैरी लिपस्टिक बेहतर रहेगी। काजल के इस्तेमाल से आंखों को खूबसूरत बनाएं। लाइलैक ब्लौसम और प्रीसियस पिंक कलर के परिधान के साथ सौफ्ट पिंक और डीप रास्पबैरी लिपस्टिक बेहतर रहती है। अपनी आंखों को ऐटिटयूड काजल से हाईलाइट करें।

पार्टी मेकअप

मानसून सीजन के दौरान चेहरे को ब्लशर के हलके प्रयोग से निखारें। अगर आप भीग जाती हैं तो चेहरे को टिशू पेपर से सुखा लें। टिशु पेपर को पुरे चेहरे पर न मलें। गालों पर ब्लशर को बाहर फैलने से रोकेगा। अगर आप मसकारे का इस्तेमाल करना चाहती हैं, तो वाटर रैसिस्टैंस मसकारे का इस्तेमाल करें ताकि भारी बारिश में भी वह सुरक्षित रहे। मानसून के दौरान लिक्विड आईलाइनर की जगह पैंसिल आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

बालों का रखें ख्याल

मौसम में नमी के कारण पसीना ज्यादा बहता है जिस वजह से स्कैल्प तैलीय हो जाती है और बाल चिपचिपे हो जाते हैं। लगातार मौसम में नमी और शरीर से पसीना आने की वजह से सिर बिल्कुल चिपचिपी हो जाती है जिस वजह से सिर की त्वचा पर जीवाणु और फंगस अपना घर बना लेते हैं। पर्यावरण प्रदूषण भी हवा के द्वारा सिर और बालों पर चिपक जाते हैं जो कि पहले से ही चिकनापन लिए होते हैं।

हेयर केयर के लिए टिप्स

अपनी सिर को बिल्कुल सूखा रखने की कोशिश करें। मानसून में अपने बालों को हर रोज शैंपू करें क्योंकि इस समय पसीना ज्यादा बहता है। माइल्ड शैंपू का प्रयोग सही रहेगा। बालों के हिसाब से कंडीशनर चूज करें। ऑयली बालों के लिए लाइट कंडीशनर और सूखे बालों के लिए जरा सा स्ट्रांग कंडीशनर अच्छा होता है। अपने आप को हाइड्रेट रखने के लिए खब सारा पानी पिएं और फलों का

एअर इंडिया एक्सप्रेस का भी मेकओवर करेगा टाटा ग्रुप: अगले दो महीने में नए लोगो और डिजाइन के साथ पहला विमान लॉन्च करेगी एअरलाइंस

नई दिल्ली।
एअर इंडिया के बाद टाटा ग्रुप अपनी बजट एअरलाइंस एअर इंडिया एक्सप्रेस के लोगो और लिवरी में बदलाव करने की योजना बना रही है। हालांकि, टेल आर्ट कल्चर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि अगले दो महीनों में एअरलाइंस नए लोगो और लिवरी के साथ अपना पहला विमान लॉन्च करेगी। अधिकारी ने कहा कि स्मूथ ऑपरेशन के लिए अलग-अलग फेज में एअरलाइन्स की रीब्रांडिंग की जाएगी। अलग टेल डिजाइन एअर इंडिया एक्सप्रेस को एअर इंडिया से अलग बनाती है, जिसके पूरे बेड़े में एक समान डिजाइन होती है। इससे पहले एअर इंडिया ने अपना नया लोगो और लिवरी अनवील किया था।

कोई खास कलर की योजना नहीं - अधिकारी ने कहा कि अभी हम लोगो के फॉन्ट, कलर और टेल ऑर्ट के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं कर सकते हैं। हम बजट एअरलाइंस हैं और हमारे पास केवल इकोनॉमी क्लास है, इसलिए इसमें कोई खास कलर की योजना नहीं है, जैसा हमने एअर इंडिया में देखा है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के पास वर्तमान में 737 विमान - एअर इंडिया एक्सप्रेस के पास वर्तमान में एअर एशिया की 28 एयरबसें, 26 बोइंग और 737 विमान हैं। मार्च के लास्ट तक एअरलाइंस 23 नए बोइंग 737 मैक्स विमान अपने बेड़े में जोड़ेगी। एअरलाइंस ज्यादातर भारत-मध्य पूर्व क्षेत्र में अपनी सर्विस प्रोवाइड करती है।

नवंबर 2022 में एअर इंडिया ने एअरएशिया इंडिया का किया था अधिग्रहण - एअर इंडिया ने नवंबर 2022 में एअरएशिया इंडिया का अधिग्रहण किया था और इसे अपनी सहायक कंपनी बनाई थी। वहीं, मार्च 2023 से दोनों एअरलाइन सिंगल यूनिफाइड रिजर्वेशन सिस्टम और वेबसाइट पर चले गए हैं। इसके साथ ही दोनों ने कॉमन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और कस्टमर सपोर्ट चैनल को अडॉप्ट कर चुके हैं।

दिसंबर 2023 से एअर इंडिया के विमानों पर दिखाई देगा नया लोगो - एअर इंडिया के नए लोगो में सुनहरे, लाल और बैंगनी रंगों का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी ने कहा, यह लोगो असीमित संभावनाओं और भविष्य के लिए एअरलाइन का बोल्ड, कॉन्फिडेंट आउटलुक दर्शाता है। लंदन बेस्ड ब्रांड और डिजाइन कंसल्टेंसी फर्म फ्यूचर ब्रांड के साथ पार्टनरशिप में इस लोगो को डिजाइन किया गया है। यह दिसंबर 2023 से एअर इंडिया के विमानों पर दिखाई देगा।

न्यूज ब्रीफ

इस हफ्ते सोने की कीमत में गिरावट: साढ़े 58 हजार के नीचे आया सोना, चांदी फिर 70 हजार के पार निकली

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 14 अगस्त को सोना 58,874 रुपए पर था, जो अब, यानी 19 अगस्त को 58,471 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 403 रुपए की गिरावट आई है। इस हफ्ते चांदी की कीमत में बढ़त देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 69,937 रुपए पर थी, जो अब 70,447 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 510 रुपए बढ़ी है। 2023 की पहली छमाही में दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने 387 टन सोना खरीदा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, ये साल 2000 के बाद छह महीनों में आरबीआई जैसे सेंट्रल बैंकों की सबसे ज्यादा गोल्ड खरीद है। सेंट्रल बैंकों के बीच सोने के प्रति आकर्षण बीते साल भी देखा गया था। 2022 में इन्होंने 1,136 टन सोना खरीदा था, जो 55 साल की दूसरी सबसे बड़ी खरीदारी थी। 1967 में इन्होंने 1,404 टन सोना खरीदा था। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है। वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है।

फर्टिलाइजर बैग्स पर छपेगा पीएम मोदी का संदेश: किसानों से कम इस्तेमाल करने की अपील करेंगे; कंपनियों को भेजी गई नई डिजाइन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार फर्टिलाइजर बैग्स यानी केमिकल खाद की बोरियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश छापेगी। इसमें प्रधानमंत्री किसानों से फर्टिलाइजर को कम और संतुलित तरीके से इस्तेमाल करने की अपील करेंगे। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। डिपार्टमेंट ऑफ फर्टिलाइजर ने सभी खाद कंपनियों के अधिकारियों को लेटर लिखकर कहा कि फर्टिलाइजर बैग्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश छापने का फैसला लिया गया है। कंपनियों को बैग की नई डिजाइन भी भेजी गई है। नई डिजाइन में बैग पर पीएम मोदी का फोटो होगा। इसके नीचे उनका संदेश छपा होगा। इस संदेश में लिखा होगा- मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केमिकल फर्टिलाइजर को कम और संतुलित इस्तेमाल कर धरती मां को बचाने के लिए कदम उठाएं। पिछले साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 'वन नेशन, वन फर्टिलाइजर' योजना को लागू करने का फैसला लिया था। इसके तहत सभी फर्टिलाइजर भारत ब्रांड के तहत बेचे जा रहे हैं। इसके नीचे 'प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना' का लोगो होता है। देशभर में अब सभी फर्टिलाइजर एक जैसी पैकिंग में बेचे जा रहे हैं। केंद्र सरकार यूरिया की मैक्सिमम रिटेल प्राइस तय करती है। ये यूरिया की प्रोडक्शन कोस्ट से भी कम होती है। यानी कंपनियां लागत से भी कम कीमत में यूरिया किसानों को बेचती हैं।

नियोक्ताओं से किराया मुक्त आवास का लाभ लेने वालों को होगा फायदा, मूल्यांकन के नए नियम अधिसूचित

नई दिल्ली। पर्याप्त वेतन के साथ अपने नियोक्ताओं की ओर से किराया मुक्त आवास का लाभ पाने वाले कर्मचारी अब अधिक बचत कर सकेंगे। उन्हें अब अधिक टेक-होम वेतन मिल सकेगा क्योंकि आयकर विभाग ने ऐसे मकानों के मूल्यांकन के नियमों में बदलाव किया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियमों में संशोधनों को अधिसूचित कर दिया है। ये बदलाव एक सितंबर से लागू होंगे। अधिसूचना के अनुसार, जहां केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारियों के अलावा अन्य कर्मचारियों को असुसज्जित आवास प्रदान किया जाता है और ऐसा आवास नियोक्ता के स्वामित्व में है, तो निम्न आधार पर उसके वैल्युएशन का मूल्यांकन होगा। 2011 की जनगणना के अनुसार 40 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में वेतन का 10 प्रतिशत जो पहले 2001 की जनगणना के अनुसार 15 प्रतिशत था।

रतन टाटा को मिला महाराष्ट्र का पहला उद्योग रत्न पुरस्कार

बिजनेस और एजुकेशन जैसे क्षेत्रों में योगदान देने वाले युवा भी सम्मानित होंगे

नई दिल्ली।
महाराष्ट्र सरकार ने टाटा ग्रुप के मानद चेयरमैन रतन टाटा को राज्य के पहले उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने रतन टाटा के आवास पर पहुंचकर उन्हें यह अवार्ड सौंपा। रतन टाटा अपने खराब स्वास्थ्य के कारण पुरस्कार समारोह में भाग नहीं लेंगे। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, इस मौके पर उद्योग रत्न पुरस्कार महाराष्ट्र सरकार द्वारा पहली बार शुरू किया गया। पहला पुरस्कार हमें रतन टाटा को देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। रतन टाटा और टाटा ग्रुप का देश के लिए योगदान बहुत बड़ा है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा दिए गए इस पुरस्कार को स्वीकार करने के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं।

महाराष्ट्र में अलग-अलग क्षत्रों में योगदान देने वाले भी होंगे सम्मानित - इससे पहले राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने विधानसभा में एक सत्र के दौरान बताया था कि महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार की तरह विशिष्ट व्यक्तियों को दिए जाने वाले इस सम्मान को रतन टाटा को देने का फैसला एक मीटिंग में किया गया है। जल्द ही एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम में युवा एंटरप्रेन्योर, महिला एंटरप्रेन्योर और मराठी एंटरप्रेन्योर के लिए भी ये पुरस्कार दिए जाएंगे। सामंत ने कहा बताया था कि, महाराष्ट्र उद्योग रत्न पुरस्कारों का उद्देश्य उन व्यक्तियों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देना है, जिन्होंने महाराष्ट्र में व्यवसाय, उद्योग, शिक्षा, रियल एस्टेट, पर्यटन, वित्तीय सेवाओं, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि, बैंकिंग, फूड आइटम्स और हेल्थ सेक्टर में जबरदस्त योगदान दिया है।

पद्म विभूषण और पद्म भूषण से हो चुके सम्मानित - अपने करियर के दौरान उन्हें कई अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें भारत के दो सबसे बढ़े नागरिक पुरस्कारों 2008 में पद्म विभूषण और 2000 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया है। हाल ही में रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया के हाईएस्ट सिविल ऑनर ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

रतन टाटा ने विरासत को नए मुकाम पर पहुंचाया - 85 साल के रतन टाटा ने उन्हें सौंपी गई विरासत को एक नए मुकाम पर पहुंचाया है। उन्होंने एअर इंडिया एयरलाइंस जो 1950 के दशक में टाटा के एंपायर से सरकार के पास जा चुकी थी, उसे वापस अपने एंपायर में शामिल किया है। रतन टाटा की लीडरशिप में टीसीएस पब्लिकली ट्रेड कंपनी बनी और टाटा मोटर्स को न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट किया गया।

रतन टाटा के 5 बिजनेस लेसन

1. रिस्क टेकर - लक्जरी कार कंपनी जगुआर लैंड रोवर जैसे नए बिजनेस में निवेश करने का जोखिम रतन टाटा ने उठाया। यूरोप की दूसरी बड़ी स्टील कंपनी कोरस का भी अधिग्रहण किया। इस निवेश ने टाटा ग्रुप को सफलता के नए मुकाम पर पहुंचाया। टाटा ने साल 2000 में दुनिया के दूसरे सबसे बड़ी चाय मैन्युफैक्चरर टेटली का अधिग्रहण किया गया था। तब यह कंपनी टाटा टी से तीन गुना बड़ी थी। अधिग्रहण के बाद ये दुनिया की सबसे बड़ी चाय कंपनियों में से एक बन गई।

2. डिसीजन मेकर - 1990 के दशक में रतन ने पैसेंजर कार बनाने के अपने फैसले की घोषणा की तो इसकी काफी आलोचना हुई थी। अगले कुछ सालों में उन्होंने अकेले ही कंपनी का आधुनिकीकरण किया। टाटा देश की सफलतम कार कंपनियों में शामिल है। 2007 में टाटा ने यूरोप की स्टील कंपनी कोरस के अधिग्रहण का फैसला लिया। उनकी टीम को बोली जमा करने में एक साल लग गया। तब तक कीमत बढ़ चुकी थी, लेकिन वह फिर भी इसके साथ आगे बढ़े। इसका कंपनी को फायदा मिला।

3. आइडिएटर - एक लाख रुपए में कार लॉन्च करने का आइडिया रतन टाटा का ही था। 2009 में उन्होंने टाटा नैनो लॉन्च की थी। बिक्री के मोर्चे पर फेल होने के बाद 2019 में भले ही इसे बंद कर दिया गया हो, लेकिन टाटा के इस आइडिया की खूब तारीफ हुई थी। 1998 में लॉन्च हुई टाटा इंडिका भारत की पहली स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित कार थी। इसे बनाने का आइडिया रतना टाटा का ही था। इसके अलावा टाटा सफारी, भारत की पहली एसयूवी है जिसे टेल्को (अब, टाटा मोटर्स) ने लॉन्च किया था।

4. लीडर - रतन टाटा एक बड़े टीम लीडर हैं क्योंकि वह लोगों को प्रेरित करते हैं। उनका कंपनी के लिए बिल्कुल साफ विजन है। ये कर्मचारियों को इस विजन के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है। कर्मचारियों के बुरे समय में हमेशा उनके साथ रहना उन्हें एक बड़ा लीडर बनाता है। रतन टाटा एक बार पिछले दो साल से अस्वस्थ एक पूर्व कर्मचारी से मिलने के लिए मुंबई से पुणे में फ्रेंड्स सोसाइटी पहुंच गए थे।

5. इनोवेटर - रतन टाटा के पास जब टाटा ग्रुप की पूरी जिम्मेदारी थी तब उन्होंने इंडिका से लेकर नैनो जैसी कार भारत को दी। रतन टाटा कहते हैं किसी भी स्टार्टअप का फ्यूचर तभी अच्छा हो सकता है जब उसमें नए इनोवेशन किए गए हो। नए प्रयोग होने से स्टार्टअप की सफलता की गारंटी बढ़ जाती है। रतन टाटा ने उन स्टार्टअप में निवेश किया जिसमें ज्यादा से ज्यादा इनोवेशन किया गया है।

जियो ने लॉन्च किए 2 नए प्रीपेड प्लान

नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग और हर दिन 2जीबी डेटा, शुरुआती कीमत 1,099

नई दिल्ली।
रिलायंस जियो ने अपने प्रीपेड यूजर्स के लिए दो नए रिचार्ज प्लान पेश किए हैं। ये दो नए प्लान 1,099 और 1,499 के हैं, जो नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन के साथ आते हैं। यह पहली बार है जब कंपनी ने किसी प्रीपेड प्लान के साथ नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन ऑफर किया है। अभी तक जियो केवल पोस्टपेड कस्टमर्स के लिए नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन के साथ प्लान ऑफर करती थी। कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, 1,099 रुपए वाले प्लान में कस्टमर्स को 84 दिन तक हर दिन 2जीबी डेटा, अनलिमिटेड कॉलिंग, हर दिन 100 एसएमएस और नेटफ्लिक्स का मोबाइल सब्सक्रिप्शन मिलेगा। वहीं, 1,499 रुपए वाले प्लान में कस्टमर्स को 84 दिन तक हर दिन 3जीबी डेटा, अनलिमिटेड कॉलिंग, हर दिन 100 एसएमएस और नेटफ्लिक्स का बेसिक सब्सक्रिप्शन मिलेगा। 1,499 रुपए के जियो प्रीपेड प्लान वाले कस्टमर्स मोबाइल के साथ टीवी या लैपटॉप जैसी किसी बड़ी स्क्रीन पर भी नेटफ्लिक्स देख सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कस्टमर्स कई डिवाइस पर नेटफ्लिक्स ऐप डाउनलोड करके सेम अकाउंट से लॉगइन करके नेटफ्लिक्स देख सकते हैं। हालांकि, एक समय में केवल एक ही डिवाइस पर वीडियो स्ट्रीम होगा। नए प्लान की लॉन्चिंग के दौरान जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के सीईओ किरण थॉमस ने कहा,हम अपने कस्टमर्स के लिए वर्ल्ड क्लास सर्विस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रीपेड प्लान के साथ नेटफ्लिक्स बंडल को लॉन्च हमारे संकल्प की ओर एक कदम है। नेटफ्लिक्स जैसे ग्लोबल पार्टनर्स के साथ हमारी पार्टनरशिप मजबूत हुई है। नेटफ्लिक्स के एपीएसी पार्टनरशिप के वाइस प्रेसिडेंट टोनी जमेक्जकोव्स्की ने कहा, हम जियो के साथ पार्टनरशिप करके खुश हैं। पिछले कुछ सालों में हमने कई लोकल शो, डॉक्यूमेंट्री और फिल्में लॉन्च की हैं , जिसे पूरे भारत के लोगों ने पसंद किया है।

अब स्थानीय भाषा में होंगे लोन एग्रीमेंट: बैंक को लेट पेमेंट पर पेनल्टी और लेट फीस की बोल्ड अक्षरों में देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ने लोन को लेकर बैंकों को नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अगले साल 1 जनवरी से लागू होने वाले इन दिशानिर्देशों के मुताबिक, हिंदी जैसी ग्राहक की अपनी भाषा में लोन एग्रीमेंट होगा। उसमें बैंकों को पेनल्टी और लेट फीस (विलंब शुल्क) के नियम बोल्ड अक्षरों में लिखना पड़ेगा। ग्राहक की अपनी भाषा में लोन एग्रीमेंट होगा। ऐसा करते समय बैंक लेट पेमेंट पर पेनल्टी और विलंब शुल्क बोल्ड अक्षरों में लिखेंगे। हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां होम ले रहे ग्राहक को बताएंगी कि लोन समय पर डिस्बर्स न होने पर कितनी फीस वापस मिलेगी। यदि लोन फ्लोटिंग से फिक्स पर ले जाना हो तो कितनी फीस लगेगी। समय से पहले पेमेंट को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करनी होगी। हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां स्थानीय भाषा में ग्राहक को सेंक्शन लेटर जारी करेंगी। इसमें सालाना ब्याज दर तय करने की प्रक्रिया और ईएमआई के ढांचे के बारे में समझ में आने लायक जानकारी देनी होगी। होम लोन ग्राहकों को ब्याज दर सालाना आधार पर बतानी होगी, ताकि ग्राहक जान सके कि वह साल में कितना ब्याज दे रहा है। इससे पहले पीनल चार्ज की भी जानकारी देनी होती थी, जो अभी जरूरी नहीं है। पेनल्टी या कर्ज पर शुल्क तय करने की एक सर्वमान्य प्रक्रिया अपनाई जाएगी। बोर्ड का गठन होगा। वह जो तय करेगा, सभी को मानना होगा। पेनल्टी की दर तय होगी। स्पष्ट करना होगा कि ग्राहक ने पहले बताई गई किन शर्तों का उल्लंघन किया है। इन्हें लागू करने में किसी भी ग्राहक के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। फाइनेंशियल कंपनियों की सेल्स टीम को लोन देने से पहले शर्तों और पेनल्टी के बारे में विस्तार से बताना होगा। दरें साइट पर डिस्प्ले करनी होंगी। भुगतान न करने पर ग्राहकों को जो रिमाइंडर मैसेज भेजे जाते हैं, उसमें लगने वाली पेनल्टी के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। पर्सनल लोन लेने वाले को बिजनेस और दूसरी जरूरतों के लिए स्वीकृत लोन चुकाने में देरी पर नियमों से ज्यादा पेनल्टी नहीं लगाई जा सकेगी।

युद्ध का असर; सूरत में हीरा कारोबार 35प्रतिशत तक घटा: 10-12 लाख कामगारों की रोजी-रोटी प्रभावित, 20 हजार की छंटनी

नई दिल्ली।
यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अमेरिका और यूरोप समेत कई देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। दो महीने पहले जी-7 देशों की बैठक में रूसी जहाज, विमान और रूसी हीरों पर भी पाबंदी लगा दी गई। इससे सूरत में हीरों का कारोबार करीब एक तिहाई घट गया। 10-12 लाख कामगारों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई और करीब 20,000 की छंटनी हो गई। सूरत की डायमंड इंडस्ट्री का सालाना कारोबार 3.3 लाख करोड़ का है। रूस पर प्रतिबंध के चलते इस इंडस्ट्री का कामकाज 30-35प्रतिशत घट गया है। इसी अनुपात में कंपनियों की कमाई और मजदूरी भी घटी है। गुजरात डायमंड वर्कर्स यूनियन के वाइस प्रेसिडेंट भावेश टांक ने बताया कि 10-12 लाख डायमंड कटिंग-पॉलिशिंग श्रमिकों का रोजगार प्रभावित हुआ है। सालभर में करीब 20 हजार कर्मियों की छंटनी हुई है।

रूस से सीधा कनेक्शन - दुनिया के हर 10 में से 9 रफ डायमंड की कटिंग-पॉलिशिंग सूरत में होती है। रूस की अलरोसा कंपनी दुनिया के 30प्रतिशत रफ डायमंड का उत्पादन करती है। सूरत में आने वाले रफ डायमंड में रूस की 40प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है।

अमेरिकी प्रतिबंध की बड़ी मार - अमेरिका ने रूसी हीरे और उनसे बने प्रोडक्ट की बिक्री पर पाबंदी लगा दी है। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के मुताबिक 2022-23 में भारत के ज्वेलरी एक्सपोर्ट में 33.2प्रतिशत हिस्सेदारी अमेरिका की थी। ऐसे में सूरत में रूसी हीरे से तैयार माल का सबसे बड़ा बाजार बंद हो गया है।

तीन माह में 29.37प्रतिशत घटा डायमंड निर्यात - अप्रैल-जून तिमाही में देश से 36,723 करोड़ रुपए के कट एंड पॉलिश्ड डायमंड का निर्यात हुआ। ये बीते साल की समान तिमाही में निर्यात से 29.37प्रतिशत कम है। ओवरऑल जेम्स एंड ज्वेलरी निर्यात 28.08प्रतिशत घटकर 60,222 करोड़ का रह गया।

आत्महत्या करने लगे हीरा कामगार - तीन महीनों में डायमंड इंडस्ट्री से जुड़े करीब 10 श्रमिकों ने आत्महत्या कर ली है। इनमें से अधिकांश श्रमिक कई पीढ़ियों से यह काम कर रहे हैं। ये ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं, इसलिए ये दूसरे काम नहीं कर सकते। छोटे डायमंड की कटिंग पॉलिशिंग पर उन्हें प्रति डायमंड 6-30 रुपए मिलते हैं। 50 हजार से 4 लाख रुपए में बिकने वाले बड़े डायमंड की पॉलिशिंग के लिए उन्हें 600-1800 रुपए मिलते हैं।

एक्स पर बंद होगा ब्लॉक करने का फीचर

मस्क ने कहा- म्यूट करने का फीचर जारी रहेगा, ब्लॉक का अब कोई मतलब नहीं

नई दिल्ली।
माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर अब ब्लॉक करने वाला फीचर बंद हो जाएगा। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि यूजर अब ब्लॉक करने की जगह म्यूट कर पाएंगे। हालांकि, डायरेक्ट मैसेजिंग के लिए ब्लॉक करने का फीचर जारी रहेगा।

ब्लॉकिंग फीचर का कोई मतलब नहीं

टेस्ला ऑनर्स सिलिकॉन वैली अकाउंट के एक सवाल के रिप्लाई में मस्क ने कहा- डीएम को छोड़कर ब्लॉक फीचर को डिलीट किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसका (ब्लॉकिंग फीचर) अब कोई मतलब नहीं रह गया है।

लोगों ने कहा- बढ़ेगी हैरेसमेंट की घटनाएं

मस्क के इस ऐलान के बाद लोगों ने अलग-अलग रिएक्शन दिए। यूजर्स ने हैरेसमेंट, धमकियां और स्टॉकिंग जैसी समस्याओं को लेकर चिंता जताई है। एक यूजर ने कहा कि मैं लोगों को हमेशा सेफ्टी कारणों के चलते ब्लॉक करती थी। ब्लॉक करने के फीचर को बंद करने के फैसले पर फिर से विचार किया जाए।

क्या है ब्लॉक और म्यूट में अंतर

ब्लॉक करने के फीचर से यूजर दूसरे यूजर को मैसेज करने, अपना पोस्ट देखने, उसे रि-ट्वीट करने और शेयर करने जैसी चीजों से रोक देता है। उदाहरण के तौर पर अगर आप किसी अकाउंट को ब्लॉक करते हैं, तो वह आपकी ओर से की गई किसी भी एक्टिविटी को नहीं देख पाएगा। वहीं म्यूट करने से कनेक्शन को तोड़े बिना यूजर्स के टाइमलाइन से वह पोस्ट हट जाता है। हालांकि, वह आपको मैसेज कर सकता है।

ट्विटर सीईओ बनने के बाद मस्क के 4 बड़े फैसले...

एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में हैं।

1. आधे से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला

ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने ट्विटर की कमान संभाली थी, तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे। फिलहाल कंपनी में करीब 2500 कर्मचारी रह गए हैं।

2. कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया

नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने ट्विटर पर ट्रम्प की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

3. ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस लॉन्च की

एलन मस्क ने दुनियाभर में ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट 650 रुपए है। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपए महीना है। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं।

4. कैरेक्टर लिमिट बढ़ाई, पोस्ट पढ़ने की लिमिट

मस्क ने पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट 280 से बढ़ाकर 25,000 कर दी है। पोस्ट पढ़ने की लिमिट भी अप्लाय की है। वेरिफाइड यूजर एक दिन में सिर्फ दस हजार पोस्ट पढ़ सकते हैं। अनवेरिफाइड यूजर एक हजार पोस्ट, वहीं नए अनवेरिफाइड यूजर रोजाना सिर्फ 500 पोस्ट ही पढ़ सकते हैं।

5. ट्विटर का नाम बदल कर एक्स किया

पिछले महीने ट्विटर का नया नाम एक्स किया गया था। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने जोड़ दिया है। लिखने पर आप सीधे ट्विटर की वेबसाइट पर पहुंच जाएंगे। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का नीली चिड़िया वाला लोगो भी बदल गया है।

6. डीपी बदला तो ब्लू टिक हटाया

भारत में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोगों ने एक्स पर अपना फोटो बदल कर तिरंगे का फोटो लगाया, जिसके बाद कई बड़े लोगों के ब्लू टिक हटा दिए गए।

अनन्या ड्रीम गर्ल-2 के लिए आयुष्मान को नहीं लगी थीं फिट

-वजह जान एक्ट्रेस को लग सकता है बुरा

मुंबई (ईएमएस)। आयुष्मान और अनन्या पांडे फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एक इंटरव्यू में आयुष्मान खुराना ने बताया कि उन्हें शुरूआत में अनन्या पांडे ड्रीम गर्ल-2 के लिए बिल्कुल भी फिट नहीं लगी थीं। इसकी वजह भी आयुष्मान खुराना ने बताई। आयुष्मान खुराना ने बताया कि आखिर शुरूआत में वह इस चीज को लेकर क्यों श्योर नहीं थे कि अनन्या पांडे ड्रीम गर्ल 2 के लिए परफेक्ट फिट हैं। उन्होंने कहा, मैं ये सोच रहा था कि अनन्या पांडे एक बड़े शहर की लड़की हैं वह इंडिया की 2 टायर सिटी मथुरा में रहने वाली लड़की के किरदार में कैसे ढलेंगी। मैं ये देखकर हैरान हो गया कि उन्होंने इसे बहुत ही अच्छे से निभाया। जब हम अपने ही देश में कहीं 10 किलोमीटर जाते हैं, तो हमारा एक्सेंट बदल जाता है। उन्होंने वहां की लड़की के अनुसार जिस तरह से अपने उच्चारण को बदला, वो बहुत ही शानदार था। ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज डेट की बात करें तो गदर 2 और ओएमजी 2 की रिलीज के 14 दिन बाद ये फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनन्या पांडे के अलावा इस बार कई और नए चेहरे राज शांदियाल के निर्देशन में बनी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। अनन्या पांडे के अलावा इस फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मनोज जोशी, विजय राज और अभिषेक बनर्जी भी इस फिल्म में नजर आएंगे। बता दें कि आयुष्मान खुराना एक बार फिर से पूजा बनकर फैंस के दिलों की धड़कन बढ़ाने के लिए स्क्रीन पर लौट रहे हैं। उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। एकता कपूर के बालाजी प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म में पहली बार आयुष्मान खुराना संग अनन्या पांडे की जोड़ी फैंस को देखने को मिलेगी। ड्रीम गर्ल 2 का टीजर से लेकर ट्रेलर तक सबकुछ ऑडियंस के सामने आ चुका है।

प्रीति ने कोई...मिल गया के 20 साल पूरे होने का मनाया जश्न

-ऋतिक रोशन थे मुख्य भूमिका में

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने साइंस फिक्शन फिल्म कोई...मिल गया के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जिसमें ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने दिल से, संघर्ष, क्या कहना, सलाम नमस्ते आदि फिल्मों में कई भूमिकाएं निभाई हैं। प्रीति द्वारा निभाए गए रोल को अक्सर उनके अनकंवेंशनल स्क्रीन व्यक्तित्व के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से दोषपूर्ण माना जाता था। एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने बताया कि मेरे लिए एक निश्चित समझ थी, भले ही मैं कभी भी एक्टिंग स्कूल या कार्यशाला में नहीं गई। ईमानदारी से कहूं तो मैं सिर्फ सेट पर चीजों को सही करना चाहती थी। स्क्रिप्ट के हिसाब से, जिस भी निर्देशक ने मुझे ऐसी स्क्रिप्ट दी, जो मुझे समझ में आई और किरदार मेरे विश्वास के अनुरूप था, मैंने उसमें अपना सबकुछ लगा दिया। 48 वर्षीय एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मेरे घर पर भी मेरा परिवार बहुत सख्त था, इसलिए मैंने कोई ऐसा काम नहीं किया, जिससे मुझे घर पर कोई परेशानी हो। यह हर चीज का मिश्रण था। जब मैंने शुरूआत की तो मैं सिर्फ सही काम और ऐसी चीजें करना चाहती थी जो एक व्यक्ति के रूप में मुझे पसंद आए। मेरे पास यह सोचने का अवसर नहीं था कि मुझे एक एक्ट्रेस के रूप में कैसे देखा जाएगा। मैं सिर्फ इतना जानती थी कि मैंने व्यक्तिगत रूप से हर किरदार के साथ खुद को जोड़ा और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने पर्दे पर अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के बारे में खुलकर बात की।

'गदर' के चलते दुर्गा पूजा पर रिलीज होगी 'संघर्ष-2'

निमार्ता रत्नाकर कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की भोजपुरी फिल्म संघर्ष-2 अब आगामी 20 अक्टूबर को दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर रिलीज होने जा रही है। इससे पूर्व फिल्म को 25 अगस्त को रिलीज किया जानेवाला था। इस समय फिल्म गदर ने पूरे देश में गदर यानी की धूम मचाई हुई है। अब संघर्ष 2 के मेकर फिल्म को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, क्योंकि संघर्ष 2 एक बिग बजट की फिल्म है। अब दुर्गा पूजा के दिन खेसारी देश के दुश्मनों का खत्मा करते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने के बारे में निमार्ता रत्नाकर कुमार ने बताया कि हम अपने दर्शकों को एक अलग तरह का अनुभव देना चाहते हैं। इससे जब दर्शक सिनेमाघरों से बाहर निकले तो उनके चेहरों पर एक अलग तरह का सुकून हो। इसलिए हम फिल्म में कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। मैं खुद इस फिल्म के एक एक सीन को बारीकी से देख रहा हूं। ये फिल्म भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने वाली है। क्योंकि इसमें हर किरदार दर्शकों को प्रभावित करने वाला है। ये फिल्म दर्शकों को बेहद ही पसंद आने वाली है। खेसारी ने भी दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में जाकर देखने की अपील की है और कहा कि हम बहुत ही मेहनत से सिनेमा बनाते हैं। आप सब इसे सिनेमाघर में जाकर देखने से हमें लगता है कि हमारी मेहनत सफल हो गई है। हालही में फिल्म के दो गाने रिलीज किये गए थे दोनों ही गानों को दर्शकों का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिला है। वही कुछ समय पहले फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शको 9 मिलियन से भी ज्यादा व्यूज दिए है। और अभी ये अपनी रफ्तार बनाए हुए हैं।

सुहाना ने द आर्चीज की कास्ट को किया खाना सर्व

-सुनने पड़े ताने, लोगों किया ट्रोल

मुंबई (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान, खुशी कपूर और द आर्चीज की बाकी कास्ट को मुंबई के एक रेस्तरां में फूड सर्व करते देखा गया। खुशी और अदिती को छोड़ बाकी सबने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी थी। इस दौरान सभी ने वहां आए लोगों को खाना खिलाया। सुहाना वड़ा पाव खिलाया, तो बाकी लोगों ने सब्जी सर्व की। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही कमेंट सेक्शन में ट्रोल करने वालों ने टिप्पणी करना शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा, किसी अनाथ आश्रम में खाना खिलाना चाहिए था। हेल्दी और अमीर लोगों को खिलाया जा रहा है, लेकिन जरूरतमंदों और गरीब लोगों को नहीं। आर्चीज को प्रमोट करने के लिए यह सारा ड्रामा किया जा रहा है। एक अन्य ने कमेंट किया, पैसे वालों को खिलाने में क्या खिलाना। खिलाना ही है तो गरीबों को खिलाओ। एक यूजर ने कमेंट किया, ये अंबानी के पोते की शादी में खाना खिलाने के लिए अभी से प्रैक्टिस कर रहे हैं क्या? बता दें कि द आर्चीज की कहानी फेमस कॉमिक बुक द आर्चीज से ली गई है। टाइगर बेबी प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में वेदांग रैना, मिहीर आहूज, युवराज मेंडा और अगस्त्य नंदा भी शामिल हैं। मूवी इस साल 24 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। बता दें कि शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान जल्द ही फिल्मी डेब्यू करने वाली हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म द आर्चीज है, जो कि इसी साल रिलीज हो रही है। मल्टीपल स्टारकिड्स से सजी इस मूवी को जोया अख्तर ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की रिलीज डेट में कुछ ही महीनों का वक्त बचा है। ऐसे में सभी स्टार किड्स ने इसका प्रमोशन शुरू कर दिया है। हाल ही में द आर्चीज कास्ट का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह स्वतंत्रता दिवस के दिन लोगों को सर्व करते नजर आए। इस काम के लिए टीम की तारीफ से ज्यादा कमेंट्स पास किए गए हैं।

अली फजल बढ़ाएगा ऑफ-ब्रॉडवे प्रोडक्शंस के मंच की शोभा

अली फजल, प्रशंसित भारतीय अभिनेता, जो बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, ब्रॉडवे शहर न्यूयॉर्क में ऑफ-ब्रॉडवे प्रोडक्शंस के मंच की शोभा बढ़ाने वाले पहले भारतीय अभिनेता बनकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। अली फजल का ऑफ-ब्रॉडवे डेब्यू चार सप्ताह की सीमित अवधि में होगा, जो न्यूयॉर्क शहर में थिएटर प्रेमियों के लिए उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करेगा। बहुप्रतीक्षित प्रोडक्शन अलेक्जेंडर मैलिचनिकोव द्वारा निर्देशित है और अक्टूबर में रिहर्सल शुरू होगी। पिछले वर्ष ही, अली फजल ने डेथ ऑन द नाइल में गैल गैडोट के साथ और कंधार में जेरार्ड बटलर के साथ अपनी भूमिकाओं से दुनिया भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। ऑफ-ब्रॉडवे हमेशा से एक शानदार मंच रहा है, जिसकी शोभा हॉलीवुड के कुछ सबसे बड़े नामों ने संभाली है और अली का शामिल होना थिएटर की दुनिया में विविधता और प्रतिनिधित्व के लिए जाना जाएगा।

फिल्म देवरा में नजर आएंगें सैफ

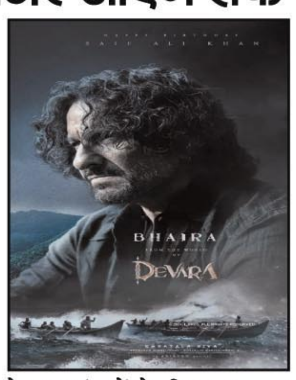

2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा इनदिनों चर्चा का विषय बनी हुई हैं, फिल्म में सैफ अली खान एक अहम किरदार में नजर आएंगे और आज उनके जन्मदिन के मौके पर जूनियर एनटीआर ने अपने सोशल मीडिया पर उनके लुक को रिवील कर लिखा भैरा। बता दें कि फिल्म में जूनियर एनटीआर को-स्टार हैं। देवरा से सैफ अपना तेलुगु डेब्यू कर रहे हैं। आधिकारिक पोस्टर में सैफ को शांत पानी और पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में खड़े नजर आ रहे हैं। जो बहुत ही गहन और दिलचस्प है निश्चित रूप से देवरा प्रशंसकों के लिए एक बड़ा आश्चर्य बनकर सामने आया है।

शरवरी ने दिखाया हुस्न का जलवा

खूबसूरत बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी, जो की जॉन अब्राहम के साथ अपनी आगामी एक्शन फिल्म वेदा की शूटिंग के लिए जोधपुर में थीं, शूटिंग के बाद मुंबई लौट आईं। फिल्म का शूट इस साल जून में शुरू हुआ है और निखिल द्वारा निर्देशित मनोरंजक एक्शन फिल्म में शरवरी ने वेदा की मुख्य भूमिका निभा रही है। हालांकि फिल्म में शरवरी की भूमिका के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन हम निश्चित रूप से जानते हैं कि प्यारी अभिनेत्री कुछ हाई एनर्जी एक्शन सींस का प्रदर्शन करेगी। इसके लिए वह काफी कड़ी ट्रेनिंग भी कर रही हैं। शरवरी अपने कठोर वर्कआउट सेशन की झलकियां साझा करती रहती हैं, जिससे हमें प्रेरणा की सही खुराक मिलती है। शरवरी ने आज अपने सोशल मीडिया पर एक और वर्कआउट वीडियो पोस्ट किया, जिसमें कोई उन्हें हार्डकोर वर्कआउट करते हुए देख सकता है।

बहन जन्नत के साथ जल्द नजर आएंगे अयान

-नए म्यूजिक वीडियो में गाने भी खुद ही लिखेंगे

मुंबई (ईएमएस)। बहुमुखी प्रतिभा के धनी अयान जुबैर ने अपने फैंस से वादा किया है कि वह जल्द ही अपनी बहन जन्नत जुबैर रहमानी के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगे और वह गाना खुद ही लिखेंगे। हाल ही में अयान जुबैर ने अपना पहला गाना तू माने या ना रिलीज किया है। इस गाने में उन्होंने न सिर्फ अपनी आवाज दी है, बल्कि इसे लिखा भी है। इस बारे में अयान ने कहा, इंशाअल्लाह, हमारे फैंस हमें जल्द ही एक साथ देखेंगे। यह एक वादा है कि मैं और मेरी बहन जन्नत जल्द ही एक म्यूजिक वीडियो में एक साथ नजर आएंगे। वह गाना मैं खुद लिखूंगा। तू माने या ना गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ये गाना पहले ही रिलीज हो जाना चाहिए था। मैंने इसे इस साल फरवरी में लिखा था। तब से मैं इस पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। पहले मेरा प्लान इसे 1 अगस्त को रिलीज करने का था, लेकिन फिर मैंने फैसला किया कि मैं इसका वीडियो भी बनाना चाहता हूं, जिसमें समय लग गया। आखिरकार हमने इसे 14 अगस्त को रिलीज किया। उन्होंने कहा, गाने लिखने का कोई प्लान नहीं था। असल में मैंने यह गाना 1-2 घंटे में लिखा। जो तुकबंदी वाले शब्दों के रूप में शुरू हुआ और एक पूरे गाने का रूप ले लिया। अपने काम के बारे में बताते हुए अयान ने कहा, मैं अब अपनी सिंगिंग को जारी रखना चाहता हूं। मैं और गाने लिखना चाहता हूं। मैं अगले कुछ महीनों में 1-2 और गाने रिलीज करने की योजना बना रहा हूं। बता दें कि अयान और जन्नत सोशल मीडिया स्टार हैं। भाई-बहन की जोड़ी की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। अयान ने सोमवार को अपना गाना तू माने या ना रिलीज किया और इस गाने को उनके फैन्स का प्यार मिल रहा है। उनके फैंस उन्हें एक साथ देखना चाहते हैं।

यमला पगला दीवाना-4 की प्रतीक्षा में सनी

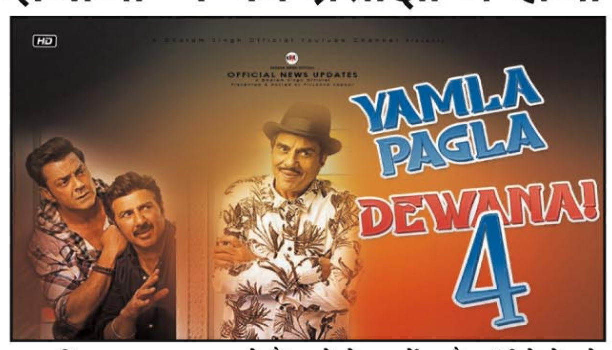

हालिया रीलिज फिल्म गदर -2 की शानदार सफलता से उत्साहित सनी देओल ने खुलकर बात की और यह भी पुष्टि की कि यमला पगला दीवाना-4 वास्तव में पाइपलाइन में है। यमला पागल दीवाना का जिक्र करते हुए, अभिनेता ने स्वीकार किया कि उन्होंने सभी को हंसाया है, वे इसके लिए एक अच्छी स्क्रिप्ट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसमें कहानी बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, सनी देओल ने यह भी कहा कि अपने सीक्वल की स्क्रिप्ट तैयार है और वे जल्द ही इस परियोजना को शुरू करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। हमारे पास पहले से ही अपने की कहानी है। देखते हैं हम शूटिंग कब शुरू कर सकते हैं। यह एक प्यारी कहानी है। यह उस तरह के पारिवारिक मूल्यों का ही विस्तार है जो अपने (2007) में प्रस्तुत किया गया था। अपने 2 में सनी देओल, धर्मेंद्र और बॉबी देओल के साथ करण देओल भी होने की उम्मीद है। हालाँकि, निमार्ताओं ने अभी तक फिल्म की प्रमुख महिलाओं के बारे में विवरण नहीं दिया है।

मलाइका और अर्जुन कपूर के ब्रेकअप की चर्चा तेज

बॉलीवुड के 'मोस्ट रोमांटिक कपल' कहे जाने वाले एक्टर अर्जुन कपूर और एक्ट्रेस मलायका अरोड़ा के बीच फिलहाल दूरियां बताई जा रही हैं। मलायका और अर्जुन करीब 4 साल से साथ हैं। दोनों सोशल मीडिया पर इतने एक्टिव हैं कि आए दिन अपनी बोल्ड और रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। मलायका और अर्जुन कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के प्रति अपना प्यार जाहिर करते नजर आते हैं। हालांकि, अब दोनों के बीच ब्रेकअप की चर्चा शुरू हो गई है। एक तरफ जहां अर्जुन कपूर अकेले अपनी वेकेशन एन्जॉय कर रहे हैं। दूसरी ओर मलायका भी अर्जुन को छोड़ ओरहान के साथ पार्टी करती नजर आ रही हैं। मलाइका और अर्जुन की ये पोस्ट देखने के बाद उनके फैंस सोच रहे हैं कि क्या अब ये दोनों अलग हो गए हैं। अभिनेता अर्जुन कपूर अकेले ही अपनी छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने सोलो वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। तो हाल ही में एक्ट्रेस मलायका अरोड़ा की कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं। तस्वीरों में वह बॉलीवुड स्टार्स के चहेते कॉमन फ्रेंड अउरी उर्फ ओरहान के साथ देर रात पार्टी करती नजर आ रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस पार्टी में उनके बेटे अरहान खान भी उनके साथ थे। हालांकि इस पार्टी में अर्जुन कपूर नजर नहीं आए। हाल ही में बॉलीवुड कलाकारों ने एक बड़ी पार्टी रखी। इस पार्टी में न सिर्फ एक्टर्स बल्कि उनके बच्चे भी शामिल हुए। पार्टी में काजोल और अजय देवगन की बेटी निसा भी मौजूद थीं। पार्टी में एपी ढिल्लों की गर्लफ्रेंड बंदिता संधू भी नजर आईं। इन सभी ने अउरी के साथ तस्वीरें क्लिक कीं। पूर्व मिस वर्ल्ड हरनाज कौर संधू भी पार्टी में धमाल मचाती नजर आईं। सभी ने ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। बहरहाल, सबकी निगाहें मलायका अरोड़ा पर हैं। अर्जुन और मलायका अब अपनी अलग-अलग तस्वीरें शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6527

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6526 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7274

अ	ट	र	प	ट	र	धि	क	र	प	इ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	ह	ति	म	श्त
अ	दा	आ	र्ड	र	र	अं	ना	ह	प	फ
हु	ग	ल	मा	ज	क्ष	स	रा	ह	इ	र
ब	क्म	अ	नु	म	ति	क	र	क	त्ते	मा
द	अ	कि	र	क	दा	क	नि	र्दे	श	न
स	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ग
आ	दे	श	र	न	प	य	रा	घु	ग	ला
अ	दि	ल	वा	ले	दा	र	जा	म	वी	दे
र	ज	ति	मा	हि	द	ह	ज	द	ल	र
बां	र	ल	प	रु	इ	जा	ज	त	र	म

शब्दजाल में 'आज्ञा' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

आदेश, आर्डर, कहना, फरमान, समादेश, निर्देश, हिदायत, इजाजत, अनुमति, हुक्म

शब्दजाल - 7273 का हल

म	अ	मु	श	सी	ज	ब	ज	ग	ल	ट
रा	ज	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	ड़
य	प	आ	हे	ज	दी	ना	अ	व	प	रू
इं	नौ	ब	का	ब	वा	स	त	ल	ट	प
प	ना	ह	प्या	र	तो	हो	स	ही	था	त
अ	न	क	प	र	स्व	ल	वी	ण	ई	व
द	नु	न	न	ट्रे	रू	ब्र	र	ज	व	र
क	र	कृ	प	क्श	प	का	र	चो	श	ख
र	व	त	ति	रा	हो	प	य	अ	रे	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	प	द
क	ड	क	अ	ध	न	चि	त्र	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6227

6		2	4	5		1
	27		32		34	
4	2	1		3	5	
	28	6	31	6	39	3
1	5		3		7	
3	33		31	7	34	5
	5		6			4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6226 का हल

1	3	2	4	5	7	6
2	25	7	32	4	36	2
7	2	1	6	3	5	4
3	34	6	31	6	33	5
6	5	4	3	2	7	1
5	37	5	31	7	30	3
4	5	3	6	1	2	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

21 अगस्त को दिल्ली में बीसीसीआई की मीटिंग: एशिया कप टीम पर चर्चा होगी, कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल होंगे

नई दिल्ली ।

एशिया कप की टीम पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में अजीत आगरकर के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेंस सीनियर सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग होगी। मीटिंग में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल होंगे।

इस मीटिंग का सबसे अहम मुद्दा केएल राहुल और श्रेयस अय्यर का सेलेक्शन होगा, जिन पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी। बीसीसीआई ने अभी तक एशिया कप और वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम की घोषणा नहीं की है। जबकि पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों ने पहले ही अपनी एशिया कप टीम की घोषणा कर दी है। वहीं इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 के लिए प्रोविशनल टीम की घोषणा कर दी है।

टीम के तीन प्रमुख खिलाड़ी चोटिल चल रहे थे

भारत के तीन प्रमुख खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर चोट की वजह से काफी समय से टीम से बाहर चल रहे थे। हालांकि बुमराह ने आयरलैंड के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज से वापसी कर ली है, और टीम की कमान संभाल रहे हैं। मौजूदा सीरीज में बुमराह की फिटनेस पर सिलेक्टर्स की नजर होगी।

एशिया कप की शुरुआत 30 अगस्त से

एशिया कप की शुरुआत 30 अगस्त से होगी। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 30 अगस्त को पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में खेला जाएगा, जबकि भारत अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका के कैंडी में करेगा। टूर्नामेंट वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा। वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक भारत में ही खेला जाएगा।

हाईब्रिड मॉडल पर आयोजन, 6 टीमें हिस्सा लेंगी

टूर्नामेंट का आयोजन हाईब्रिड मॉडल पर होगा। यानी कि टूर्नामेंट के शुरुआती चार मुकाबले पाकिस्तान में होंगे, जबकि फाइनल सहित शेष 9 मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट की 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-4 स्टेज में जाएंगी।

ग्रुप-ए: भारत, नेपाल और पाकिस्तान।

ग्रुप-बी: श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान दौरे के लिए की महिला टीम घोषित

केप टाउन । एक सितंबर से शुरू होने वाले पाकिस्तान दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार टीम पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी20 और 3 एक दिवसीय मैच खेलेगी। अंतरिम कप्तान सुने लुस अब टीम का नेतृत्व नहीं करेंगी हालांकि दौरा शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के कप्तान का ऐलान किया जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के शानदार प्रदर्शन के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। हालांकि वनडे आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 चक्र का हिस्सा होंगे। हाल ही में आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम में टी20 विश्व कप अभियान का हिस्सा रहे 15 खिलाड़ियों में से 12 को बरकरार रखा गया है। हालांकि टीम को क्लो ट्रायोन की कमी अखरेगी जिन्होने छुट्टी का अनुरोध किया है। एनेरी डकर्सन भी अपनी उंगली की चोट से उबरने के कारण श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगी। सीरीज के सभी मैच कराची में खेले जाएंगे। टी20 मैच एक से पांच सितंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद आठ से 14 सितंबर के बीच वनडे सीरीज होगी। दक्षिण अफ्रीका टीम में एनेके बॉश, ताज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, मिके डी रिडर, लारा गुडॉल, सिनालो जाफ्ता, मारिजैन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेल्मी टकर, लौरा वोल्वार्ड्ट शामिल हैं।

एशेज सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति से परेशानी हुई : पोंटिंग

होबार्ट । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने माना है कि एशेज सीरीज के दौरान उनकी टीम को मेजबान इंग्लैंड के आक्रामक रणनीति से मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड ने एशेज सीरीज में बाजबॉल रणनीति का पालन किया था जिसमें आक्रामक रुख अपनाया जाता है। ये रणनीति न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रैंडन मैकुलम के आक्रामक अंदाज में खेलने के अंदाज के आधार पर उनके ना पर पड़ी है। इंग्लैंड की टीम ने एशेज में पिछड़ने के बाद भी इसी रणनीति से खेलते हुए वापसी की। एजबेस्टन और लॉर्ड्स में पहले दो टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 2-0 से आगे थी पर मेजबान टीम ने हेडिंग्ले में तीसरा टेस्ट और ओवल में पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीरज में वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। मैनचेस्टर में बारिश से प्रभावित चौथा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदेशी धरती पर सीरीज बराबरी पर लाकर कराकर ऑस्ट्रेलिया एशेज ट्रॉफी को अपने पास रखने में सफल रहा पर टीम 2001 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट श्रृंखला नहीं जीत पाने का रिकार्ड नहीं तोड़ पायी। पोंटिंग ने कहा, 'खेल की दो विपरीत शैलियों को देखना शानदार रहा। इस सीरीज से पहले 'बाजबॉल के बारे में बहुत चर्चा हुई कि इंग्लैंड किस प्रकार खेलेगा, और क्या ये आक्रामक शैली ऑस्ट्रेलिया की शानदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक पाएगी। उन्होंने कहा, 'इस तरीके ने सीरीज के दौरान कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों, कोचों और कप्तान को समय-समय पर परेशान किया होगा कि वे इसका मुकाबला कैसे करेंगे।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय टीम का विश्वकप से पहले बेहद व्यस्त कार्यक्रम है। उसे इससे पहले ऑस्ट्रेलिया से भी घरेलू सीरीज खेलना है। अभी टीम आयरलैंड दौरे पर है। भारतीय टीम को तीन मैचों की पहली सीरीज सितंबर में ऑस्ट्रेलिया से खेलनी है। विश्वकप कप के बाद उसे दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाना है। अगले 5 साल के दौरान भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से सबसे अधिक मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम 2023 से 2027 के बीच धरेलू धरती पर ऑस्ट्रेलिया से सबसे अधिक 21 मैच खेलेगी। इसमें 5 टेस्ट, 6 एकदिवसीय और 10 टी20 के मुकाबले शामिल हैं। वहीं भारत को इंग्लैंड से भी 18 बार खेलना है। इसमें 10 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी20 के मैच शामिल हैं। पिछले 5 साल के चक्र की बात करें, तो भारतीय टीम को इस बार 14 मुकाबले कम खेलने हैं। पिछले चक्र में उसे कुल 102 मैच खेलने को मिले थे। बीसीसीआई की ओर से घरेलू सीरीज के टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिए टेंडर जारी किए हैं।

आईपीएल 2022 से बीसीसीआई ने 2400 करोड़ कमाए

पांच साल की रिपोर्ट जारी, 2017-2022 तक 22 हजार करोड़ से ज्यादा कमाई की

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के आयोजन से लगभग 2400 करोड़ रुपए की कमाई की है। 2021-22 तक के पांच सालों की एनुअल रिपोर्ट जारी हुई। इसमें पता चला कि बोर्ड ने साल 2017 से अप्रैल 2022 तक 2.7 बिलियन डॉलर (22 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा कमाए हैं।

आईपीएल 2022 से बीसीसीआई को 2,400 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। बोर्ड को आईपीएल 2022 से 6 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई हुई थी, जिसमें से लगभग 3900 करोड़ रुपए टूर्नामेंट में खर्च हो गए।

आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई थी। इसके बाद से ही इस क्रिकेट लीग ने मीडिया राइट्स और ब्रांडिंग से अरबों रुपए की कमाई की है। इसके चलते दुनियाभर में क्रिकेट लीग का ट्रेंड बढ़ गया है।

ऐसे आईपीएल से पैसा कमाता है बीसीसीआई

मीडिया राइट्स: मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, यानी आईपीएल के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलिकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है जिसके पास मीडिया राइट्स हों। इससे ही बीसीसीआई को सबसे ज्यादा रेवेन्यू मिलता है।

टाइटल स्पॉन्सरशिप: साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे। वहीं 2023 में ये आंकड़ा सालाना 300 करोड़ से ज्यादा हो गया। टाटा और बीसीसीआई के बीच दो साल की डील हुई है, इसके लिए कुल 600 करोड़ दिए गए।

फ्रेंचाइजी फीस: कोई भी नई टीम जब आईपीएल का हिस्सा बनती है, इसके लिए फ्रेंचाइजी फीस देनी होती है। ये पूरा प्रोसेस बोली लगाकर होता है, जिसमें अलग-अलग कंपनियां या ग्रुप टीम खरीदने के लिए बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा बनते हैं। साल 2022 में जब गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स लीग का

हिस्सा बनीं, तो बीसीसीआई के खाते में 12500 करोड़ जुड़ गए।

48390 करोड़ रुपए में बिके थे आईपीएल मीडिया राइट्स

करीब एक साल पहले बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 से 2027 तक के मीडिया राइट्स 48,390.52 करोड़ रुपए में बेचे थे। डिज्नी स्टार ने भारतीय महाद्वीप के टीवी राइट्स को 23575 करोड़ रुपए में खरीदा। वायकॉम 18 ने भारतीय महाद्वीप के डिजिटल राइट्स को 20500 करोड़ रुपए में और चुनिंदा 98 मैचों के नॉन एक्सक्लूसिव डिजिटल राइट्स को 3,258 करोड़ रुपए में खरीद लिया था।

टीम इंडिया के मैचों के मीडिया राइट्स भी बेचेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई को टीम इंडिया के भारत में होने वाले मैचों की मीडिया राइट्स की नीलामी से बड़ी राशि मिलने की उम्मीद है। एशिया कप से पहले होने वाली इस नीलामी से भारतीय बोर्ड को एक बिलियन डॉलर (करीब 8200 करोड़ रुपए) मिल सकते हैं। बोर्ड 2028 तक के 88 होम मैचों के मीडिया राइट्स नीलाम करेगा। इनमें किसी आईसीसी टूर्नामेंट के तहत होने वाले मुकाबले शामिल नहीं हैं। इनमें सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज के तहत भारत में होने वाले मुकाबले ही शामिल हैं।

राहुल के एशिया कप के लिए श्रीलंका जाने की उम्मीदें

बेंगलुरु । केएल राहुल के आगामी विशकप तक फिट होने की उम्मीद बढ़ गयी है। राहुल ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। इसे देखते हुए पूरी संभावना है कि राहुल एशिया कप के लिए भी श्रीलंका जा सकते हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन 21 अगस्त को होगा। राहुल ने एनसीए में मैच के हालातों के हिसाब से आयोजित अभ्यास कार्यक्रम में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करके अपनी फिटनेस दिखायी। उन्होंने कहा, 'उन्होंने इस हफ्ते के शुरु से बल्लेबाजी शुरु की थी और अब उन्होंने विकेटकीपिंग भी करना शुरु कर दिया है। राहुल की शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी जल्द ही दिखायी दे रही है पर अभी एनसीए में चोट से उबर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को थोड़ा लंबा समय लग सकता है। श्रेयस भी एनसीए में मैच की परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास कर रहे हैं और मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने फिटनेस में काफी सुधार दिखाया है। हालांकि श्रेयस के संबंध में अंतिम फैसला अगले दो दिन में ही लिया जा सकेगा। राहुल की वापसी से भारतीय टीम प्रबंधन के सिर से बड़ा बोझ कम हो जायेगा क्योंकि वे मध्यक्रम में एक स्थान पक्का कर सकते हैं। राहुल का वनडे में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने सात पारियों में 40.17 के औसत से 241 रन बनाये हैं जिसमें एक सैकड़ा भी शामिल है। राहुल की अनुपस्थिति में भारतीय 'थिंक टैंक ने सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को मध्यक्रम में उतारकर प्रयोग किया लेकिन इनमें से कोई भी निरंतर प्रदर्शन नहीं पाया।

वर्ल्ड शूटिंग चैम्पियनशिप में भारत को मिला गोल्ड

ईशा सिंह और शिव नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में रहे टॉप

बाकू ।

अजरबैजान की राजधानी बाकू में चल रहे वर्ल्ड शूटिंग चैम्पियनशिप में शिव नरपाल और ईशा सिंह की जोड़ी ने एयर पिस्टल मिक्सड टीम ने भारत के लिए गोल्ड जीता। 17 साल के शिव नरवाल और 18 साल की ईशा सिंह की जोड़ी ने फाइनल में तुर्की के एसआई तारन और यूसुफ डिकेक को 16-10 से हराकर पोडियम पर टॉप पर रहे। वहीं पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने ईरान को हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले, भारतीय जोड़ी ने क्वालिफाइंग में 583 के स्कोर के साथ टॉप पर रहे थे और तुर्की 581 के साथ दूसरे स्थान पर था। दिव्या थडिगोल सुब्बाराजू और सरबजोत सिंह की एक अन्य भारतीय टीम 574 के स्कोर के साथ क्वालिफाइंग में 22वें स्थान पर रही।

भारत को अब तक मिल चुके हैं दो मेडल

भारत को अब तक दो मेडल मिल चुके हैं। दोनों मेडल टीम इवेंट में ही मिले हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड में गोल्ड से पहले भारतीय मेंस टीम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय मेंस टीम में सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा और शिव नरवाल टीम के हिस्सा थे। राइफल मिक्सड नहीं पहुंच अगले राउंड में वहीं 10 मीटर एयर राइफल के मिक्स्ड टीम इवेंट में कोई भारतीय शूटर मेडल राउंड तक नहीं पहुंच पाया। मेहुली घोष और ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर क्वालिफाइंग में कुल 630.2 अंकों के साथ नौवें स्थान पर रहे, जबकि रमिता और दिव्यांश सिंह पवार 628.3 अंक ही हासिल कर सके और 17वें स्थान पर रहे। वहीं महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में, परिनाज़ धालीवाल (19वें), गनीमत सेखों (21वें) और दर्शना राठौड़ (38वें) भी क्वालिफाइंग राउंड से आगे बढ़ने में असफल रहीं।

कुश्ती में अंतिम पंघाल ने रचा इतिहास, दूसरी बार अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप जीतीं; सविता को स्वर्ण

नई दिल्ली ।

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में बेटियों ने इतिहास रच दिया। हिसार (हरियाणा) की अंतिम पंघाल लगातार दूसरी बार अंडर-20 विश्व चैंपियन बनने वाली देश की पहलवान बेटी बनीं, वहीं रोहतक की सविता ने 62 भार वर्ग में स्वर्ण जीता। अंतिम कुंडू 65 भार वर्ग में दुर्भाग्यशाली रहीं और फाइनल में नहीं जीत पाईं। उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा। रीना (57), आरजू (68) और हर्षिता (72) ने कांस्य पदक जीते।

कुश्ती के इतिहास में पहली बार बेटियों ने अंडर-20 विश्व टीम चैंपियनशिप भी अपने नाम की। अंतिम ने ने 53 भार वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की मारिया येफरेमोवा को 4-0 से परास्त कर स्वर्ण जीता। वह बीते वर्ष पहली बार अंडर-20 विश्व चैंपियन बनी थीं। वहीं सविता ने वेनेजुएला की पाओला मेंटोरो चिरिनोस को तकनीकि दक्षता के आधार पर पराजित किया।

विनेश के सीधे चयन को दी थी चुनौती

अंतिम लगातार तीन बाउट जीतकर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने स्वर्ण पदक के सफर में सिर्फ दो अंक गंवाएं। अंतिम वही पहलवान हैं जिन्होंने विनेश फोगाट को एशियाड में सीधे प्रवेश दिए जाने का विरोध करते हुए धरना दिया था। हालांकि, बाद में विनेश ने घुटने के आपरेशन के चलते एशियाड से नाम वापस ले लिया। अंतिम विनेश को एशियाड टीम में सीधे चुने जाने पर

अदालत भी गई थीं। उन्होंने अप्रैल माह में एशियाई चैंपियनशिप में इसी भार में रजत भी जीता। सविता ने पाओला के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले ही दौर में 9-0 की बढ़त ले ली। दूसरे दौर की शुरुआत में ही एक अंक हासिल कर रेफरी ने बाउट रोककर सविता को विजेता घोषित कर दिया।

अंतिम कुंडू को मिला रजत

अंतिम कुंडू का फाइनल में स्थानीय पहलवान एनिको एलेकेस से मुकाबला था, जिसमें उन्हें 2-9 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले रीना ने कांस्य पदक की लड़ाई में कजाखस्तान की शुगायला ओमिरबेक को 9-4 से पराजित किया। आरजू और हर्षिता ने कांस्य पदक जीतकर भारत को महिलाओं की टीम चैंपियनशिप दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका में शुरु होने वाली सीरीज के लिए मिचेल मार्श करेंगे ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

मेलबर्न ।

दक्षिण अफ्रीका मैच सीरीज से स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क चोटों के कारण बाहर हो गए हैं। बताया जा रहा है अब दक्षिण अफ्रीका के सीमित ओवरों के दौरे पर मिचेल मार्श ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्णकालिक वनडे कप्तान पैट कमिंस भी कलाई में फ्रैक्चर के कारण टीम से बाहर हैं, हालांकि वह दक्षिण अफ्रीका दौरे के अंतिम चरण में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। स्मिथ अपनी बाईं कलाई की ऐंठन की चोट से जूझ रहे हैं, जिसे ठीक होने में लगभग 4 सप्ताह लगेंगे। स्टार्क इंग्लैंड में हुई एशेज श्रृंखला के बाद कमर में दर्द का अनुभव कर रहे हैं। स्मिथ और स्टार्क दोनों के भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और एकदिवसीय विश्व कप के लिए समय पर फिट होने की उम्मीद है। हालांकि प्रतिष्ठित

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें आराम करने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि एशेज श्रृंखला और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप टीम के लिए थकाने वाले थे। हम विश्व कप की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को बचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व कप टीम की प्राथमिकता है इसलिए यह निर्धारित किया गया था कि स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क के लिए भारत में स्क्वाड में शामिल होना सबसे अच्छा होगा।

उनका कहना है कि तब तक हमें उम्मीद है कि वे पूरी तरह से फिट होंगे और भारतीय वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 सितंबर से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगे, जबकि विश्व कप की शुरुआत 5 अक्टूबर को होगी। दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 टीम में स्मिथ की जगह एश्टन टर्नर को लिया गया है, जबकि वनडे टीम में स्मिथ और स्टार्क की जगह मार्नस लाबुशेन और स्पेंसर जॉनसन ने ली है। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध सीमित ओवर दौरे में तीन टी20 और पांच एकदिवसीय मैच शामिल हैं। यह दौरा 30 अगस्त को डरबन में शुरू होगा और 17 सितंबर को जोहान्सबर्ग में समाप्त होगा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम में मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, जेसन बेहरनडॉर्फ, टिम डेविड, नाथन एलिस, एरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टॉइनिस, एश्टन टर्नर, ऐडम जैम्पा होंगे। जबकि ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम में मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, एश्टन आगर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, एरोन हार्डी, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मार्कस स्टॉइनिस, डेविड वार्नर, ऐडम जैम्पा होंगे।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

नीरज चोपड़ा भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे; 27 सदस्यीय टीम इस टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी

बुडापेस्ट ।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप से हंगरी के बुडापेस्ट में शुरू हो रही है। यह 27 अगस्त तक खेली जाएगी। ओलिंपिक चैम्पियन जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के नेतृत्व में 27 सदस्यीय टीम इस टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। कई खिलाड़ी पहली बार टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। वहीं, कई पिछले प्रदर्शन को बेहतर करना चाहेंगे। भारत ने अब तक केवल दो पदक जीते वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की शुरुआत 1983 से हुई। भारतीय एथलीटों ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अब तक केवल दो पदक जीते हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज पेरिस 2003 में महिलाओं की लॉन्ग जंप में कांस्य पदक के साथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थीं। पिछले साल ओरेगॉन 2022 में नीरज चोपड़ा के रजत पदक ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में दूसरे भारतीय पोडियम फिनिश के लिए 19 साल के लंबे इंतजार को

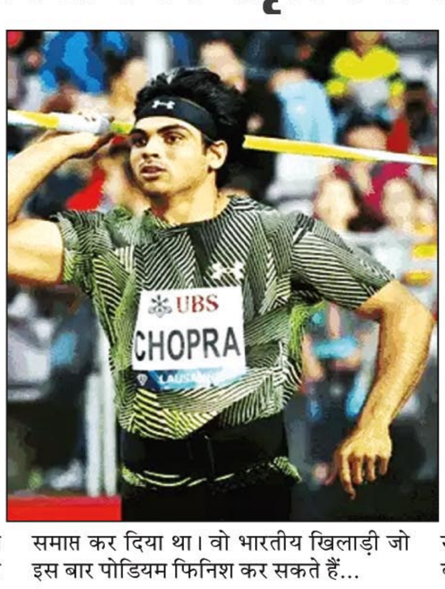

समाप्त कर दिया था। वो भारतीय खिलाड़ी जो इस बार पोडियम फिनिश कर सकते हैं...

नीरज चोपड़ा: जेवलिन थ्रो - इस सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके नीरज चोट से वापसी कर रहे हैं। फैंस और एक्सपर्ट्स उनसे 90 मीटर थ्रो पार करने की आशा कर रहे हैं। नीरज ने पिछले सीजन में सिल्वर मेडल जीता था।

- पर्सनल बेस्ट- 89.94 मीटर
- सीजन बेस्ट- 88.67 मीटर
- ज्योति याराजी: 100 मी. हर्डल

ज्योति याराजी के नाम नेशनल रिकॉर्ड है। उन्होंने इस सीजन में 7 बार 13 सेकंड से पहले हर्डल रेस पूरी की है। अगर ज्योति फाइनल में जगह बना पाती हैं तो उनको पर्सनल बेस्ट से भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

- सीजन बेस्ट- 12.78 सेकंड
- पर्सनल बेस्ट- 12.78 सेकंड

अविनाश साबले: 3000 मी. स्टीपलचेस - इस सीजन में उन्होंने सिलएसिया डायमंड लीग में रेस को 8:11.63 मिनट में पूरी की थी। कोच स्कॉट सिमंस का भी मानना है कि साबले मेडल की रेस में नजर आएंगे। वे उलटफेर करने के लिए भी जाने जाते हैं।पर्सनल बेस्ट- 8:11.20 मिनट

- सीजन बेस्ट- 8:11.61 मिनट

शैली सिंह: लॉन्ग जम्प - इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। 18 की उम्र में उन्होंने जूनियर वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर जीता था। 19 साल की शैली ने सीजन की शुरुआत 6.76 मीटर की जंप से की थी। वे अपने प्रदर्शन से चौंका सकती है।

- सीजन बेस्ट- 6.76 मीटर
- पर्सनल बेस्ट- 6.76 मीटर

सितंबर में होगी वूमेन उत्तराखंड प्रीमियर लीग, यूपीएल की तर्ज पर सीएयू करेगा आयोजन; 70 खिलाड़ी लेंगी हिस्सा

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड (सीएयू) सितंबर के तीसरे सप्ताह में वूमेन उत्तराखंड प्रीमियर लीग का आयोजन करने जा रहा है। इस वर्ष आयोजित हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के प्रथम संस्करण की सफलता के बाद सीएयू की ओर से महिला खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने के लिए वूमेन उत्तराखंड प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। सीएयू ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर इसकी जानकारी साझा की है। वूमेन उत्तराखंड प्रीमियर लीग का आयोजन देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 24 से 28 सितंबर तक कराया जाना प्रस्तावित है। डे-नाइट फार्मेट में आयोजित होने वाली वूमेन लीग में प्रदेशभर की पांच टीम हिस्सा लेंगी। इनमें प्रदेश की प्रतिभावान 70 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। वूमेन लीग में एक दिन में दो मैच आयोजित किए जाएंगे। सीएयू सचिव महिम वर्मा ने बताया कि वूमेन उत्तराखंड प्रीमियर लीग की तैयारियां चल रहीं है। टीमों के नाम फाइनल हो गए हैं। जल्द ही अन्य जानकारी साझा की जाएगी।

इस कंपनी में कुत्ते करते हैं स्वागत

चंडीगढ़ मनीमाजरा स्थित क्यू ब्लॉक्स टेक्नोलॉजी प्रा लि एक ऐसी कम्पनी है, जहां आने-जाने वालों का स्वागत कुत्ते करते हैं। आपको सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन यह सच है। दफ्तर में अच्छा माहौल और तनावग्रसत को दूर करने के लिए इस कम्पनी ने 2 पालतू कुत्तों कार्लोस और चतुर का सहारा लिया है। ये कंपनी भी गूगल के नक्शेकदम पर चल पड़ी है। और अपने कर्मचारियों को कई तरह की सहूलियतें भी दे रही हैं। मनीमाजरा स्थित इस कम्पनी में कार्लोस और चतुर नाम के ये दोंनो डॉग दफ्तर में घूमते रहते है और अन्दर आने-जाने वालों का स्वागत करते है। चतुर नाम का यह डॉग एक-एक कर सभी कर्मचारियों से मिलता है। जबकि कार्लोस नाम का यह डॉग दफ्तर के केबिन के पास बनी सीट पर बैठा रहता है। इस आफिस में दिन की शुरूआत इन दोनों डॉग से होती है कई कर्मचारी तो इनको अपनी गोद में बिठाने के लिए उतावले रहते है। इस कम्पनी में मिलने वाली सुविधाओं के कर्मचारी कायल हैं कर्मचारियों को घर जैसा खाना मुहैया करवाया जाता है। कम्पनी में स्नूकर, टेबल टेनिस भी है। काम से जब मर्जी ब्रेक लेकर इन सुविधाओं का मजा लिया जाता है।

लैवेंडर तेल और बर्न्स के क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर है तुलसी

तुलसी में कई औषधीय गुण होते हैं। हृदय रोग हो या सर्दी जुकाम, भारत में सदियों से तुलसी का इस्तेमाल होता चला आ रहा है। और क्या-क्या हैं तुलसी की खूबियां, आइये इस पर एक नजर डालते हैं।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद: सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

गले की खराश: तुलसी की पत्तियों को उबालकर पीने से गले की खराश दूर हो जाती है। इस पानी को आप गरारा करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों में बुखार, खांसी और उल्टी जैसी सामान्य समस्याओं में तुलसी बहुत फायदेमंद है।

श्वांस की समस्या: श्वांस संबंधी समस्याओं का उपचार करने में तुलसी बहुत उपयोगी साबित होती है। शहद, अदरक और तुलसी को मिलाकर बनाया गया काढ़ा पीने से ब्रोंकाइटिस, दमा, कफ और सर्दी में राहत मिलती है। नमक, लौंग और तुलसी के पत्तों से बनाया गया काढ़ा इंफ्लुएंजा (एक तरह का बुखार) में फौरन राहत देता है।

गुर्दे की पथरी: तुलसी गुर्दे को मजबूत बनाती है। यदि किसी के गुर्दे में पथरी हो गई हो तो उसे शहद में मिलाकर तुलसी के अर्क का नियमित सेवन करना चाहिए। छह महीने में फर्क दिखेगा।

हृदय रोग: तुलसी खून में कोलेस्ट्राल के स्तर को घटाती है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए यह खासी कारगर साबित होती है।

तनाव: तुलसी की पत्तियों में तनाव रोधीगुण भी पाए जाते हैं। हाल में हुए शोधों से पता चला है कि तुलसी तनाव से बचाती है। तनाव को खुद से दूर रखने के लिए कोई भी व्यक्ति तुलसी के 12 पत्तों का रोज दो बार सेवन कर सकता है।

संक्रमण और त्वचा रोग: अल्सर और मुंह के अन्य संक्रमण में तुलसी की पत्तियां फायदेमंद साबित होती हैं। रोजाना तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से मुंह का संक्रमण दूर हो जाता है। दाद, खुजली और त्वचा की अन्य समस्याओं में तुलसी के अर्क को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में रोग दूर हो जाता है। नैचुरोपैथों द्वारा ल्यूकोडर्मा का इलाज करने में तुलसी के पत्तों को सफलता पूर्वक इस्तेमाल किया गया है।

सांसों की दुर्गंध

तुलसी की सूखी पत्तियों को सरसों के तेल में मिलाकर दांत साफ करने से सांसों की दुर्गंध चली जाती है। पायरिया जैसी समस्या में भी यह खासा कारगर साबित होती है। सिर के दर्द में तुलसी एक बढ़िया दवा के तौर पर काम करती है। तुलसी का काढ़ा पीने से सिर के दर्द में आराम मिलता है। आंखों की जलन में तुलसी का अर्क बहुत कारगर साबित होता है। रात में रोजाना श्यामा तुलसी के अर्क को दो बूंद आंखों में डालना चाहिए।

शिशु को कब देना चाहिए सॉलिड आहार

सामान्यतः शिशु को 6 माह के बाद ही सोलिड यानी ठोस आहार देना चाहिए। इसके साथ ही कुछ बातों का ख्याल भी रखना आवश्यक है मसलन शिशु को खिलाते वक्त उसकी शारीरिक स्थिति कैसी हो। ध्यान रखें कि खाते वक्त शिशु का पोस्चर बहुत मायने रखता है। सुलाकर कतई न खिलाएं। ऐसे में उसके गले में खाने का ग्रास फंस सकता है। उसे परेशानी भी हो सकती है। जब भी उसके मुंह में खाने का निवाला दें तो उसके सिर को पीछे की ओर झुकाएं ताकि उसे निगलते हुए परेशानी न हो।

ठोस आहार के साथ मां का दूध

यह भी एक सवाल होता है कि जब शिशु को ठोस आहार दिया जाए तो क्या उसे मां का दूध पिलाना सुरक्षित है? जी, बिल्कुल सुरक्षित है। जरूरी नहीं है कि शिशु को ठोस आहार देना शुरु कर दिया है तो उसे अपना दूध न पिलाएं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कब अपना दूध और कब ठोस आहार देना आवश्यक है। इस संबंध में विशेषज्ञों की सलाह लें।

कब-कब दें ठोस आहार

6 माह के शिशु को उठते ही ठोस आहार न दें। उनके लिए चाहिए कि उनके खानपान की शुरुआत मां अपने दूध से करें। लेकिन यही नियम 9 माह के शिशु के लिए लागू नहीं होता। उन्हें सुबह उठते ही दलिया, खिचड़ी आदि कोई भी ठोस आहार दे सकते हैं। इससे उन्हें आवश्यक पौष्टिक तत्व मिलते हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करता है। 9 माह के शिशु को दो से ढाई घंटे के बीच बीच में कुछ ठोस आहार देते रहें। जबकि 6 माह के शिशु को चूंकि मां का दूध भी चाहिए होता है तो उन्हें दोपहर, रात और सुबह ठोस आहार दिया जा सकता है।

खिलाते वक्त रखें ध्यान

शिशु को खिलाते वक्त ध्यान रखें कि न सिर्फ आपके हाथ धुले हुए हों बल्कि शिशु के भी हाथ धुले हों। दरअसल मुंह में ठोस पदार्थ जाते ही शिशु उन्हें अपने हाथ से छूकर देखता है, उन्हें मुंह से निकालता है। यहां तक कि नीचे गिरे दाने भी वह उठा उठाकर खाने की कोशिश करता है। ऐसे में उसके हाथ धुले होना आवश्यक है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि शिशु के खाने के दौरान टीवी, म्यूजिक आदि चीजें चल न रही हों। इससे शिशु का फोकस भटक सकता है। एक बात और जान लें कि शिशु

खाते वक्त अकसर मुंह घुमाता है, न खाने की चाह प्रकट करता है। इससे आप यह न समझ बैठें कि उसे नहीं खाना। प्रत्येक शिशु इस तरह करते हैं। अतः उन्हें कोशिशन खिलाएं।

शिशु को क्या दें

दाल: छोटे यानी 6 माह के शिशु के लिए दाल उपयुक्त आहार है। वास्तव में दाल में आयरन और कुछ अन्य तत्व होते हैं जो कि 6 माह के शिशु को जरूरी आवश्यक तत्व के लिए पर्याप्त है। ध्यान रखें कि छूटते ही उसे थक्के वाली दाल न खिलाएं। कुछ समय पतली दाल खिलाएं ताकि उसे निगलने की प्रैक्टिस हो जाए। इसके बाद थक्के वाली दाल खिलाई जा सकती है।

दलिया/खिचड़ी: 9 माह के शिशु को सिर्फ दाल न दें। उन्हें विकास के लिए कुछ अन्य तत्व की भी जरूरत है। अतः खिचड़ी या दलिया दें। लेकिन जरूरी यह है कि दलिया या खिचड़ी में तमाम किस्म की सब्जियां दें। विशेषज्ञों के मुताबिक दलिया जितने रंगों से भरी होगी अर्थात जितनी ज्यादा उसमें सब्जियां होंगी, वह उतनी ही असरकारक और स्वास्थ्यकर होगी। अतः दलिया या खिचड़ी में विभिन्न किस्म की सब्जियां अवश्य डालें। इसके अलावा उन्हें फल भी जरूर दें। फल उन्हें भीतरी रूप से ठोस बनाता है।

सब्जियां: दलिया के अलावा आप चाहें तो उन्हें मैश की हुई सब्जियां भी दे सकते हैं। सब्जियों को उबाल लें। इसके बाद उसमें मक्खन और हल्का सा नमक लगाकर शिशु को खिलाएं। शिशु को चावल भी खिलाए जा सकते हैं। चावल के साथ दाल या सब्जी बेहतरीन विकल्प है।

क्या नहीं देना चाहिए

जितना जरूरी यह जानना है कि शिशु को क्या दिया जाना चाहिए, उतना ही जरूरी यह जानना भी है कि शिशु को क्या नहीं दिया जाना चाहिए। शिशु को शहद, नींबू, संतरा, नट्स, पीनट बटर, किशमिश, बेर, सूखे बेर आदि न दें। इसके अलावा उनके हाथ में कोई भी बीज वाले फल न दें क्योंकि इससे उनके गले में बीज के अटकने का खतरा बना रहता है। यही नहीं उन्हें बहुत सूखी चीजें भी न खिलाएं जो उनके गले में फंस सकता है। अगर देते भी हैं तो साथ साथ पानी अवश्य पिलाएं।

अस्थमा में मददगार है पासासन

योग रखे निरोग, यह कहावत ही नहीं बल्कि हकीकत भी है। योग के जरिए सामान्य और खतरनाक बीमारियों पर न केवल काबू पाया जा सकता है बल्कि इनके नियमित अभ्यास से उनका उपचार भी किया जा सकता है। अस्थमा सांस संबंधी बीमारी है, जिसके उपचार में पासासन बहुत ही प्रभावी और कारगर है। इस लेख में जानते हैं, पासासन करने की विधि और यह किस तरह से अस्थमा के उपचार में कारगर है।

क्यों होता है अस्थमा

अस्थमा यानी दमा, यह सांसों की बीमारी है जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा। इस बीमारी के लिए जिम्मेदार कई कारण हैं, मौसम में बदलाव, प्रदूषण का बढ़ना, आनुवांशिक, आदि। इस बीमारी में म्यूकस के कारण फेफड़े काम करना तक बंद कर देते हैं। एक बार यह बीमारी किसी को हो गई तो उसका संपूर्ण उपचार नहीं हो सकता है। हालांकि इससे बचाव के तरीकों को आजमाकर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है।

पासासन से अस्थमा का उपचार

वर्तमान में अस्थमा के उपचार के लिए बाजार में कई तरह की दवाएं मौजूद हैं। अगर लंबे समय तक इन उपचारों के प्रयोग के बारे में देखा जाये तो इनसे अस्थमा को काबू में लाया तो जा सकता है, लेकिन इनके अधिक प्रयोग से दूसरी स्वास्थ्य समस्यायें भी होने लगती हैं। ऐसे में योगासन सुरक्षित और बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। पासासन ऐसा ही योग का आसन है जिससे अस्थमा का उपचार अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। 'पास' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है बंधन।

पासासन करने की विधि

इस आसन को करने के लिए ताड़ासन की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। फिर घुटनों को स्क्वैट करने की स्थिति में झुकाएं। इस दौरान तलवों को जमीन पर स्थिर रखें और घुटनों को मोड़कर बैठ जाएं। फिर शरीर के ऊपरी हिस्से को दाईं तरफ मोड़ें, शरीर का ऊपरी हिस्सा दाहिने घुटनों तक लाने का प्रयास कीजिए। अपने हाथों और हथेलियों को भी मोड़ लीजिए। फिर पीठ की तरफ से हाथों को ले जाकर एक हाथ से दूसरे हाथ को कसकर पकड़ लीजिए। फिर अपने सिर को ऊपर की तरफ ले जाकर लंबी सांस लें। लंबी सांसें 4-5 बार लें। फिर आराम से सामान्य स्थिति में आएं। फिर शरीर के दूसरे तरफ से इस क्रिया को दोहराएं।

पासासन के दूसरे लाभ

पासासन ऐसा योगासन है जो अस्थमा के साथ दूसरी बीमारियों को भी दूर करता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को फिट रखा जा सकता है। मासिकधर्म, साइटिका, हल्का पीठ दर्द, कंधे का दर्द या फिर गर्दन के दर्द को ठीक करने में पासासन काफी अच्छा माना जाता है। यह पोज थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा जरुर है लेकिन लगातार अभ्यास करने से यह आसान हो जाता है। इस आसन से पीठ, कमर और एड़ियों की मसापेशियों में खिंचाव होता है। इससे पेट की समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं।

बाईपास सर्जरी के बाद कैसा हो मरीज का जीवन

दिल के रोगियों को कई बार एक बार बाईपास सर्जरी के बाद दोबारा सर्जरी कराने की जरूरत पड़ती है। ऐसा अक्सर सर्जरी के बाद सावधानी न लेने के परिणामस्वरूप होता है। बाईपास सर्जरी में हृदय की धमनी में आए ब्लॉकेज को निकाला नहीं जाता, बल्कि हृदय को ब्लड पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। बाईपास सर्जरी के बाद दवाएं लेने से ब्लॉकिंग की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, लेकिन रूकती नहीं है। बाईपास सर्जरी एक निश्चित समय तक ही काम आती है। और अगर बाईपास सर्जरी के बाद सावधानी के अभाव में हृदय की धमनी का ब्लॉकिंग और भी बढ़ जाती है तो दोबारा बाईपास की जरूरत पड़ती है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जोखिम कारकों को काबू में रखना जरूरी होता है। वजन, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल आदि को नियंत्रित कर इस स्थिति को टाला जा सकता है।

बाईपास सर्जरी के बाद देखभाल

- अगर वजन ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करें। रोजाना कम से कम 4 किमी टहलें।
- अगर डायबिटीज की समस्या है तो शुगर को नियंत्रित में रखने की कोशिश करें।
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, अधिक वसा युक्त चीजों से बचें और कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखें।

HEALTH

प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में अस्वस्थ होने का जोखिम

ये तनाव कहीं ले न ले आपकी जान

बदलाव के प्रति होने वाली एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है तनाव। हर किसी को तनाव होता है। तनाव सकारात्मक और आपको ऊर्जा देने वाला भी हो सकता है या अस्वास्थ्यकर और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करने वाला भी। हो सकता है कि कम समय-अंतरालों तक रहने वाला तनाव आपको प्रभावित न करे, लेकिन लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव आप पर प्रभाव डाल सकता है या हृदय रोग, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, आंतों में गड़बड़ी, दमा या गठिया जैसी कुछ बीमारियों को और अधिक बिगाड़ सकता है।

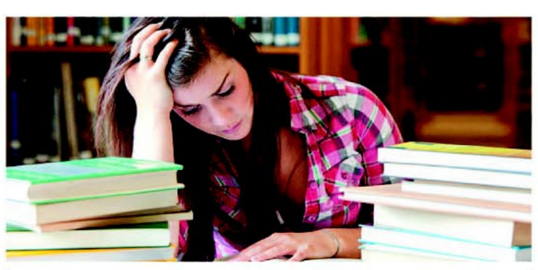

टेंशन के कई कारण...

प्रत्येक व्यक्ति के लिए तनाव के अलग-अलग कारण होते हैं। तनाव के कुछ सामान्य कारणों में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, बीमारी, अपने परिवार की देखरेख करना, रिश्तों में बदलाव आना, काम, नौकरी बदलना, जगह बदलना और पैसा हो सकते हैं। यहां तक कि देर तक इंतजार करना, विलंब हो जाना या भारी ट्रैफिक होना जैसी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण हो सकती हैं।

काउंसलर की लें मदद

यदि आपको आवश्यकता हो तो किसी चिकित्सक से मदद प्राप्त करें। तनाव का सामना करने और समस्याओं से निपटने में काउंसलर आपकी मदद कर सकता है। उदासी के एहसास, घबराहट या सोने की समस्या दूर करने में सहायता के लिए आपका डाक्टर आपको दवाइयां लिखकर दे सकता है। कर्म पर ध्यान दें, परिणाम स्वतः ही उपयुक्त होगा। परिणाम चिंता का कारण है। अपने को श्रेष्ठ बनाएं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। दूसरों की तरह करने का प्रयत्न न करें। 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' के चक्कर में न पड़ें। थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है, इसको हम स्ट्रेस कहते हैं। इसके चलते हम प्रगति करते हैं।

इस तरह करें सामना...

तनाव के लक्षणों पर ध्यान न दें। जब ये प्रकट हों तो इसके कारण से बचने या इनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलने की कोशिश करें। कुछ ऐसा करें जो आपको तनावमुक्त करे, जैसे-धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेना, हाथ-पैर फैलाकर किए जाने वाले व्यायाम, योग, मालिश, ध्यान, संगीत सुनना, पढ़ना, गुनगुने पानी से स्नान करना या शॉवर लेना। कोई शौक पालें या कुछ ऐसा करें, जिसमें आपको आनंद आता है। जिन चीजों को आप नहीं बदल सकते, उन्हें स्वीकार करना सीखें। सकारात्मक सोच रखें। सीमा तय करें। 'नहीं' कहना सीखें। एक समय पर एक काम करें। हर रात 8 घंटे की नींद लें।

रेसिपी

आटे की रस मलाई

सामग्री

250 ग्राम आटा, 1 बड़ा चम्मच घी, 50 ग्राम पिसी शक्कर, 1 छोटा चम्मच इलायची पावडर, 1 छोटी कटोरी बारीक कटी मेवा, 2 लीटर फूल क्रीम दूध, 2 टेबल स्पून शक्कर, केसर के धागे, 1 चम्मच बादाम पिस्ता कतरन, बादाम 8-10

विधि

आटे को घी में गुलाबी होने तक भूनें। उसके बाद उसमें शक्कर और 1 गिलास पानी डालकर गाढ़ा हलवा तैयार करें। दूध को शक्कर और केसर के धागे डालकर आधा रहने तक उबालें। इसे ठंडा होने दें। एक बड़ा चम्मच हलवा लेकर हथेली पर फैलाएं और इसके अंदर एक चम्मच मेवा रखकर चारों ओर से बंद करके हाथ से हल्का-सा चपटा करें। गरम तवे पर एक चम्मच घी लगाकर दोनों ओर सुनहरा होने तक सेकें। इन्हें गरम-गरम ही तैयार रबड़ी में डालें। ऊपर से पिस्ता कतरन और बादाम से सजाकर सर्व करें। रसमलाई के दूध में अपनी पसंद के अनुसार मेवा कम या ज्यादा कर सकते हैं। यानि जो मेवा आपको पसंद हो उसे डाल दीजिए और जो ना पसंद हो उसे हटा दीजिए।

पोटैटो स्टू

सामग्री

2 आलू छीलकर काट लें, 2 गाजर छीलकर काट लें, एक कप मटर, 10 फ्रेंच बींस, कटी हुई एक प्याज, लहसुन की 4 कलियां, अदरक का एक इंच बड़ा टुकड़ा, 3 हरी मिर्च, एक टुकड़ा दालचीनी, 4 लौंग, एक चम्मच काली मिर्च, 4 इलायची, 2 कप नारियल का पतला दूध, एक कप नारियल का गाढ़ा दूध, 8 करी पत्ते, स्वादानुसार चीनीस्वादानुसार नमक,

विधि

स्टू बनाने के लिए लहसुन और अदरक को पीस लें। अब एक बर्तन में तेल गर्म करें। फिर इसमें करी पत्ते, दालचीनी, लौंग, इलायची और काली मिर्च डालकर मध्यम आंच पर फ्राई करें। जब तेल से खड़े मसालों की खशबू आने लगे तो इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज सुनहरा हो जाए तो पैन में आलू, गाजर, मटर और फ्रेंच बींस डालकर चलाएं। इसके बाद सब्जियों में नारियल का पतला दूध, चीनी और नमक डालकर मिलाएं और पैन को ढक दें। अब धीमी आंच पर सब्जियों को नर्म होने तक पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो पैन से ढक्कन हटाकर इसमें नारियल का गाढ़ा दूध डालें। इसके बाद मध्यम आंच पर सब्जी को एक मिनट पकाकर गैस बंद कर दें। केरल की स्पेशल वेजिटेबल स्टू तैयार है। इसे रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

ये कॅरियर आपको जल्द बनाएंगे अमीर

हर इंसान अमीर बनने के ख्वाब देखता है। कॉलेज खत्म होने के बाद हम सबके सामने कॅरियर को चुनने का विकल्प होता है। हम उसी कॅरियर को चुनना चाहते हैं, जिसमें हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमा सकें और अपनी लाइफ को सही मायने में सैटल कर सकें। इस सबके लिए जरूरी है कि हम ऐसे कॅरियर का चुनाव करें जो हमें बहुत दूर तक ले जाएं। इसी से संबंधित हम आज आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे कॅरियर विकल्पों के बारे में जो आपके गोल को सही तरीके से चुनने में आपकी मदद करेंगे।

कोडिंग-डिकोडिंग दिमाग की उपज

आज के जमाने में कोडिंग-डिकोडिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइनिंग सब सॉफ्टवेयर क्रिएटर की दिमाग की उपज हैं, जो आज हम रोजमर्रा के लिए फेसबुक व अन्य वेबसाइट के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इस जॉब के लिए आप में मैनेजमेंट स्किल के साथ इंट्रापर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है।

बनें सॉफ्टवेयर क्रिएटर

सॉफ्टवेयर क्रिएटर सॉफ्टवेयर प्रोडक्टस को डेवेलप करता है। अगर आप टेक्नोलॉजी में रुचि रखते हैं और नए-नए आइडिया सोचने में महारत हासिल रखते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। मार्केट में हमेशा नए व हाई लेवल सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है। ऐसे में आपको अच्छी सैलरी पर जॉब मिल जाएगी। इस प्रोफेशन में आपके दिमाग का नए आइडिया के सोचने के लिए तेज होना जरूरी है साथ में आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी होनी चाहिए।

सबक लेकर पाएं तरक्की की राह

हर वर्ष कोई न कोई सीख दे जाता है। वर्ष 2014 ने भी ऐसी कई बातें सिखाई हैं, जिनसे सबक लेकर वर्ष 2015 में आप तरक्की की राह पकड़ सकते हैं। अधिकतर बिजनेस प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे जूनियर लीडर्स को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह रुझान अगले 4-5 साल कायम रहेगा। यानि इस साल भी अधिक जवान लोगों को तरक्की मिलेगी। इस मौके का लाभ लें। इस वर्ष कैंपस में मिलने वाले इंटर्नशिप के मौके 20 प्रतिशत बढ़ गए। यह रुझान भी जारी रहेगा। यदि आप छात्र हैं तो इस मौके का फायदा उठाएं। कई कंपनियों में जवान लोगों के लीडरशिप संभालने के बीच रिटायर हो रहे कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के लिए भी कंपनियां कई प्रस्ताव दे रही हैं। यदि आप रिटायर हो रहे हैं तो पार्टटाइम काम करने का ऑफर भी हासिल कर सकते हैं। पारम्परिक नौकरी का ढंग तथा रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर में बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में लोगों से मेल-मिलाप के कौशल को सुधारिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**